नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 168 | नई दिल्ली, बुधवार 14 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

सर्जरी कराने को लेकर ट्रोल हुईं रिमी सेन ➤ पेज-12

एक नजर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करेंगी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 78 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को राष्ट्र को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति का संबोधन आकाशवाणी के संपूर्ण राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा। दूरदर्शन के सभी चैनलों पर भी हिंदी और उसके बाद अंग्रेजी में इसका प्रसारण किया जायेगा। दूरदर्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में संबोधन के प्रसारण के बाद क्षेत्रीय चैनलों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में इसका प्रसारण किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस पर तड़के चार बजे से शुरू होंगी मेट्रो ट्रेन सेवायें

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर लोगों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिये, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने सभी टर्मिनल स्टेशनों से अपनी सभी लाइनों पर तड़के करीब चार बजे से अपनी सेवायें शुरू करने की घोषणा की है। डीएमआरसी की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, गुरुवार तड़के चार बजे से सुबह करीब छह बजे तक सभी लाइनों पर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो ट्रेन सेवायें संचालित होंगी और उसके बाद पूरे दिन नियमित समय सारिणी के अनुसार ही मेट्रो ट्रेन संचालित की जायेंगी। इसके अलावा, स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिये, रक्षा मंत्रालय की ओर से आमंत्रित किये गये लोगों को मेट्रो स्टेशनों पर ह्यनिर्धारित निमंत्रण कार्डह्ण और वैध सरकारी फोटो पहचान पत्र दिखाने के बाद ही यात्रा करने की अनुमति दी जायेगी। यह व्यवस्था केवल लाल किला, जामा मस्जिद और चांदनी चौक मेट्रो स्टेशनों पर ही लागू होगी। यही आमंत्रण कार्ड केवल इन तीन स्टेशनों से वापसी यात्रा के लिये भी मान्य होंगे। यात्रियों को इन व्यवस्थाओं के बारे में सूचित करने के लिये ट्रेनों के अंदर नियमित रूप से घोषणायें की जायेंगी। इस तरह की यात्रा की लागत रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को प्रतिपूर्ति की जायेगी।

देश के 22 राज्यों में सात दिन तक तेज बरसात की चेतावनी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के 22 राज्यों में अभी सात दिन तक और तेज बारिश की चेतावनी दी है। राजस्थान के सवाई माधोपुर में बांध टूटने से गंभीर संकट पैदा हो गया है। हिमाचल प्रदेश में 197 सड़कें बंद हैं। विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, तमिलनाडु, दिल्ली, मेघालय, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा,पश्चिम बंगाल और सिक्किम कहीं-कहीं तेज तो कहीं-कहीं मध्यम वर्षा होगी। 18 राज्यों के येलो और चार राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में बांध टूटने से कई इलाके डूब गए हैं। मूसलाधार बारिश से कम से कम सात जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 197 सड़कें बंद हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले सात दिनों के दौरान राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

डॉक्टरों ने देशव्यापी हड़ताल ली वापस

आधी रात को स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा से मुलाकात के बाद फोरडा का ऐलान

- कोलकाता रेप कांड के बाद से हड़ताल पर थे डॉक्टर्स

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। कोलकाता में महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या से आक्रोशित डॉक्टरों ने अपनी देशव्यापी हड़ताल वापस ले ली है। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात के बाद हड़ताल वापस लेने का फैसला किया। फोरडा इंडिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नड्डा से मुलाकात की थी।

स्वास्थ्य मंत्री ने दिया आश्वासन

रेजिडेंट डॉक्टरों के संघ (फोरडा) के अध्यक्ष अविरल माथुर ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद कहा कि हम अभी केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा जी से मिले हैं और अपनी नई मांगें उनके सामने रखी हैं... उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वो डॉक्टरों के लिए सुरक्षित कामकाजी माहौल मुहैया कराएंगे।

NMC ने जारी की एडवाइजरी

इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के निदेशों का पालन करते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने मंगलवार को सभी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों को एडवाइजरी जारी की। इसमें डॉक्टरों के लिए सुरक्षित कामकाजी माहौल सुनिश्चित करने की अपील की गई है। एनएमसी की ओर से यह एडवाइजरी बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला के साथ हुए यौन उत्पीड़न और हत्या के बाद आई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि हाल के दिनों में मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। सभी मेडिकल कॉलेजों से अनुरोध है कि वे डॉक्टरों के लिए कॉलेज और अस्पताल परिसर में सुरक्षित कार्य वातावरण बनाएं। पॉलिसी में ओपीडी, वार्ड और कमरों में पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। कर्मचारियों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर सुरक्षित रूप से चलने के लिए शाम के समय गलियारों और परिसर में अच्छी रोशनी होनी चाहिए और निगरानी के लिए सभी संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरा होना चाहिए।

उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि हमारी मांगों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाएगी। एक कमेटी बनाई जाएगी जिसमें हम भी शामिल होंगे... हमारी सभी मांगें मान ली गई हैं, इसलिए फोरडा हड़ताल वापस ले रहा है।

नड्डा ने जताई थी चिंता

इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछले एक- दो दिनों में विभिन्न डॉक्टर असोसिएशन और डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिल चुका है। सभी ने डॉक्टरों ने सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। स्वास्थ्य मंत्री का कहना था कि वह भी डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। नड्डा ने कहा था कि मंत्रालय भी इस पर चिंता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का जरूर कोई हल निकाला जाएगा और जो भी कदम उठाने की जरूरत होगी, सरकार वह कदम उठाएगी।

अदालत के आदेश के बाद सीबीआई ने बलात्कार-हत्या की जांच शुरू की

कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा मंगलवार को केंद्रीय एजेंसी को यहां एक सरकारी स्वामित्व वाले अस्पताल में एक जूनियर महिला मेडिकल प्रशिक्षु के साथ कथित बलात्कार और हत्या की जांच करने का निर्देश दिए जाने के कुछ ही घंटों बाद सीबीआई हरकत में आ गई। हालाँकि प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया और बुधवार को पूरे पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में आठ घंटे के लिए काम बंद करने का आह्वान किया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे तब तक आंदोलन बंद नहीं करेंगे जब तक कि वास्तविक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता और 31 वर्षीय महिला स्नातकोत्तर प्रशिक्षु के क्रूर बलात्कार-हत्या के लिए अनुकरणीय सजा नहीं दी जाती, जिसने देश की सामूहिक चेतना को झकझोर कर रख दिया है। पूरे भारत में जनता का आक्रोश।

सूत्रों ने बताया कि पीड़िता शुक्रवार तड़के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 36 घंटे की ड्यूटी के बाद आराम कर रही थी।

पीएम मोदी 11वीं बार लाल किले पर तिरंगा फहराकर पूर्व पीएम को छोड़ेंगे पीछे

- 15 अगस्त पर समारोह में 18 हजार मेहमानों को किया आमंत्रित

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लगातार 11वीं बार लाल किले पर तिरंगा फहराने वाले देश के तीसरे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। इस उपलब्धि के साथ, पीएम मोदी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को पीछे छोड़ देंगे जिन्होंने लगातार दस बार लाल किले पर तिरंगा फहराया था। साथ ही, पीएम मोदी इंदिरा गांधी की बराबरी करेंगे, जिन्होंने लाल किले पर 16 बार तिरंगा फहराया था।

पीएम मोदी इस मामले में पंडित जवाहरलाल नेहरू से पीछे रहेंगे, जिन्होंने लाल किले पर 17 बार लगातार तिरंगा फहराया था। नेहरू ने 1947 से 1963 तक लगातार 17 सालों तक लाल किले पर झंडा फहराया। इसके बाद इंदिरा गांधी ने 1966 से 1976 और 1980 से 1984 तक 16 बार लाल किले पर तिरंगा फहराया। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने 2004 से 2013 तक दस बार इस परंपरा को निभाया था।

इस स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त पर लाल किले में समारोह के लिए 11

श्रेणियों में कुल 18 हजार मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। इनमें चार हजार खास मेहमान महिलाएं, किसान, युवा और गरीब वर्ग के लोग भी शामिल होंगे। यह वर्ग पीएम मोदी द्वारा देश की चार प्रमुख जातियों के रूप में पहचाना गया था। इसके अलावा, पेरिस ओलंपिक 2024 में शामिल सभी खिलाड़ियों को इस समारोह में आमंत्रित किया गया है।

इस प्रकार लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडा फहराने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की विविधताओं और उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने का प्रयास किया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मेहमानों के शामिल होने से समारोह और भी खास हो जाएगा।

हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका की शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है।

याचिका में शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री द्वारा उस आवेदन को सूचीबद्ध करने से इंकार करने को चुनौती दी गई है, जिसमें अडानी समूह की कंपनियों के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए कथित धोखाधड़ी के आरोपों के समाधान के लिए की गई कार्रवाई पर सेबी से स्थिति रिपोर्ट मांगी गई थी।

याचिका में हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को रिकॉर्ड में लाया गया है कि सेबी की चेयरपर्सन और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस के ऑफशोर फंड में कथित तौर पर निवेश किया था, जिसका नियंत्रण अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी के बड़े भाई विनोद अडानी के पास है।

याचिका में कहा, हालांकि सेबी प्रमुख माधबी बुच ने इन आरोपों को निराधार बताया और इस अदालत ने यह भी माना है कि

तीसरे पक्ष की रिपोर्ट पर विचार नहीं किया जा सकता है, लेकिन इन सबने जनता और निवेशकों के मन में संदेह का माहौल पैदा कर दिया। ऐसी परिस्थितियों में सेबी के लिए लंबित जांच को समाप्त करना और जांच के निष्कर्ष की घोषणा करना अनिवार्य हो जाता है।

याचिका में कहा गया है कि इस मामले में जांच के लिए शीर्ष अदालत के आदेश के लिए पहले जनहित याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता विशाल तिवारी ने रजिस्ट्रार के 05 अगस्त के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें मामले में उनके पिछले आवेदन को पंजीकृत करने से इनकार कर दिया गया था।

याचिका में कहा गया है कि अदालत ने इस वर्ष 03 जनवरी के अपने आदेश में सेबी द्वारा जांच पूरी करने के लिए तीन महीने की समयसीमा दी गयी है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि रजिस्ट्रार द्वारा 03 जनवरी के आदेश की व्याख्या को स्वीकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि शीर्ष अदालत का पिछला आदेश खुद ही एक विशेष समय अवधि में एक कार्य करने की बात करता है।

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मामले में समीक्षा याचिका को खारिज करने का कोई असर नहीं होगा, क्योंकि समीक्षा याचिका की प्रकृति और आधार आदेश के अनुपालन के लिए उनके द्वारा दायर वर्तमान विविध आवेदन से बिल्कुल अलग हैं।

याचिका में कहा गया है कि जनहित में और उन निवेशकों के हित में जिन्होंने 2023 में अडानी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद अपना पैसा खो दिया है...सेबी द्वारा की गई जांच और उसके निष्कर्षों के बारे में जानना महत्वपूर्ण है।

याचिका में दलील दी गई है कि हिंडनबर्ग द्वारा एक नई रिपोर्ट प्रकाशित की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सेबी की वर्तमान अध्यक्ष और उनके पति धवल बुच के पास अडानी समूह के कथित धन गबन घोटाले से जुड़े ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी।

उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने अपने गत 03 जनवरी के फैसले में तब सीबीआई या एसआईटी जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि बाजार नियामक सेबी आरोपों की 'व्यापक जांच' कर रहा और उसका आचरण विश्वास जगाता है।

इसके बाद शीर्ष अदालत ने सेबी को अडानी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच तीन महीने के भीतर पूरी करने का निर्देश दियाक था।

लालू-नीतीश फिर से होंगे साथ?

बिहार में कौन सा संदेश लेकर आए हैं ममता के दूत!

दीपक कुमार तिवारी

पटना। 'न खामोश होने आया हूं, न किसी को खामोश करने आया हूं।' बिहारी बाबू उर्फ शत्रुघ्न सिन्हा ने यह कह कर बिहार की राजनीतिक में भूचाल ला दिया है। इस भूचाल की तीव्रता कुछ और बढ़ गई जब एक ही दिन राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और वेटरन राजनीतिज्ञ राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी से मुलाकात की।

बिहारी बाबू उर्फ शत्रुघ्न सिन्हा लगातार छह बार सांसद और कई बार मंत्री बनने के बाद केवल अभिनेता नहीं रह गए हैं। अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से और शिवानंद तिवारी से मुलाकात महज दोस्ती की याद ताजा करना है क्या? तृणमूल के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा तो यही कहते हैं। लेकिन बिहार का राजनीतिक गलियारा शत्रुघ्न सिन्हा के फेमस डायलॉग खामोश जैसा खामोश नहीं है। चर्चा यह है कि आगामी विधान सभा चुनाव 2025 में टीएमसी की राजनीतिक भविष्य कहीं तलाशने तो नहीं आए हैं। या फिर भाजपा के विरुद्ध रणनीति का एक पहलू यह भी है कि वह कहीं नीतीश कुमार और लालू यादव को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की कवायद करने आए हैं।

हालांकि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात को शत्रुघ्न सिन्हा ने निजी बताया। पर यह बात कहकर शत्रुघ्न सिन्हा ने जरूर चौंका दिया कि वह अगले दौरे में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मिलेंगे। वह भी यह कहते कि अक्सर उनसे काफी पर बात होते रहती है। कुछ कारणों से इधर मुलाकात नहीं हुई। लेकिन अगली बार उनके साथ कॉफी जरूर पिऊंगा।

यह अलग बात है कि इस निजी दौरे में भी टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। कहा कि ये जो हिंडन वर्ग की रिपोर्ट आई है उससे भाजपा सरकार, भाजपा के कई नेता, भाजपा के कई मित्रगण थर्राए हुए हैं। ऐसा इसलिए कि वे जानते हैं कि इस बार बात निकली है तो दूर तलक जाएगी। लोग कहते हैं कि इस बार हिंडन वर्ग ने बहुत सोच समझ कर रिपोर्ट किया है। राहुल गांधी की इस बात से मैं सहमत हूं कि सुप्रीम कोर्ट को स्वयं संज्ञान लेना चाहिए, यह राष्ट्रीय मुद्दा है।

पश्चिम बंगाल में एक महिला डॉक्टर की हत्या और बलात्कार का मामले में शत्रुघ्न सिन्हा कहते भी हैं कि बंगाल सरकार कार्रवाई कर रही है। आप लोकल पुलिस को क्यों हतोत्साहित करना चाहते हैं। सीएम ममता बनर्जी ने साफ कहा दो तीन दिन देखते हैं। बंगाल पुलिस सफल नहीं होती तो मामला सीबीआई को दे देंगे। पर सीबीआई भी होली काऊ नहीं, काऊ है।

कुछ लोग भारत के तेजी से होते विकास को पचा नहीं पा रहे : उपराष्ट्रपति धनखड़

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग के आरोपों की जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) जांच की मांग को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत 'बेहद तेज गति' से विकास कर रहा है, लेकिन कुछ लोग 'अस्थिरता लाना' चाहते हैं।

उपराष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग के आरोपों को लेकर सरकार पर हमला तेज कर दिया है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर जेपीसी जांच शुरू नहीं की गई तो देशव्यापी आंदोलन होगा। भाजपा ने इस मांग को भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के उद्देश्य से किया गया एक 'ढकोसला' करार दिया है।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भारत मंडपम से 'तिरंगा बाइक रैली' को हरी झंडी दिखाए जाने के मौके पर धनखड़ ने अपने संबोधन में कहा, 'साथियों, हमारे देश का विकास बेहद तेज गति से हो रहा है। कुछ लोग इसे पचा नहीं पा रहे हैं, वे अवरोध उत्पन्न करना और अस्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, वे सोचते हैं कि अगर भारत इसी तरह आगे बढ़ता

रहा तो निश्चित रूप से विश्व गुरु बन जाएगा। जो लोग अवरोध पैदा करते हैं, कहीं से कुछ भी बात उठ जाए उसको प्रामाणिक मानते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं देश को सावधान करना चाहता हूं, मैं नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे ऐसी ताकतों, देश विरोधी ताकतों, खतरनाक मकसद वालों से बेहद सतर्क रहें। उनका एकमात्र उद्देश्य भारत को अस्थिर करना है, ताकि हमारी प्रगति बाधित हो। धनखड़ ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान 'विकसित भारत' के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दशार्ता है और दिखाता है कि यह सदी 'भारत की सदी' है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनके मन में कोई संदेह नहीं है कि आज प्रत्येक भारतीय देश विरोधी ताकतों को परास्त करने का संकल्प लेंगे। उन्होंने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्ण अभियान भारतीयों को देश विरोधी ताकतों को परास्त करने के लिए एकजुट होने के लिए प्रेरित करता है।

धनखड़ ने कहा, मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि हर परिस्थितियों में देश के हित को व्यक्ति, राजनीति और समाज के हितों से ऊपर रखना चाहिए। हमारे देश के उन शत्रुओं को हराने के लिए एकजुट होना चाहिए जो हमारे अभूतपूर्व विकास को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को सही रास्ता दिखाना चाहिए और उन्हें दिखाना चाहिए कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध है।

प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम से शुरू हुई बाइक रैली इंडिया गेट होते हुए मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में समाप्त हुई। 'हर घर तिरंगा' अभियान का तीसरा संस्करण 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नौ से 15 अगस्त तक मनाया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत ऐसा देश बन चुका है जो लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारा उत्थान अजेय है। हमारा उत्थान हमें 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाएगा जब हम अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे। उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं हर भारतीय से अपील करता हूं कि आप इस मैराथन मार्च के महत्वपूर्ण हिस्सेदार हैं और यह बाइक रैली इसका एक हिस्सा है जिसे हरी झंडी दिखाने का सौभाग्य मुझे मिला।

विरोधियों को चुप कराने की कोशिश करता है हर तानाशाह : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने अपने नए डीपी कैंपेन 'सत्यमेव जयते' की शुरूआत की है। पार्टी का कहना है कि यह तानाशाही के खिलाफ सच्चाई की लड़ाई है। मंगलवार को वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने इसकी घोषणा की।

कैंपेन के तहत आम आदमी पार्टी के सभी नेता-कार्यकर्ता अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी बदलेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ 'आप' नेता आतिशी ने कहा कि, पिछले 2 साल भाजपा की केंद्र सरकार ने, उनकी तानाशाह सरकार ने आम आदमी पार्टी को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आम आदमी पार्टी के नेताओं पर झूठे केस लगाए, रेड की लेकिन उन्हें भ्रष्टाचार का एक रुपया भी नहीं मिला। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जेल में डाला लेकिन फिर भी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जेल में डाल दिया। मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया, सतेंद्र जैन को गिरफ्तार किया, संजय सिंह को गिरफ्तार किया, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया। ऐसी गिरफ्तारियां स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि, उस समय भी जो लोग अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाते थे, उनको भी झूठे मुकदमों के तहत जेल में डाला जाता था। जवाहर लाल नेहरू जेल रहे, लाला लाजपत राय जेल में रहे, महात्मा गांधी जेल में रहे। आप नेता आतिशी ने कहा कि, हर तानाशाह अपने विरोधियों को अपने विपक्षियों को चुप करने के लिए जेल में डालने की कोशिश करता है। भाजपा ने भी सोचा था कि, अपनी तानाशाही से आम आदमी पार्टी को दबा देंगे, तोड़ देंगे। लेकिन उनकी हर संभव कोशिश के बाद भी आम आदमी पार्टी नहीं टूटी। और आखिरकार मनीष सिसोदिया जी के जेल में 17 महीने रहने के बाद सच्चाई की जीत हुई और मनीष सिसोदिया जी बाहर आए। 'सत्यमेव जयते' का डीपी कैंपेन उन्होंने कहा कि, आज इस सच्चाई की जीत के उपलक्ष्य में आम आदमी पार्टी 'सत्यमेव जयते' का डीपी कैंपेन शुरू कर रही है।

आम आदमी पार्टी के सभी सोशल मीडिया पर सत्यमेव जयते के डीपी कैंपेन की शुरूआत हो रही है। आप नेता आतिशी ने कहा कि, हम भाजपा को ये बताना चाहते है कि वो हमें कितना भी परेशान कर ले लेकिन तोड़ नहीं सकते है। वो चाहे कितने समय भी हमारे नेताओं में जेल में डाल दे लेकिन जीत आखिरकार सच्चाई की ही होगी। उन्होंने साझा करते हुए कहा कि, आज दोपहर 3 बजे से आम आदमी पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता और सोशल मीडिया हैंडल सत्यमेव जयते के डिसप्ले पिक्चर को कैंपेन के रूप में शुरू करेंगे।

दिल्ली में बढ़ रहा यमुना का जलस्तर, बाढ़ से निपटने को विभाग तैयार: मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के बाद मंगलवार को कहा कि हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) पर यमुना का जलस्तर 204.35 मीटर तक पहुंच गया है। भारद्वाज ने बताया कि चेतावनी स्तर 204.5 मीटर है। उन्होंने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से फिलहाल 10,000 से 13,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को यमुना के बढ़ते जलस्तर से बचने की चेतावनी देने और बच्चों को नदी के पास जाने या उसमें तैरने से रोकने के लिए मंगलवार से मुनादी शुरू होगी। भारद्वाज ने कहा कि जरूरत पड़ने पर नावों की व्यवस्था और बचाव कार्यों के लिए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण तथा राजस्व विभाग की तैयारियां पूरी नदी के खतरे के निशान पर पहुंचने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बचाव कार्य शुरू कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पिछले मानसून के मौसम में शहर में आई बाढ़ की स्थिति को फिर से बनने से रोकने के लिए विभागों ने खुद को तैयार कर लिया है। मंत्री ने कहा कि नदी के प्रवाह में आने वाले आईटीओ बैराज के जाम हो गए गेट जैसे अवरोधों को दूर कर लिया गया है।

अवैध इमारत का मलबा गिरने से युवक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। सिविल लाइंस इलाके में गिराई गई अवैध इमारत के मलबे से रविवार शाम एक शख्स सरिया चुरा रहा था। इसी दौरान मलबे का ढेर गिरने से उसकी मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार खैबर पास के पास सरकारी जमीन पर बने अवैध निमार्णों को हटाने के लिए अभियान चलाया गया था। इसके बाद निर्धारित क्षेत्र में मौजूद सभी इमारतों को गिरा दिया गया, लेकिन मलबा मौके पर पड़ा है। कुछ लोग मलबे से लोहा आदि चुराकर कबाड़ी आदि को बेच रहे हैं। चंद्रावल निवासी 26 वर्षीय हंसमुख रविवार को सरिया निकाल रहा था, तभी मलबा उसके उपर ढह गया। गंभीर हालत में घायल युवक को अरुणा आसफ अली अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि इस हादसे से पहले दो बार एमसीडी को मलबा हटाने के लिए लिखा जा चुका है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह : 15 अगस्त को रेल यातायात रहेगा स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली जंक्शन से शाहदरा स्टेशन के बीच रेल यातायात को अस्थायी तौर पर स्थगित किया जाएगा। इसके चलते जहां पांच दैनिक ट्रेनों को रद्द किया गया है।

वहीं, कुछ गाड़ियों को दूसरे रास्तों से चलाने का निर्णय लिया गया है। उत्तर रेलवे के मुख्य प्रवक्ता हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली जंक्शन से शाहदरा स्टेकशन के बीच रेल यातायात सुबह 6.45 से 9 बजे तक (2.15 घंटे) अस्थासयी रूप से स्थ गित रहेगा।

यह रेलगाड़ियां रहेंगी रद्द

04413 गाजियाबाद-दिल्ली जंक्शन

04486 दिल्ली जंक्शन-साहिबाबाद

05000 शामली-दिल्ली जंक्शन

04447 गाजियाबाद-दिल्ली जंक्शन

04940 दिल्ली जंक्शन-गाजियाबाद

यह गाड़ियां परिवर्तित मार्ग से चलेंगी

04339 बुलंदशर-तिलक ब्रिज स्पेशल को साहिबाबाद-तिलक ब्रिज होकर चलाया जायेगा

04091 खुर्जा-शकूरबस्ती स्पेशल को साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली होकर चलाया जायेगा

इन गाड़ियों को रोककर चलाया जाएगा

04404 सहारनपुर-दिल्ली जंक्शन स्पेशल को गाजियाबाद-शाहदरा के बीच रोककर चलाया जायेगा

04946 दिल्ली जंक्शन-गाजियाबाद स्पेशल को दिल्ली जंक्शन पर रोककर चलाया जायेगा

18102 जम्मू तवी झटाटानगर एक्सप्रेस को दिल्ली जंक्शन पर रोककर चलाया जायेगा

15910 लालगढ़-डिब्रुगढ अवध असम एक्सप्रेस को दिल्ली जंक्शन पर रोककर चलाया जायेगा

12324 बाड़मेर-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस को रेवाड़ी-दिल्ली जंक्शन के बीच मे 60 मिनट रोककर चलाया जायेगा

इन गाड़ियों के समय में रहेगा बदलाव

12038 दिल्ली जंक्शन-कोटद्वार सिद्धबली शताब्दी एक्सयप्रेस सुबह 7 बजे की जगह 9 बजे चलेगी

15484 दिल्ली जंक्शन-अलीपुरद्वार सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस सुबह 7.35 की जगह 8.50 बजे चलेगी

04401 दिल्ली जंक्शन-सहारनपुर स्पेशल सुबह 7.45 की जगह 9.10 बजे चलेगी।

12225 आजमगढ़-दिल्ली जंक्शन कैफियात एक्सप्रेस 14 अगस्त को आजमगढ़ से 90 मिनट की देरी से चलेगी

14042 देहरादून-दिल्ली जंक्शन मसूरी एक्सप्रेस 14 अगस्त को देहरादून से 90 मिनट की देरी से चलेगी।

डीयू के एनसीवेब स्नातक की पहली कट ऑफ 22 अगस्त को

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट वुमेन्स एज्यूकेशन बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी - एनसीवेब) में सत्र 2024-25 के लिए स्नातक कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। स्नातक में प्रवेश 12वीं बोर्ड परीक्षा के मेरिट स्कोर के आधार पर होता है और यह केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) की छात्राओं के लिए है। एनसीवेब विभिन्न कॉलेज केंद्रों पर स्नातक के दो कोर्स प्रदान करता है। इसके अंर्तगत बी.ए. (प्रोग्राम) एवं बी.कॉम (प्रोग्राम) कोर्स संचालित होते हैं। इस सत्र की पहली कट ऑफ 22 अगस्त और पांचवी कट ऑफ 26 सितम्बर को घोषित की जाएगी। एनसीवेब की निदेशिका प्रो. गीता भट्ट ने मंगलवार को बताया कि हमारा उद्देश्य महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास के अवसर प्रदान करना है, जिससे वे समाज में सार्थक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि एनसीवेब द्वारा 26 स्नातक कॉलेज केन्द्रों एवं एक परास्नातक केन्द्र पर सप्ताहांत में कक्षाओं का संचालन किया जाता है। स्नातक के सभी 26 कॉलेज केन्द्रों पर कुल 15,210 सीटों पर छात्राओं को प्रवेश मिलेगा। इनमें से प्रत्येक कॉलेज केन्द्र पर बीए एवं बीकॉम के लिए औसतन 550 सीटें आवंटित हैं।

बेटे ने पिता पर चाकू से वार किया, इलाज जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के विष्णु गार्डन एक्सटेंशन इलाके में झगड़े के दौरान एक युवक ने अपने पिता पर चाकू से कथित तौर पर वार कर दिया जिससे वह घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान राज कुमार रतन के रूप में हुई है। गुर्दे की बीमारी से पीड़ित रतन को नियमित डायलिसिस की जरूरत होती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उनकी हालत स्थिर है और उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार रात 11 बजे ख्याला पुलिस थाने को कथित तौर पर चाकू घोंपने की घटना के बारे में सूचना मिली। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रतन और उसके बेटे सचिन रतन (29) के बीच झगड़ा हुआ और सचिन ने अपने पिता पर चाकू से वार कर दिया तथा फरार हो गया। रतन को जीजीएस अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सफदरजंग अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि सचिन रतन बेरोजगार है और शराब का आदी है, जिसके कारण उसका अपने पिता से अक्सर झगड़ा होता रहता है। अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

आतिशी नहीं फहरा पाएंगी झंडा, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने खारिज किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के दिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी जगह दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी को झंडा फहराने के लिए नामित किया था। उनके इस फैसले को जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (जीएडी) ने खारिज कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस समय जेल में बंद हैं, उन्होंने इच्छा जताई थी कि उनकी जगह दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी झंडारोहण करें। दिल्ली सरकार के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने केजरीवाल के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि केजरीवाल की जगह आतिशी स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं। इसके लिए नियमों का हवाला दिया गया है। दरअसल बीते सोमवार को दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने तिहाड़ में अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी। उसके बाद उन्होंने दिल्ली सरकार के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट को 15 अगस्त के दिन झंडारोहण की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए थे और कहा था कि अरविंद केजरीवाल के मुताबिक इस बार झंडारोहण दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी करेंगी। गोपाल राय के जारी किए गए पत्र पर जवाब देते हुए जीए डिपार्टमेंट ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस सर्वोच्च संवैधानिक पवित्रता वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम हैं। उन्हें उनके योग्य कद के अनुसार मनाने के लिए विस्तृत प्रावधान है। इसमें कोई भी विचलन या अधीनता न केवल उनसे जुड़ी पवित्रता को कमजोर करेगी, बल्कि वैधानिक अवैधता भी हो सकती है। जीएडी के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी नवीन कुमार चौधरी द्वारा जारी किए गए इस पत्र में लिखा है, ह्लमैं आपका ध्यान दिल्ली जेल नियम, 2018 के नियम 585, 588, 620 और 627 की ओर आकर्षित करता हूं। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उपरोक्त संचार अनुमेय संचार में योग्य नहीं है। जिसे जेल के बाहर भेजा जा सकता है। ऊपर परिभाषित लोगों के एक निर्दिष्ट समूह के साथ केवल निजी पत्राचार की अनुमति है।

मनीष सिसोदिया ने किया सरकारी स्कूलों का दौरा

कहा- 'बच्चों की मुस्कान मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं...

नई दिल्ली, 13 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया ने शिक्षा मंत्री आतिशी के साथ वेस्ट विनोद नगर के स्कूल में छात्रों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। छात्रों ने सिसोदिया और आतिशी को राखी भी बांधी। इस दौरान उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में कहा, 'पिछले 17 महीने में जो सबसे ज्यादा मिस कर रहा था, वो थी इन बच्चों से मुलाकात।' इसके साथ ही उन्होंने ध्वजारोहण को लेकर हो रही राजनीति पर उपराज्यपाल विनय सक्सेना पर हमला बोला। वेस्ट विनोद नगर में स्कूली दौरे पर पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, "पिछले 17 महीनों में स्कूलों में जाने और बच्चों से मिलने से चूक रहा था। मेरा मानता हूं कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। आज, मैं आतिशी के साथ यहां पर आया हूं। आतिशी ने साजिशकताओं को शिक्षा क्रांति को रोकने नहीं दिया। मुझे खुशी है कि उन्होंने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है।" मनीष सिसोदिया ने कहा कि जिस स्कूलों का मैंने शिलान्यास किया था, वह अब बनकर तैयार हो गए हैं और उनका शिक्षा मंत्री ने उद्घाटन भी कर दिया है। इसके साथ ही 20 स्कूल बिल्डिंग शुरू हो गई है। एक नया स्पोर्ट्स स्कूल शुरू हो गया है। वहां बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आर्मी स्पोर्ट्स प्रिपेरटॉरी स्कूल के पहले बैच में पढ़ने वाले 64 बच्चों में से 32 बच्चे एनडीए क्वालीफाई हुए हैं और उसमें से 8 बच्चे सेकंड लेफ्टिनेंट बनकर देश की सेवा कर रहे हैं।

15 अगस्त पर राजनीति की जा रही: मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर तंज कसते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के समय के ऐसे पवित्र अवसर पर राजनीति की जा रही है। मैं अखबारों में पढ़ता रहता हूं कि जब ठग सुकेश पत्र लिखता है तो तिहाड़ के अधिकारी उस पत्र को एलजी को सौंप देते हैं। एलजी उस पर कार्रवाई करते हैं, लेकिन जब दिल्ली के निर्वाचित सीएम पत्र लिखते हैं तो एलजी तिहाड़ के अधिकारियों को उन्हें पत्र भेजने से रोकते हैं।

भलस्वा डेयरी में 16 अगस्त तक तोड़फोड़ अभियान पर रोक रहेगी : एमसीडी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को अवगत कराया कि वह 16 अगस्त तक उत्तर-पश्चिमी दिल्ली की भलस्वा डेयरी कॉलोनी में किसी भी अवैध ढांचे को नहीं गिराएगा। अदालत इससे संबंधित एक मामले में 16 अगस्त को ही सुनवाई करेगी। डेयरी कॉलोनी के निवासियों की तरफ से पैरवी कर रहे एक वकील ने अदालत को बताया कि एमसीडी का बुलडोजर तोड़फोड़ की कार्रवाई करने के लिए भारी पुलिस बल के साथ इलाके में पहुंच गया है जिस पर नगर निगम के अधिवक्ता ने एमसीडी का पक्ष करते हुए कहा कि कार्रवाई को 16 अगस्त तक रोक दिया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष यह मामला उठाया गया। एमसीडी के वकील के मौखिक बयान पर गौर करते हुए अदालत ने कहा कि वह इस मामले पर 16 अगस्त को सुनवाई करेगी। अदालत 16 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी में डेयरियों की स्थिति के बारे में एक याचिका पर भी सुनवाई करने वाली है। अदालत ने जुलाई में अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि राष्ट्रीय राजधानी में सभी डेयरी कॉलोनियों में अनधिकृत निर्माण को हटाया जाए और नगर निगम को चार सप्ताह के भीतर भलस्वा की डेयरियों को घोघा डेयरी कॉलोनी में स्थानांतरित करने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा था। मंगलवार को अदालत को बताया गया कि एमसीडी ने सोमवार शाम को तोड़फोड़ की कार्रवाई का आदेश पारित किया था और मंगलवार सुबह बुलडोजर के साथ-साथ पुलिस बल भी इलाके में पहुंच गया।

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की हुई शुरूआत

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की शुरूआत उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क स्थित डॉ अखिलेश दास गुप्ता इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज से हुई है। नेशनल इनफॉरमेशन सेंटर के वरिष्ठ निदेशक दिव्योजित दत्ता और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजू सरकार ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. निरंजन भट्टाचार्य, सहित तमाम प्रोफेसर, फैकल्टी स्टाफ, छात्र और छात्राएं मौजूद थे।

डायरेक्टर को-ऑर्डिनेशन डॉ. विजय धीर ने बताया कि डॉक्टर अखिलेश दास गुप्ता इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज ने अल्ट्राटेक सीमेंट के साथ मिलकर कॉलेज में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है। इस केंद्र का फायदा कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों को मिलेगा।

एक नजर

केजरीवाल की हिरासत दो सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। कथित आबकारी घोटला से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत की अवधि दो सितंबर तक बढ़ाई है।

केजरीवाल और कविता को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया था। इससे पहले अदालत ने सीबीआई मामले में दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ाई थी। बता दें, ईडी मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है, लेकिन बेल बांड न भरे जाने के चलते उनकी न्यायिक हिरासत जारी है। इस मामले में आप नेता संजय सिंह और मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

बुजुर्ग सात साल की बच्ची से करता था दुष्कर्म, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। सदर बाजार इलाके में सात साल की बच्ची से दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। पुलिस ने शुक्रवार को एफआईआर दर्ज कर आरोपी बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बच्ची को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, बच्ची परिवार सहित सदर बाजार इलाके में रहती है।

बताया जा रहा है कि आरोपी निसार कई दिनों से बच्ची को चॉकलेट और रुपये का लालच देकर अपने पास बुलाता था और फिर यौन शोषण करता था। इस बीच बच्ची की तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती कराया। जांच के दौरान यौन शोषण की बात सामने आई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी निसार अपनी दुकान पर बैठा है। अगर उसे जानकारी मिल जाती तो वह भाग जाता। एसआई पंचम ने उसे दूसरे मोबाइल नंबर से फोन कर नौकरों के सत्यापन के बारे में पूछा। कभी आधार तो कभी वोटर आईडी कार्ड के बहाने आधे घंटे तक निसार को बातों में उलझाए रखा। इस बीच सदर बाजार थाने की पुलिस आरोपी की दुकान पर पहुंच गई। फिर उसे सत्यापन के बहाने सदर बाजार थाने लाकर गिरफ्तार किया गया।

नकली नोट बनाने वाले गिरोह के तीन बदमाश धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। दो सौ रुपये के नकली नोट बनाने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड सहित तीन आरोपियों को द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने 11 अगस्त को गिरफ्तार किया है। आरोपियों अनास खान, विकास कुमार और अमन कुमार के पास से दो सौ रुपये के 701 नकली नोट, तीन मोबाइल, नकली नोट छापने के उपकरण, एक कलर प्रिंटर, ?एक ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंटर, एक लैपटॉप, लेमिनेशन मशीन, स्याही और नकली नोट पर सुरक्षा धागे की छपाई के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कच्चा माल बरामद किया है। अनास इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। आरोपियों ने नकली नोट बनाने की फैक्ट्री दिल्ली के स्वरूप नगर स्थित इब्राहिमपुर एक्सटेंशन में लगाई हुई थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों से नकली नोट खरीदने वाले आरोपियों की जानकारी जुटा रही है।

स्वतंत्रता दिवस पर निर्धारित समय से पहले शुरू होंगी दिल्ली मेट्रो की सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। आम लोगों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने की सुविधा प्रदान करने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) 15 अगस्त को अपनी सभी लाइन पर टर्मिनल स्टेशन से तड़के चार बजे ट्रेन परिचालन शुरू कर देगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर तड़के चार बजे से सुबह छह बजे तक डीएमआरसी की सभी लाइन पर ट्रेन सेवाएं 15 मिनट के अंतर पर उपलब्ध होंगी और उसके बाद की अवधि में नियमित समय सारिणी का पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसके अलावा, जिन लोगों के पास स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी निमंत्रण कार्ड होगा, उन्हें स्टेशन पर वैध फोटो पहचान पत्र दिखाने पर प्रवेश और यात्रा की अनुमति दी जाएगी। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा, यह व्यवस्था केवल लाल किला, जामा मस्जिद और चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन पर निकास के लिए मान्य होगी, जो कार्यक्रम स्थल के सबसे नजदीक हैं। यह निमंत्रण कार्ड केवल इन्हीं तीन स्टेशन से वापसी की यात्रा के लिए भी मान्य होंगे। दयाल ने कहा कि यात्रियों को इन व्यवस्थाओं के बारे में सूचित करने के लिए ट्रेन के अंदर नियमित घोषणाएं की जाएंगी। उन्होंने बताया कि डीएमआरसी को ऐसे यात्रियों की यात्रा की लागत की प्रतिपूर्ति रक्षा मंत्रालय करेगा।

29 चाइनीज मांझा का रोल बरामद, सात लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। चाइनीज मांझे को लेकर दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस की विशेष टीम ने अभियान चलाया है। 27 जुलाई से 12 अगस्त के बीच पुलिस टीम ने सात आरोपियों को अलग-अलग इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से प्रतिबंधित मांझे के 29 रोल बरामद किए गए हैं। पुलिस का यह अभियान लगातार जारी है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की सप्लाई को रोकने के लिए जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ, एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड, कापसहेड़ा, सागरपुर थाने की विशेष टीम ने इलाके में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान सात आरोपियों अरुण कुमार, गोविंद पंडित, अजय कुमार, प्रशांत कुमार, मोहम्मद सद्दाम, नरेंद्र कुमार और पवन कुमार को गिरफ्तार किया गया।

उत्तर पश्चिमी दिल्ली की भलस्वा कॉलोनी में अवैध निर्माण हटाने के लिए नगर निगम का अभियान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मंगलवार को उत्तर पश्चिमी दिल्ली की भलस्वा डेयरी कॉलोनी में अतिक्रमण और अवैध निर्माण हटाने के लिए अभियान शुरू किया। मौके पर भारी संख्या में सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। एमसीडी ने इलाके में 800 अवैध संरचनाओं की पहचान की है। पशुपालन के लिए आवंटित भूमि पर ये आवासीय और व्यावसायिक संरचनाएं खड़ी कर दी गईं। पिछले सप्ताह नगर निगम ने नोटिस जारी कर अतिक्रमण किए गए परिसर को खाली करने के लिए बकाएदारों को तीन दिन का समय दिया था। इसमें कहा गया था कि समयसीमा समाप्त होने के बाद सभी अतिक्रमण और अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और इन्हें हटाने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा।

लिफ्ट लेने के बहाने महिला करती थी लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। विकासपुरी थाना पुलिस की टीम ने 11 अगस्त को एक महिला सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। महिला आरोपी लोगों को लिफ्ट लेने के बहाने रोकती थी। इसके बाद महिला और उसके साथी शख्स के साथ लूटपाट करते थे। आरोपियों अमायरा और जगजीत के पास से लूट का सामान बरामद किया गया है। पुलिस अमायरा के पति की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि सात अगस्त को डीडीए पार्क जनकपुरी वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास लूट की वारदात हुई थी। आरोपियों ने पीड़ित को रोका और फिर उससे नकद, मोबाइल और पर्स लूट कर फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एनटीपीसी दादरी के सहयोग से "स्वस्थ भारत शिक्षित भारत" अभियान

एनटीपीसी दादरी एवं सलाम नमस्ते सामुदायिक रेडियो के संयुक्त तत्वाधान में न्यूट्री इंडिया कैम्पेन के तहत "स्वस्थ भारत" शिक्षित भारत अभियान की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक रेडियो दादरी, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं गाजियाबाद के सरकारी विद्यालय एवं गांवों में जागरूकता अभियान चलाएगा। वहीं शनिवार को कार्यक्रम के दौरान रेडियो की ओर से सीदीपुर एवं धूम मानिकपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिलाएं एवं स्कूली छात्रों के साथ न्यूट्री इंडिया कैंपेन के तहत स्वस्थ भारत शिक्षित भारत विषय पर चर्चा की गई। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि स्वस्थ भारत शिक्षित भारत अभियान के तहत गांवों में स्वच्छ जल एवं प्रदूषित जल से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। खास कर महिलाओं में हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस ई, डायरिया एवं एनीमिया के कारण एवं बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत हम समुदाय को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं। बारिश के मौसम में जलजमाव एवं मच्छर जनित रोग से बचने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड कहा कि महिलाएं अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वच्छता पर भी ध्यान केंद्रित करें। एनटीपीसी दादरी की सीएसआर कार्यकारिणी निधि महरा ने बताया कि सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते महिला एवं बाल स्वास्थ्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी कोशिश आसपास के सभी गांवों एवं कामकाजी महिलाओं को रेडियो के माध्यम से जोड़कर सही पोषण के लिए जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सही पोषण के लिए सिर्फ खान-पान जिम्मेदार नहीं है, वरन खाने के साथ टेलीविजन देखना, बच्चो को मोबाइल में उलझा कर खाना खिलाना, खड़े होकर या कुर्सी एवं दीवार में पीठ टिकाकर खान खाना भी इसके जिम्मेदार है। निम्न एवं आर्थिक रूप से कमजोर होना कुपोषण का कारण नहीं है, वरन भागदौड़ भरी जिन्दगी में अत्यधिक मात्रा में फास्ट फूड का सेवन कुपोषण का मुख्य कारण है। हम अपने खानपान में खास तौर से तीन रंगों के भोजन को शामिल कर पोषण के लिए समाज के हर वर्ग एवं व्यक्ति को जागरूक कर सकते हैं। कुपोषण से मुक्ति के लिए दिनचर्या में सुधार के साथ-साथ सही पोषण को भी व्यवहार में लाने की जरूरत है।

कोलकाता में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दरिंदगी का विरोध, उपचार के लिए पहुंचे मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी ग्रेटर

नोएडा, 13 अगस्त (वेब वार्ता)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सक और पैरा मेडिकल स्टाफ कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी के मामले में मंगलवार को दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे। इसका असर संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ा। इमरजेंसी को छोड़कर बाकी विभागों में रेसिडेंट डॉक्टरों ने काम बंद कर दिया। करीब एक घंटे तक ओपीडी बंद रही। अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी। जानकारी के अनुसार जिम्स में प्रतिदिन 1500 से अधिक विभिन्न स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित मरीज ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचते हैं। मंगलवार को सुबह से ही मरीजों का आना शुरू हो गया, लेकिन 9 बजे के बाद संस्थान के डीएनबी रेसिडेंट और प्रशिक्षु चिकित्सक समेत पैरा मेडिकल स्टाफ हड़ताल पर बैठ गया। संस्थान के 40 चिकित्सकों में से 25 से अधिक हड़ताल पर रहे। इस दौरान करीब एक घंटे तक अस्पताल की ओपीडी में कोई भी डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी नहीं था, यहां तक की वार्ड में भर्ती मरीजों का सुबह 9 बजे चिकित्सकों ने जांच की। उसके बाद करीब एक बजे तक चिकित्सकों की हड़ताल के दौरान ओपीडी में पर्ची बनाने से लेकर इलाज कराने तक में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में संस्थान के अधिकारियों के समझाने के बाद कुछ चिकित्सक व स्टाफ काम पर लौटे और अस्पताल में पर्ची बनवा चुके मरीजों का इलाज किया।

बिना इलाज के घर लौटे मरीज कई मरीज ऐसे भी थे, जिन्हें पर्ची तक बनवाने में परेशानी हुई और वे बिना कोई उपचार लिए ही वापस घर लौट गए। कासना निवासी रजनी ने बताया कि उसके बेटे को बुखार है, वह इलाज के लिए आई थी, लेकिन पर्ची ही नहीं बनवा सकीं।

एक नजर

सभी प्रकरणों का नियमानुसार जल्द करायें निस्तारण : डीएम

गाजियाबाद, एजेंसी। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, एनजीटी सहित समस्त आयोगों में लम्बित प्रकरणों की समीक्षा बैठक हुई। डीएम इन्द्र व्रिकम सिंह ने लम्बित प्रकरणों की प्राप्त रिर्पोट देखने के बाद सम्बंधित एडीएम, एसडीएम सहित अन्य सम्बंधित विभागाध्यक्षों से जानकारी प्राप्त की। जिसमें उन्होंने पाया कि कुछ रिटों में काउंटर, रिजॉइंडर और कुछ डिस्पोजल हो चुके हैं। कुछ प्रकरणों की जानकारी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि जो प्रकरण निस्तारण की ओर हैं उन्हें जल्द निस्तारित किया जाए और जो प्रकरण संज्ञान में नहीं हैं। उनका विवरण सम्बंधित न्यायालय से प्राप्त करें। सभी प्रकरणों का निस्तारण जल्द से जल्द करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एडीएम ई, एडीएम एल/ए, एडीएम एफ/आर, अपर नगर आयुक्त, डीडीओ सभी एसडीएम, गूंजा सिंह जीडीए, सभी तहसीलदार, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, समाज कल्याण अधिकारी, एसीएमओ, प्रोबेशन अधिकारी सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिजली समस्या की शिकायत व्हाट्सऐप से कर सकेंगे

नोएडा, एजेंसी। शहर के बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए बिजली उपकेंद्रों के सीयूजी मोबाइल नंबरों पर व्हाटसऐप की सुविधा शुरू की जाएगी। इससे संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ता बिजली उपकेंद्र के सीयूजी मोबाइल नंबर पर व्हाट्सऐप के जरिए भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ को उपभोक्ताओं की शिकायतों का जवाब देना होगा। विद्युत निगम ने शहरी क्षेत्र के बिजली उपकेंद्रों के सीयूजी मोबाइल नंबरों पर व्हाटसअप शुरू करने का निर्णय लिया है। इस नंबर पर उपभोक्ता व्हाटसअप चैट के माध्यम से भी बिजली आपूर्ति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे उपभोक्ताओं को काफी सहूलियत होगी। निगम अधिकारियों के अनुसार व्हाटसअप मैसेज पर शिकायत आने के पांच से दस मिनट में एसएसओ को जवाब देना होगा। उपभोक्ता अभी उपकेंद्र के सीयूजी मोबाइल नंबर पर केवल बिजली आपूर्ति से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

गाजियाबाद में प्रेम प्रसंग के चलते 17 साल के छात्र ने फंदा लगाकर दी जान

गाजियाबाद, एजेंसी। मैं उससे बहुत प्यार करता हूं, मेरे मरने के पीछे किसी का कोई दोष नहीं है। करीब चार पांच लाइन का सुसाइड नोट लिखकर 17 साल के 11वीं कक्षा के छात्र रोशन ने सोमवार रात करीब आठ बजे फंदा लगाकर जान दे दी। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि रोशन 11वीं क्लास में पढ़ाई करता था। हादसे के दौरान माता-पिता और भाई अपने-अपने काम पर गए थे। परिवार विजयनगर में किराये पर रहता है। मूलरूप से नेपाल के बैतडी के रहने वाले हैं। प्राथमिक जांच में पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। उसने एक लड़की के बारे में लिखा है कि वह उससे बहुत प्यार करता है हालांकि रोशन ने मौत का जिम्मेदार किसी को नहीं बताया है। एसीपी का कहना है कि जांच की जा रही है।

आजादी के गुमनाम नायकों को याद किया

नोएडा, एजेंसी। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में हर घर तिरंगा एवं काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव पर मंगलवार को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों ने आजादी के गुमनाम नायकों को याद किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान डीपीएस स्कूल के छात्रों ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन में युवाओं की भूमिका पर अपनी राय रेडियो के माध्यम से व्यक्त किया।

गाजियाबाद में पत्नी की हत्या के दोषी को अदालत ने सुनाई दस साल की सजा

गाजियाबाद, एजेंसी। नौ साल पहले जहर देकर पत्नी की हत्या करने के दोषी पति कुलदीप उर्फ मोनू को अदालत ने दस साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश नीरज गौतम ने दोषी पर पांच हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। केस के विचारण के बाद अदालत ने कुलदीप की मां सास विमला को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। दिल्ली के पटपड़गंज निवासी भगवान सिंह ने अपनी बेटी रीना की शादी 29 फरवरी 2015 को खोड़ा निवासी कुलदीप उर्फ मोनू के साथ की थी। शादी के बाद से ही कुलदीप पत्नी पर तीन लाख रुपये, उसकी नौकरी लगवाने और मकान बनवाने की मांग करता था। मांग पूरी नहीं होने पर आए दिन मारपीट करता था। शादी के चार महीने बाद ही 18 अगस्त 2015 को शाम 4:30 बजे जहर पिला दिया। सूचना मिलने पर मायके वालों ने पहुंचकर रीना को दिल्ली के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन, उपचार के दौरान ही रीना की मौत हो गई। सुनवाई के दौरान अदालत में अभियोजन पक्ष ने सात गवाहों के बयान दर्ज कराए थे।

विवादित बयान देने के मामले में सत्यम पंडित गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। गुलधर में झुग्गियों में रहने वाले मजदूरों को पीटने का मामला सामने आने के बाद सत्यम पंडित ने भी इस संबंध में विवादित बयान देकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर मुकदमा दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके समर्थकों ने उसकी वीडियो बनाई और रील बनाकर वायरल कर दी।

पुलिस का कहना है कि सत्यम पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। निजी कार में लाने के संबंध में जांच की जा रह है। सत्यम को पुलिस गिरफ्तार करने निजी वाहन से उसके घर पहुंची। इसका वीडियो भी वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, पिंकी चौधरी की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश रैली निकालने का आह्वान करने वाले हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। डीसीपी नगर राजेश कुमार का कहना है कि निजी कार से गिरफ्तारी करने जाने के संबंध में जांच की जा रही है। वहीं, गुलधर में झुग्गियों में रहने वालों पर हमला करने वाले अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

गाजियाबाद में 25 हजारी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, एक आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। मोदीनगर डेयरी संचालक रामकुमार जाटव हत्याकांड में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी अंकित निवासी सीकरी खुर्द को रात गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमले का मामला सामने आया है। आरोपी पक्ष ने पुलिस टीम के साथ धक्का मुक्की और अभद्रता की। पुलिस टीम किसी तरह वहां बच कर निकली। थाना प्रभारी की तहरीर पर पांच महिलाओं समेत 12 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने एक आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी ने बताया कि रामकुमार जाटव हत्याकांड में फरार अंकित के गांव होने की जानकारी मिली। जानकारी के बाद थाना प्रभारी मोदीनगर के नेतृत्व में पुलिस टीम रविवार रात सीकरी खुर्द पहुंची। वहां पुलिस को महिलाओं के विरोध का सामना करना पड़ा। उनके पक्ष मे कुछ पड़ोसी भी आ गए। आरोपी पक्ष के लोग पुलिस टीम से गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। पुलिस का आरोप है कि आरोपियों ने बुग्गी लगाकर रास्ता बंद कर दिया। पुलिस अंकित की तलाश में आरोपी पड़ोसी के यहां पहुंची तो अंकित फरार हो गया।

ग्रेटर नोएडा में सड़क पर सिटी कार में लगी आग

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा।थाना सूरजपुर ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में स्थित घंटा चौक के पास आज सुबह को एक चलती हुई होंडा सिटी कार में आग लग गई और मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जन-हानि नहीं हुई है। कार चालक ने जलती हुई कार से कूदकर अपनी जान बचाई। मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि आज सुबह को पुलिस को सूचना मिली कि थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित घंटा चौक के पास एक होंडा सिटी कार जिसमें सीएनजी किट लगी थी, उसमें आग लग गई है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां वहां पर पहुंची तथा आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि कार चालक कार से कूद गया तथा इस घटना में कोई जन-हानि नहीं हुई है। इस घटना के चलते दादरी रोड पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना के समय सड़क पर यातायात का काफी दबाव रहा।

बुलेट पर सवार होकर झपटमारी करनेवाले दो लुटेरे गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। थाना सेक्टर-113 नोएडा में पुलिस ने बुलेट पर सवार होकर झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है। बता दे कि पुलिस का दावा है कि पकड़े गए लुटेरों ने जुलाई और अगस्त में लूट की कई वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपियों को मंगलवार सुबह एफएनजी रोड से पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों की पहचान नदीम पुत्र रईस निवासी लोनी गाजियाबाद और सोहेल पुत्र इसरार निवासी मेरठ के रूप में हुई है। दोनों ने मिलकर वारदातों को अंजाम दिया है और इनका एक साथी रिहान अभी फरार है। रिहान लूटे गए माल को बेचता था। बेचे गए माल से मिलने वाले पैसे को तीनों आपस में बांट लेते थे। इनके पास से लूटे गए आईफोन और वनप्लस फोन बरामद हुए हैं। इसके अलावा 13 हजार 500 की नकदी बरामद हुई है। बता दे कि पूछताछ में नदीम ने बताया कि उसने रिहान के साथ मिलकर 9 अगस्त को महागुन मॉडर्न सोसायटी सेक्टर-78 से एक महिला से आईफोन छीना था। 1 अगस्त को नॉर्थ आई स्क्वायर सेक्टर-76 से ऑटो में बैठी युवती से आईफोन-15 छीना था। 13 जुलाई 2024 को केंद्रीय विहार सेक्टर-51 से एक व्यक्ति की सोने की चेन छीनी थी, चेन रिहान ने बेच दी थी। वहीं, पूछताछ में सोहेल ने बताया कि रिहान ने 9 अगस्त को आदित्य सेलिब्रिटी होम्स सेक्टर-76 समिति के पास ई-रिक्शा में जा रही महिला से वन प्लस 6टी मोबाइल फोन छीना था। 11 जुलाई की रात को डीएस फार्म हाउस सेक्टर-73 से एक महिला के जेवर छीने थे।

ग्रेटर नोएडा: पुलिस ने अवैध हथियार और मादक पदार्थ जब्त किए, दो लोग गिरफ्तार

नोएडा (उप्र), एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाने की पुलिस ने अलग-अलग मामलों में अवैध हथियार तथा मादक पदार्थ जब्त किए हैं और दो लोगों को गिरफ्तार किया।

एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार रात मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने ऋतिक नाम के व्यक्ति को दुर्गा गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया गया जिसके पास से एक देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किए। सिंह ने दावा किया कि पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह लूटपाट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में पुलिस ने मोहम्मद कैफ नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसके पास से 1.15 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

सपा ने की छात्र पीडीए नौजवान जागरूकता सदस्यता अभियान की हुई शुरूआत : फैसल हुसैन

गाजियाबाद, एजेंसी। छात्र पीडीए नौजवान जागरूकता कार्यक्रम एवं सदस्यता अभियान के तहत आज गोविंदपुरम वार्ड 30 मुरादनगर विधानसभा में सदस्यता अभियान चलाया गया। मुख्य अतिथि रहे मनी शुक्ला प्रभारी जिला गाजियाबाद, फैसल हुसैन जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव महानगर अध्यक्ष, सोनी यादव प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी, संतोष यादव ब्लॉक प्रमुख, अभिषेक गर्ग वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी, शहजाद चौधरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा खालिद बुखारी महानगर सचिव विक्की ठाकुर योजन सभा महानगर अध्यक्ष मनोज पंडित पूर्व युव जन सभा महानगर अध्यक्ष एवं अगुवाई की मोहम्मद असलम कुरैशी जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष हाजी नासिर अंसारी तरुण जाटव मोहम्मद आसिफ सैफी आसिफ सलमानी नियाज खान मोइनुद्दीन सैफी उपाध्यक्ष फुरकान कुरैशी विधानसभा अध्यक्ष लोनी दानिश त्यागी विधानसभा अध्यक्ष मुरादनगर विधानसभा अजय कुमार ब्लॉक अध्यक्ष राजापुर सलमान सैफी नगर अध्यक्ष डासना साकिब सलमानी यासमीन कोसर हाफिज शमशेर आलम सुधीर वाल्मीकि सोनू काजानिया समीउल्लाह चौधरी जगदीश कर्दम अजय माइकल जितेंद्र कुमार सचिव शाहिद खान कोषाध्यक्ष समीर मलिक इरशाद प्रधान साजिव सैफी हाजी जावेद कुरैशी आदिल लाला जिले सलमानी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता रहे मौजूद, इस दौरान कॉलोनी वासियों ने सदस्य ग्रहण की।

सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी से संजीव गुप्ता एवं तनुज गुप्ता ने की मुलाकात

गाजियाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद में समरकूल ग्रुप की नवीन इकाई लगाने के संबंध में समरकूल होम एप्लायंसेज के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता एवं डायरेक्टर तनुज गुप्ता ने उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी से उनके आवास पर मुलाकात की, इस संबंध में संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि समरकूल ग्रुप इलाहाबाद में अपनी एक नई इकाई स्थापित करने जा रहा है। जिसका अनौपचारिक रूप से भूमि पूजन कर लिया गया है। इसी संबंध में आज उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंद जी से उनके निवास पर एक सुखद एवं सफल मुलाकात हुई। जिसमें उन्होंने मंत्री जी के समक्ष व्यापार एवं उद्योग जगत के कई मुद्दों पर गहन चर्चा करते हुए, अपनी इलाहाबाद इकाई को स्थापित करने के संबंध में भी बातचीत की, जिसके फलस्वरुप मंत्री जी ने उन्हें अस्वस्थ किया है। कि सरकार की ओर से समरकूल ग्रुप को हर संभव मदद की जाएगी। तथा जल्दी ही समरकूल ग्रुप गाजियाबाद के बाद अपना नया प्लांट इलाहाबाद में भी सुचारू रूप से आरंभ करने में सफल होगा। ज्ञात हो की संजीव कुमार गुप्ता उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, उद्योग मंच के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। जिसके फलस्वरुप वे समय-समय पर सरकार के समक्ष उद्योग जगत के हितों को ध्यान में रखते हुए, व्यापारियों और उद्यमियों की बातें रखते रहते हैं।

मण्डलायुक्त मुरादाबाद ने अवनीश अग्रवाल को सम्मानित किया

किरतपुर। वरिष्ठ समाज सेवी एंव आई० ए० के चैप्टर चेयरमैन अवनीश अग्रवाल द्वारा पैट्रोल पम्पों पर महिलाओं की सुविधा हेतु शौचालयों के निर्माण में सराहनीय योगदान पर मण्डलायुक्त मुरादाबाद द्वारा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अवनीश अग्रवाल को मण्डलायुक्त द्वारा सम्मानित होने पर उनके समर्थकों शुभचिंतकों एंव व्यापारियों ने हर्ष व्यक्त किया है और उनको बधाई दी है। वरिष्ठ समाजसेवी किरतपुर निवासी अवनीश अग्रवाल पम्प स्वामियों की संस्था आई० ए० के चैप्टर चेयरमैन हैं। उनके द्वारा क्षेत्र में पैट्रोल पम्पों पर महिलाओं को उनकी आवश्यकतानुसार पम्पों पर सुविधाओं का निर्माण किया। भविष्य में और अधिक सुविधा उपलब्ध कराने एंव उद्योगों की समस्याओं को लेकर अवनीश अग्रवाल मण्डलायुक्त मुरादाबाद आजनेय कुमार सिंह से मुरादाबाद कार्यालय में मिले। अवनीश अग्रवाल ने बताया कि मण्डलायुक्त ने समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया है। इस अवसर पर मण्डलायुक्त आयुक्त आजनेय कुमार सिंह द्वारा अवनीश अग्रवाल को शाल ओढ़ाकर एंव स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आजादी का जश्न मनाने को तैयार शहर, चढ़ा देशभक्ति का रंग

बाजारों में तिरंगा के साथ टी शर्ट, सूट, टोपी, बैंड, सजावट के लिए झालर एवं कैंडल खरीदने पहुंच रहे लोग

गाजियाबाद, एजेंसी। आजादी का जश्न मनाने को शहर तैयार है। लोगों पर देशभक्ति का रंग चढ़ा है। हर तरफ तिरंगे का ही खुमार है। हर घर तिरंगा अभियान के चलते बाजारों में तिरंगा वस्तुओं की दुकानों पर अलग ही रौनक देखी जा रही है। लोग जमकर तिरंगा वस्तुओं तथा पतंगों की खरीदारी कर रहे हैं। जिधर देखो तिरंगा झंडा शान से लहरा रहा है। कुल मिलाकर शहरवासी देशभक्ति से सराबोर हैं। जिले में आजादी की वर्षगांठ मनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शहर भर के लोगों पर देशभक्ति का रंग चढ़ा है और राष्ट्र के प्रति अलग ही जज्बा, जोश और जुनून देखने को मिल रहा है। सरकारी संस्थाओं के साथ गैर सरकारी संस्थाओं, संगठनों और समाजसेवी आजादी का उत्सव मनाने की तैयारी में जुटे हैं। शहर के प्रमुक बाजारों, चौक-

चौराहों, सोसाइटी और पार्कों में जश्न की तैयारियां चल रही हैं। मॉल, दुकान, रेस्टोरेंट और ऑफिस में तिरंगा गुब्बारों, झालरों और लाइट से सजाया जा रहा है। चाहे हिंदू हो या मुस्लिम सभी मजहब के लोग भाईचारे के सूत्र में बंधे दिख रहे हैं। घरों में लोगों ने सजावट के साथ-साथ तिरंगा भी लगाया है। गली-मुहल्लों में देशभक्ति के तराने गूंजते सुनाई दे रहे हैं। उधर स्कूल-कॉलेजों में भी हो रही तैयारीः जिले के स्कूल-कॉलेजों में स्वंत्रता दिवस मनाने की विशेष तैयारियां चल रही हैं, जहां छात्रों के नृत्य, गायन समेत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए अभ्यास कराया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस पर जिले के हर स्कूल-कॉलेज में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाएगा। वहीं, सोसायटी एवं कॉलोनी की आरडब्ल्यूए एवं एओए पदाधिकारी भी कार्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं। तिरंगा परिधान और वस्तुओं की बिक्री बढ़ीः शहर के बाजारों में तिरंगा परिधान और वस्तुओं की भी खूब बिक्री हो रही है। लोग तिरंगा टोपी, टी शर्ट, हैंड बैंड, घर सजाने के लिए झालर, कैंडल आदि की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। मंगलवार को भी लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज और पतंगों के साथ विशेष रूप से तैयार तिरंगा रंग के कपड़ों की खरीदारी की। महिलाएं बाजारों में तिरंगा चूड़िया पहनने पहुंच रही हैं। दुकान पर तिरंगे के रंग में हेयर बैंड, रबर बैंड, हैंड बैंड, चेहरे पर लगाने वाले स्टीकर के साथ हर साइज के तिरंगा भी मौजूद हैं।

दो किलोमीटर तक तिरंगा यात्रा निकाली

प्राधिकरण के अधिकारियों-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया लोगों में देश प्रेम की भावना जागृत करना उद्देश्य

नोएडा, एजेंसी। प्राधिकरण की तरफ से मंगलवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा सेक्टर-65 स्थित जल विभाग के दफ्तर से शुरू होकर दो किलोमीटर तक चली। इसमें प्राधिकरण के अधिकारियों-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बताया कि तिरंगा यात्रा निकालने का मुख्य उद्देश्य लोगों में देश प्रेम की भावना को और जागृत करना था। यह तिरंगा यात्रा मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सेक्टर-65 स्थित जल विभाग के यूजीआर से शुरू हुई। यह करीब दो किलोमीटर तक

चलते हुए वापस वहीं आकर समाप्त हो गई। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल और जीएम आरपी सिंह के नेतृत्व में यह तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें प्राधिकरण के सैकड़ों अधिकारियों-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कर्मचारियों ने भारत माता की जय और अमर शहीदों को याद किया।

यात्रा के दौरान कोई परेशानी ना हो, इसके लिए पुलिस बल भी मौजूद रहा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि 15 अगस्त तक अलग-अलग विभाग की तरफ से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद हर घर तिरंगा की तैयारी पूरी कर ली गई है। घर घर तक झंडा पहुंचे, इसके लिए प्राधिकरण की ओर से सर्किल वार टीम गठित की गई है।

नोएडा में हथियार बंद बदमाशों ने महिलाओं को धमका कर लाखों की नकदी व जेवरात लूटा

नोएडा, एजेंसी। थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के माहियापुर गांव में रहने वाले एक व्यक्ति के घर पर रात में हथियारों से लैस बदमाशों ने धावा बोलकर परिवार के लोगों और महिलाओं को डरा धमका कर लाखों की नकदी और जेवरात लूट लिया। बदमाश चार पहिया वाहन से आए थे और घटना को अंजाम देने के बाद मंगरौली छपरौली गांव की तरफ भाग गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वारदात के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी। इस घटना में किसी परिचित का हाथ बताया जा रहा है। एडीसीपी नोएडा सेंट्रल हृदेश कठरिया ने बताया कि उमेश लोहिया पुत्र तेजराम लोहिया ने थाना सेक्टर-142 पुलिस में शिकायत की है कि उनका ग्राम मुहैयापुर में गांव से हटकर खेत में मकान बना हुआ है।

रात एक बजे के करीब कुछ अज्ञात बदमाश उनके घर पर आए। उनके हाथ में चाकू और देसी तमंचा आदि था। उन्होंने परिवार की महिलाओं को धमकाकर उन्हें जान से मारने की धमकी देकर घर में रखा हुआ करीब 3 लाख रुपए नकद लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात आदि लूट ली। उन्होंने बताया कि पुलिस की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

चकबंदी अधिकारी का बाबू 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने की कार्रवाई

बरेली । शासन की सख्ती के बावजूद सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार खत्म नहीं हो रहा है। आए दिन रिश्वतखोरी के मामले सामने आ रहे हैं। बरेली में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को चकबंदी अधिकारी के बाबू अभय सक्सेना को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। किला निवासी बुजुर्ग दंपति सुधा अग्रवाल और विजय अग्रवाल की जमीन मोहनपुर गांव में है। इनकी जमीन की देखरेख पीलीभीत के बरखेड़ा निवासी सुनील कुमार मैनेजर के तौर पर करते हैं। इस जमीन की चकबंदी हुई है, इसलिए इसका दाखिल खारिज और खतौनी में नाम चढ़ाने के लिए चकबंदी अधिकारी का बाबू अभय सक्सेना 50 हजार रुपए रिश्वत मांग रहा था।

सुनील कुमार ने एंटी करप्शन सीओ यशपाल सिंह से शिकायत की। उनके निर्देश पर टीम ने रिश्वत की पहली किस्त लेते हुए अभय को गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन की कार्रवाई से विभाग में खलबली मच गई। उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

सांसद निधि के कार्यों में दिलचस्पी न लेने पर नोटिस, सीडीओ ने तीन सहायक अभियंताओं पर की कार्रवाई

वाराणसी। सीडीओ हिमांशु नागपाल की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन में सांसद निधि, विधायक निधि और सीएसआर योजना के प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद कार्यों में दिलचस्पी नहीं लेने पर सीडीओ ने सहायक अभियंता अभियंता ग्रामीण शेखर शरण, मयंक चौधरी और प्रज्ञा परमिता को कारण बताओ नोटिस जारी किया। साथ ही अभियंत्रण विभाग के नकुल रविदास और अमरेश बिंद का वेतन रोकने का आदेश दिया। सीडीओ ने अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को निर्देश दिए कि सांसद और विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों में प्रतिदिन पांच कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट और फोटोग्राफ उपलब्ध कराएं। अधिशासी अभियंता यूपी सिडको को अपूर्ण कार्यों को 15 सितंबर तक पूरा करने को कहा।

एकेटीयू दीक्षांत समारोह: बांग्लादेश का जिक्र कर राज्यपाल बोलीं- हमें छात्रों को शास्त्र सिखाना है शस्त्र नही

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि हमने बांग्लादेश का हाल देखा है। हमें भारत में ऐसा नहीं चाहिए। हमें अपने बच्चों को शस्त्र नहीं शास्त्र सिखाना है। हमें बच्चों को संस्कार और परंपरा पढ़ाना है। हमें हर घर तिरंगा लगाना है।

उन्होंने केरल के वायनाड में हुए नुकसान का जिक्र भी किया और कहा कि हमें पर्यावरण को बचाना है। एक पेड़ मां के नाम लगाना है। हमारे सामने भी ऐसी स्थिति न पैदा हो इसके लिए अभी से चेते। हर व्यक्ति, कॉलेज और छात्र पौधे लगाए और वीसी के मोबाइल पर फोटो भेजे। विश्वविद्यालय इसके लिए ऐप विकसित करे जिसमें पौधरोपण की जानकारी हो। इससे पहले राज्यपाल ने कुलपति को जल्द नैक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अच्छी स्थिति नहीं है कि कॉलेजों के नैक हो गए और आपके नहीं।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए किट वितरण में शामिल हुईं राज्यपाल

इसके पहले एकेटीयू में आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए किट वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यह नए साल का पहला कार्यक्रम है। आज एकेटीयू का दीक्षांत है, पहला समारोह। इसीलिए आज किट वितरण का कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य आपका विजन बढ़ाना है। आपने स्कूल में काम किया किट वितरण यूनिवर्सिटी में हो रहा है। ताकि आप देखें कि कल यह बच्चे यूनिवर्सिटी में जाएं। हमारा विजन छोटा नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का बड़ा और व्यापक विजन होना चाहिए। हमें इस तरह सोचना और प्रबंधन करना चाहिए। सुपरविजन सिर्फ भ्रमण नहीं है। हर बच्चा ठीक से पढ़ाई कर रहा, कहीं कोई दिक्कत है, एक्शन ठीक कर रहा है या नहीं? यह काम सुपरवाइजर, सीडीओ का है। मिट्टी, रेत में बैठकर भी काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि बच्चों का मनोविज्ञान पढ़ें और इनकी ट्रेनिंग कराएं। बच्चा क्या सोचता है, क्या बनना चाहता है। स्टेज पर सिर्फ बच्चों का कार्यक्रम होगा। विश्व में बच्चों पर शोध हो रहे हैं। इसके बाद ही अभ्यास कार्यक्रम आते हैं। शोध में यह मिला है कि 8 साल की उम्र तक 80 फीसदी बच्चे सीख जाते हैं। बच्चे कौन सी गलती कर रहे हैं, यह देखें। उसकी अंदर की चीजें समझें। मैंने आंगनबाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए सोचा है। यूनिवर्सिटी भी आगे बढ़ रही है। आंगनबाड़ी में गर्भावस्था भी आ जाती है। यह काफी महत्वपूर्ण समय है।

'अपनी नानी के घर रहेंगे दोनों बच्चे...किसी और पर भरोसा नहीं', पढ़ें कर्जदारों से परेशान सौरभ का सुसाइड नोट

सहारनपुर कर्ज ज्यादा होने से परेशान सहारनपुर के सराफा कारोबारी ने पत्नी के साथ खुदकुशी कर ली। सहारनपुर से 100 किलोमीटर दूर हरिद्वार में हर की पैड़ी के पास हाथी पुल से गंगा में कूदकर जान दे दी। गंगा में कूदने से पहले कारोबारी ने परिजनों को सुसाइड नोट, सेल्फी और लोकेशन भेजी थी। सुसाइड से पहले दंपती ने परिजनों को फोन भी किया था।

व्यापारी का शव सोमवार को रानीपुर क्षेत्र में गंगनहर किनारे से बरामद हो गया, जबकि पत्नी का पता नहीं लग सका। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के गोताखोर महिला की तलाश कर रहे हैं।

सोमवार की सुबह साढ़े नौ बजे रानीपुर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम जमालपुर खुर्द के पास गंगनहर के किनारे दलदल में शव फंसा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। मोबाइल फोन और पर्स से शिनाख्त सौरभ बब्बर (35) पुत्र दर्शनलाल बब्बर निवासी किशनपुरा कोतवाली नगर जनपद सहारनपुर यूपी के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि सौरभ ने अपनी पत्नी मोना के साथ हाथी पुल से गंगा में कूदने से पहले फोटो और लोकेशन भेजी थी। रानीपुर कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि परिजनों से संपर्क करने पर पता चला कि सौरभ की साईं ज्वेलर्स के नाम से सहारनपुर में दुकान है। लोगों के काफी पैसे उधार होने से परेशान था। 10 अगस्त को पत्नी मोना के साथ हरिद्वार आया और व्हाट्सएप पर सुसाइड नोट और लोकेशन, सेल्फी परिजनों को भेजी। लोकेशन पर परिजनों ने दोनों की तलाश की थी, मगर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद नगर कोतवाली में गुमशुदगी के लिए शिकायत दी थी। रविवार सुबह से तलाश रहे थे परिजन और पुलिस शनिवार देर रात सौरभ बब्बर की तरफ से मैसेज आने के बाद परिजन सोमवार सुबह सिटी थाने पहुंचे, जिसके बाद सहारनपुर पुलिस को साथ लेकर हरिद्वार तलाश करने गए। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि सीसीटीवी में दोनों दिखाई दिए, तभी से तलाश चल रही थी।

दरअसल, सहारनपुर के किशनपुरा में ही सौरभ बब्बर की साईं ज्वेलर्स के नाम से ज्वेलर्स की दुकान है, वह किट्टी जमा करने का काम भी करता था। काफी समय से व्यापार में घाटा हो रहा था। सौरभ के ऊपर करोड़ों का कर्ज हो गया था। सौरभ ने चार-पांच कमेटियां (आपस में पैसा जमा करना और फिर किस्तों पर उधार लेना) चलाई थी, उनके भी रकम देने का समय आ गया था। लेकिन सौरभ के पास कुछ नहीं बचा था। उधर, कर्जदार पैसा मांगने के लिए घर आ रहे थे। इससे परेशान होकर सौरभ ने पत्नी मोना बब्बर के साथ मौत का रास्ता चुना।

नयापुरवा का वजूद मिटा: शारदा नदी में समा गए गांव के सभी घर, खुले में तिरपाल डालकर गुजारा कर रहे लोग

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में शारदा नदी ने इस साल फिर कहर बरपाया। बिजुआ ब्लॉक के नयापुरवा गांव का वजूद मिट गया। रविवार रात गांव के सभी घर शारदा नदी में समा गए। अब गांव से दूर दो घर ही बचे हैं, जो कुछ वर्ष पहले गांव से निकलकर ग्रामीणों ने बनाए थे। ग्राम पंचायत करसौर के मजरा नयापुरवा गांव पर शारदा नदी ने कहर बरपाया। आखिरकार गांव का अस्तित्व समाप्त हो गया।

ग्रामीणों की आंखों के सामने ही तिनका-तिनका जोड़कर बनाए गए घर नदी में समा गए। खेत भी कटान की भेंट चढ़ गए हैं। घर और खेत कट जाने से बेघर हुए ग्रामीणों ने बंधे पर शरण ली है। ग्रामीण खुले में तिरपाल डालकर गुजारा कर रहे हैं। न तो उनके पास पर्याप्त भोजन सामग्री है और ही मासूम बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था। नयापुरवा अब इतिहास बन गया है। लेखपाल अविनाश मिश्रा ने बताया कि सभी कटान पीड़ितों के लिए रहीम नगर में बसने के लिए जगह चिह्नित की गई, लेकिन कोई भी वहां जाने के लिए तैयार नहीं है। पिछले साल इसी ग्राम पंचायत का मजरा चकपुरवा शारदा नदी में समा गया था।

नया पिंड पर संकट... तिकुनिया इलाके में मोहाना नदी इस बार खैरटिया बांध मार्ग किनारे कहर बरपा रही है। नदी की कटान से नया पिंड गांव पर संकट मंडराने लगा है। नायब तहसीलदार हरेराम ने गांव में मुनादी करवाकर लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की। सोमवार सुबह 11 बजे नायब तहसीलदार हरेराम नाव से नया पिंड गांव पहुंचे।

गांव में माइक से उद्घोषणा कराकर ग्रामीणों को बांध के पार बने गुरुद्वारा में शरण लेने को कहा। गांव में 84 घर हैं। इन पर कटान का खतरा मंडरा रहा है। नायब तहसीलदार ने बताया कि कटान तेजी से हो रहा है। गांव निवासी हकमी बाई, राजजो बाई, गुरमीत सिंह, मंगत सिंह, चरणजीत सिंह, मलकेश सिंह के घर कटान के निशाने पर हैं।

शारदा नदी ने तेज किया कटान, खतरे में तटबंध... ईसानगर खीरी क्षेत्र के ग्राम खनवापुर के निकट शारदा नदी अपने रौद्र रूप में है। नदी तेजी से तटबंध की तरफ बढ़ रही है। इससे ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें पड़ गई हैं। अगर तटबंध कटा तो दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ जाएंगे। नदी ने तटबंध का कटान भी शुरू कर दिया है। यह देख ग्रामीण भयभीत हैं। करीब दर्जन भर गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। ग्रामीणों ने तटबंध काटने की सूचना अधिकारियों को दी है।

नानपारा-मैलानी रेलवे ट्रैक को भी खतरा... खैरटिया में बांध मार्ग पर नानपारा-मैलानी का रेलवे ट्रैक स्थित है। ट्रैक से नदी करीब 200 मीटर पर तेजी से कटान कर रही है। इसके चलते रेलवे लाइन को भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

बिजनौर में हिजाब पहने आई छात्राओं को स्कूल से निकालने का आरोप

बिजनौर। बिजनौर जनपद के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के एक गांव में विद्यालय में पढ़ने गई छात्राओं ने विद्यालय के प्रधानाचार्य पर हिजाब में आने पर स्कूल से निकालने का आरोप लगाया। इसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल पर हुई। सी ओ नगीना मौके पर पहुंचे तथा दोनों पक्षों से बात की।

कोतवाली देहात क्षेत्र के एक ग्राम में सोमवार को कुछ छात्राओं ने विद्यालय के प्रधानाचार्य पर उन्हें हिजाब में आने पर स्कूल से निकालने की शिकायत की। जिस पर उन छात्राओं से उनके परिजनों को बुलाने की बात कही गई। मामले में छात्राओं के परिजन विद्यालय पहुंचे और प्रधानाचार्य से बात की। इस दौरान समाजवादी पार्टी के एक नेता तथा ग्राम प्रधान भी विद्यालय पहुंचे और मामले की जानकारी की।इसके बाद मामला तूल पकड़ गया।इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो बवाल मच गया। मौके पर पहुंचे सीओ नगीना राकेश वशिष्ठ ने दोनों पक्षों से बात की तथा उन्हें समझाया। सीओ नगीना राकेश वशिष्ठ ने बताया कि विद्यालय में ड्रेस कोड को लेकर विवाद था। प्रधानाचार्य द्वारा छात्राओं से यूनिफॉर्म में आने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि मामला शिक्षा विभाग का है। पुलिस का कार्य कानून व्यवस्था बनाने का है।

कानपुर में होगा एके 203 राइफल का उत्पादन, 38 उपकरण बनेंगे

कानपुर। सेनाओं के लिए छोटे हथियार बनाने वाली लघु शस्त्र निमार्णी (एसएएफ) में इसी महीने से देश की सबसे आधुनिक राइफल एके 203 का वृहद स्तर पर उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। यहां पर राइफल में लगने वाले 38-39 उपकरण बनाए और असेंबल किए जाएंगे। कोरवा में हाल में हुए ट्रायल में 15 हजार राउंड फायरिंग की गई थी।

भारत-रूस संयुक्त उपक्रम के तहत इंडो रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत इसका उत्पादन किया जा रहा है। अमेठी स्थित कोरवा में इसकी शुरूआत हुई थी। अब इसका उत्पादन और असेंबलिंग तेजी से की जानी है। इस राइफल के उपकरण अमेठी स्थित कोरवा आयुध फैक्टरी, कोलकाता स्थित राइफल फैक्टरी ईशापुर और कानपुर स्थित एसएएफ में बनेंगे। कोलकाता और कानपुर में 40-40 प्रतिशत उपकरण बनेंगे। 300 मीटर तक मार करने वाली इस आधुनिक राइफल के लिए कानपुर में रिट्रैक्ट मैकेनिज्म, सभी प्रकार के स्प्रिंग, बड्स समेत 38-39 उपकरण तैयार और असेंबल किए जाएंगे। निमार्णी के महाप्रबंधक सुरेंद्रपति ने बताया कि अगले आठ साल में 5.5 लाख राइफल बनाकर दी जानी हैं। अगस्त महीने के अंत तक औपचारिक पत्र आ सकता है। इसके बाद निमार्णी में इस राइफल का उत्पादन शुरू हो सकेगा।

एके 203 की खासियत... एके-203 700 गोलियां प्रति मिनट दागने में सक्षम है। इसका वजन 3.8 किग्रा और यह 705 मिमी लंबी है। 7.62 गुण 39 एमएम की नाटो ग्रेड की बुलेट इसमें लगती हैं। यह राइफल सेमी-ऑटोमैटिक या ऑटोमैटिक मोड में चलती है।

मुख्यमंत्री योगी का सपा-कांग्रेस पर हमला बोले- खटाखट करने वाले गायब हो गए हैं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने पूरी निष्पक्षता से चयन किया है। अब बिना किसी सिफारिश के नियुक्ति पत्र मिल रहा है। यह वही प्रदेश है जहां पहले दंगे होते थे। यहां पहले न बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी। पहले युवाओं के सामने पहचान का संकट था। यह संकट वही लोग पैदा करते थे जो आज फिर आपको बहकाने के लिए आए थे। उन्होंने सपा-कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यही खटाखट है। अब वो गायब हो गए हैं जबकि सीजन आएगा तो फिर लौटेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज मैं दावे से कह रहा हूं कि उत्तर प्रदेश आज सबसे अच्छे ग्रोथ वाला राज्य है। अब युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। आप कहीं जाते हैं तो शक की निगाह से नहीं सम्मान की निगाह से देखा जाता है। इसके लिए जनता को भी बधाई। 2017 से पहले कहीं जाने पर कमरा नहीं मिलता था। अब यूपी का नाम बोलने पर सम्मान मिलता है। ऐसे में नव चयनितों की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

1036 युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। इसमें आरक्षण नियमों का पालन हुआ। पहले चाचा भतीजे में लूटने की होड़ लग जाती थी तभी हर नियुक्ति में न्यायालय का हस्तक्षेप होता था। अब बेरोजगारी न्यूनतम स्तर पर है। जब विभिन्न राज्यों के सीएम मिलते हैं तो कहते हैं कि अब यूपी के लोग लौट रहे हैं इसलिए कंपनियों में संकट हो रहा है। हमने सुरक्षा का संकल्प लिया था, जो कर रहे हैं लेकिन कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं। लोगों के मन में अन्याय होने का भय पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों के कार्यकाल की तुलना में नौकरियों में 38 फीसदी अधिक ओबीसी का चयन हुआ है। आरक्षण का पूरी तरह से पालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब चयन निष्पक्ष हुआ है तो काम भी निष्पक्ष रूप में करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना पूरी करने के लिए आगे आएं। स्वास्थ्य विभाग में सांख्यिकी अधिकारी नियुक्त हो रहे हैं। डाटा एंट्री व्यवस्थित करें ताकि प्रगति तेज हो।

केजीएमयू सहित सभी अस्पतालों में डॉक्टरों ने किया कार्य बहिष्कार, बोले- पीएम बयान दें

लखनऊ। कोलकाता में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर की दुष्कर्म व हत्या के मामले में देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। मंगलवार को राजधानी लखनऊ में केजीएमयू सहित पीजीआई, लोहिया अस्पताल और बलरामपुर अस्पताल में डॉक्टरों ने हड़ताल कर कार्य बहिष्कार किया है। उनका कहना है कि डॉक्टरों को काम करने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाया जाए। एक प्रशिक्षु डॉक्टर की दुष्कर्म और हत्या एक शर्मनाक कृत्य है। हमें न्याय चाहिए। प्रदर्शनकारी एक डॉक्टर ने कहा कि पूरे देश में डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। अभी तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बयान तक नहीं दिया है। उन्हें बयान देकर हस्तक्षेप करना चाहिए।

डॉक्टरों के प्रदर्शन के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं हैं और लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान मरीज और उनके परिजन परेशान नजर आए। वहीं, पर्चे न बनने से बलरामपुर अस्पताल में भी काउंटरों पर भीड़ लगी रही। यही हाल लोहिया अस्पताल का रहा। यहां पर भी डॉक्टरों के प्रदर्शन के कारण ओपीडी बंद रहा। वरिष्ठ डॉक्टरों ने अस्पतालों में लोगों को काउंटर खाली करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अति गंभीर मामलों को इमरजेंसी में देखा जा रहा है। उन्होंने न्याय की मांग की है।

झांसी: जूनियर डॉक्टर का विरोध प्रदर्शन जारी... मंगलवार को रानी बाई रानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरो ने विरोध प्रदर्शन किया। ओपीडी के बाहर काफी देर तक नारेबाजी की। प्राचार्य ने काली पट्टी बांधी। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ नीरज शर्मा के नेतृत्व में जूनियर डॉक्टर ने गेट नंबर 1 से लेकर गेट नंबर 2 तक विरोध प्रदर्शन किया। प्राचार्य पहुंचकर न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी की। ओपीडी में जाकर नारेबाजी और प्रदर्शन जारी हैं।

हत्यारे को फांसी: कमरे में बंद करके दंपती सहित पांच को जिंदा जला दिया था

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में चार वर्ष पहले दंपती सहित पांच लोगों की जलाकर हत्या कर दी गई थी। मंगलवार को मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद दोष साबित होने पर जिला जज सुधीर कुमार ने दोषी को मृत्यु दंड की सजा सुनाई। उसने कमरे की कुंडी बाहर से बंद करके मिट्टी का तेल डालकर आग लगाई थी। मामला थाना कोतवाली के गांव माधौनगर खरपरी का है। गांव के रहने वाले जगदीश का अपने गांव के ही मुरारी से विवाद चल रहा था। 18 जून 2020 की रात 12 बजे जगदीश का भाई रामबहादुर, रामबहादुर की पत्नी सरलादेवी, पुत्री संध्या उर्फ रोहिनी, शिखा और पौत्र रिषी मकान के एक कमरे में सो रहे थे। रात में घर में घुसे मुरारी ने कमरे की कुंडी बाहर से बंद करके मिट्टी का तेल डालकर आग लगी दी। चीखपुकार सुनकर आए गांव के लोगों को देखकर मुरारी मौके से भाग गया। आग से जले रिषी ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था।

अन्य घायलों ने मेडिकल कॉलेज सैफई में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। जगदीश ने मुरारी के खिलाफ थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में भेज दी। मुकदमे की सुनवाई जिला जज सुधीर कुमार की कोर्ट में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से वादी, विवेचक, चिकित्सक सहित गवाहों ने मुरारी के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी। डीजीसी की दलीलों के बाद जिला जज सुधीर कुमार ने मुरारी को मृत्यु दंड की सजा सुनाई है।

रक्षाबंधन पर तोहफा: बहनों के लिए 48 घंटे फ्री चलेगी रोडवेज बसें, नहीं लगेगा टिकट

लखीमपुर खीरी। रक्षाबंधन पर बहनों को रोडवेज बसों में मुफ्त सफर की सुविधा मिलेगी। रोडवेज बसें 18 अगस्त की रात 12 बजे से बहनों के लिए फ्री हो जाएंगी, जो 20 अगस्त की रात 12 बजे तक रहेंगी। बहनों को मुफ्त सफर कराने के लिए रोडवेज ने लगभग तैयारी पूरी कर ली है। रक्षाबंधन के खास त्योहार पर भीड़ अधिक होने की वजह से सभी कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। भाई-बहन के त्योहार में परिवहन निगम महिलाओं को 48 घंटे फ्री सफर कराएगा। सरकार के निर्देश के बाद लखीमपुर और गोला डिपो ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। लखीमपुर और गोला डिपो ने बीते वर्ष रक्षाबंधन पर 20 हजार से अधिक महिलाओं को रोडवेज से मुफ्त सफर कराया था।

सभी श्रेणी की बसों में मुफ्त सफर.... इस साल भी सरकार ने 19 अगस्त को होने वाले रक्षाबंधन को लेकर 48 घंटे रोडवेज बसों में मुफ्त सफर कराएगा। इसको लेकर परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने आरएम और एआरएम को निर्देश जारी किए हैं। इसमें रोडवेज की सभी श्रेणी की बसों में मुफ्त सफर की सुविधा रहेगी। भीड़ बढ़ने पर बसों के अतिरिक्त फेरे बढ़ाए जाएंगे। चालक-परिचालक व अन्य स्टाफ को प्रोत्साहन राशि भी दिए जाने की व्यवस्था रहेगी।

मायावती बोलीं- संवेदनशील व्यवस्था बनाने के साथ ही दोषियों पर कार्रवाई भी जरूरी

लखनऊ बसपा सुप्रीमो मायावती ने कोलकाता में महिला प्रशिक्षु के साथ हुए दुष्कर्म व हत्या मामले में बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और शर्मनाक है। सरकार को ऐसी जघन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए सुरक्षा प्रबंध करने के साथ ही दोषी को सख्त सजा भी देना चाहिए।

उन्होंने एक्स पर कहा कि सरकारी, गैर-सरकारी या जीवन के अन्य किसी भी क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान आदि से जुड़ा यह अति-महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दा है जिसको लेकर सभी को जागरूक व सतर्क रहने की जरूरत है ताकि बंगाल की लेडी डाक्टर जैसी अति-दुखद व शर्मनाक घटनाएं न होने पाएं।

उन्होंने कहा कि देश भर में होने वाली ऐसी जघन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों को हर स्तर पर समुचित संवेदनशील व्यवस्था करने के साथ-साथ दोषियों के खिलाफ सख़्त त्वरित कार्रवाई भी बहुत जरूरी है। बता दें कि कोलकाता की घटना को लेकर देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं।

वकालत के अलावा ये काम भी करते थे अधिवक्ता, हत्यारों ने कॉल करके घर से बुलाया और मार डाला

मुरादाबाद । मुरादाबाद के नागफनी थाना इलाके के जिगर कॉलोनी बंगला गांव निवासी अधिवक्ता शौकीन अली (53) की हत्या कर दी गई। वह रविवार शाम छह बजे से गायब थे। सोमवार सुबह साढ़े दस बजे उनका शव मझोला क्षेत्र में चौहानों वाली मिलक स्थित गोशाला के पास कुएं में पड़ा मिला। पुलिस ने बेटे की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नुकीली चीज और पत्थर से सिर पर हमला कर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। मुरादाबाद के अधिवक्ता शौकीन अली सिविल से जुड़े मामलों की कोर्ट में पैरवी करते थे। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया है कि वह वकालत के अलावा प्रॉपर्टी का काम करते थे। पुलिस टीम कई एंगल पर जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस यह भी देख रही है कि किसी मुकदमे की पैरवी की रंजिश में इस हत्याकांड को अंजाम तो नहीं दिया गया है।

इसके अलावा पुलिस यह भी देखा जा रहा है कि किसी प्रॉपर्टी को लेकर अधिवक्ता की किसी व्यक्ति से दुश्मनी तो नहीं चल रही थी। इसके अलावा पुलिस यह भी देख रही कि अधिवक्ता चतरपुर गांव निवासी थे। पैतृक गांव में तो उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं है। पुलिस अधिवक्ता के मोबाइल की लोकेशन निकलवा रही है। जिससे साफ हो जाएगा कि अधिवक्ता किसकी कॉल पर वहां पहुंचे थे।

पुलिस ने घटनास्थल के आस पास भी लोगों से पूछताछ की। सहारा इंडिया की जमीन पर बने भवन में रहने वाले चौकीदार से पूछताछ की। जिससे पता चला कि घटनास्थल के पास ही करीब 15 दिन पहले कुछ लोग एक जमीन का सौदा करने आए थे। उसने आशंका जताई कि उन लोगों में अधिवक्ता भी शामिल थे लेकिन परिवार की ओर से इस बात की कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बेटे ने भी किसी भी व्यक्ति से रंजिश या विवाद होने से साफ इन्कार कर दिया है। कांवड़ यात्रा को लेकर रविवार की शाम शहर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त होने के बावजूद अधिवक्ता शौकीन अली की हत्या कर दी गई। जमीन के विवाद में हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो वह अकेली ही जाते दिखाई दिए। जिससे माना जा रहा है कि उन्हें किसी ने कॉल घर से बुलाया था। उनके मोबाइल की कॉल डिटेल से भी इसकी पुष्टि हो चुकी है। जिसके जरिए पुलिस कुछ संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी कर रही है। पुलिस की चार टीमें अलग अलग एंगल पर जांच पड़ताल में जुटी हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि अधिवक्ता शौकीन अली सिविल मामलों से जुड़े केसों की कोर्ट में पैरवी करते थे। बताया जा रहा है कि वह वकालत के अलावा प्रॉपर्टी का काम करने लगे थे। पुलिस यह भी देख रही है कि किसी मुकदमे की पैरवी की रंजिश में इस हत्याकांड को अंजाम तो नहीं दिया गया है। इसके अलावा पुलिस यह भी देखा जा रहा है कि किसी प्रॉपर्टी को लेकर अधिवक्ता से कोई दुश्मनी तो नहीं मानने लगा था। अधिवक्ता चतरपुर गांव निवासी थे।

करीब 20 साल से वह यहीं रह रहे थे। पुलिस की एक टीम यह भी जांच कर रही कि पैतृक गांव में तो उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं चल रही है। पुलिस ने अधिवक्ता के मोबाइल के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई है। जिसमें कई संदिग्ध नंबर पुलिस के हाथ लगे हैं। जिसके जरिए पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। इसके अलावा शहर ने स्मार्ट सिटी के कैमरों की फुटेज भी खंगाली है। कुछ फुटेज में वह अकेली जाते दिख रहे हैं। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास भी लोगों से पूछताछ की।

यहां सहारा इंडिया की जमीन की चौकीदारी करने वाले व्यक्ति से भी पुलिस ने पूछताछ की। जिससे पता चला कि घटनास्थल के पास ही करीब 15 दिन पहले कुछ लोग एक जमीन का सौदा करने आए थे। उसने आशंका जताई कि उन लोगों में अधिवक्ता भी शामिल थे लेकिन परिवार की ओर से इस बात की कोई पुष्टि नहीं की गई है। बेटे ने भी किसी भी व्यक्ति से रंजिश या विवाद होने से साफ इन्कार कर दिया है।

घटना स्थल और गागन नदी किनारे की गई स्कूटी की तलाश हत्यारों ने अधिवक्ता की पहचान मिटाने के उद्देश्य से उनका शव कुएं में डाल दिया था। इसके अलावा शव के ऊपर से झाड़ियां डाल दी थीं। घटनास्थल और गागन नदी किनारे स्कूटी की तलाश की लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई है।

अधिवक्ता शौकीन अली की हत्या की जानकारी मिलने पर साथी अधिवक्ता घटनास्थल पहुंच गए। उन्होंने अधिवक्ता के बेटे सुहेल से पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने एसपी सिटी और सीओ से वार्ता कर हत्याकांड का जल्द खुलासा करने की मांग की।

माले कार्यकर्ताओं ने पूसा थाना को घेरकर किया रोषपूर्ण प्रदर्शन

दीपक तिवारी।

पूसा/समस्तीपुर। कर्तव्य से विमुख पूसा थानाध्यक्ष को थानेदारी से एवं डायल 112 पर तैनात दारोगा अजय कुमार को पूसा थाना से हटाने, थाना क्षेत्र में बढ़ रहे गोलीकांड, लूट, छिनतई एवं आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने, डायल 112 पर तैनात दारोगा अजय कुमार एवं पूसा थानाध्यक्ष के द्वारा निर्दोष लोगों को प्रताड़ित करने की जांच कराने, पीड़ित के आवेदन लेने में मनमानी एवं टालमटोल करने पर रोक लगाने, थानाध्यक्ष-अपराधी-दलाल-बिचौलिया - शराब माफिया सांठगांठ की जांच कराने, दोनों पुलिस पदाधिकारी के द्वारा जनता से गाली भरे लफ़्ज में बात करने की जांच कराने, खेग्रामस प्रखंड अध्यक्ष मो.इस्तखार पर असामाजिक तत्वों के द्वारा जानलेवा हमला करने के संबंधित पूसा थाना कांड संख्या - 61/24 के अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजने, फर्जी पूसा थानाकांड 62/24, 73/24 की निष्पक्ष जांच कराकर फर्जी केस करने वाले पर कार्रवाई करने, भाकपा-माले प्रखंड सचिव अमित कुमार को जान मारने की धमकी देने से संबंधित पूसा थाना कांड संख्या - 24/23 के अभियुक्त की गिरफ्तारी एक वर्ष से अधिक बीतने के बाद भी नहीं हुई है, धमकी देने वाले को

- थानाध्यक्ष एवं 112 पर तैनात दारोगा अजय कुमार की मनमानी एवं कार्यशैली से नाराज माले कार्यकर्ताओं ने थानाध्यक्ष एवं अजय कुमार को पूसा से हटाने की मांग की
- मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो जिला मुख्यालय पर होगा आंदोलन : प्रो. उमेश कुमार
- थानाध्यक्ष एवं 112 पर तैनात दारोगा अजय कुमार की मनमानी एवं कार्यशैली से नाराज माले कार्यकर्ताओं ने थानाध्यक्ष एवं अजय कुमार को पूसा से हटाने की मांग की
- मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो जिला मुख्यालय पर होगा आंदोलन : प्रो. उमेश कुमार

चिन्हित कर जेल भेजने, थाना में पदाधिकारियों को मिले आवास का दुरूपयोग करने की जांच कराने समेत अन्य विभिन्न मांगो को लेकर मंगलवार को भाकपा माले के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मानस मंदिर से जुलूस निकालकर जोरदार नारेबाजी के बीच पूसा थाना पर प्रदर्शन किया।

मौके पर एक सभा का आयोजन किया गया...अध्यक्षता भाकपा-माले प्रखंड सचिव अमित कुमार ने की। सभा को बतौर मुख्य वक्ता भाकपा-माले जिला सचिव प्रो. उमेश कुमार, जिला कमिटी सदस्य फूलबाबू सिंह, ललन कुमार, महेश कुमार, किशोर कुमार राय, रौशन कुमार समेत अन्य दर्जनों कार्यकर्ताओं ने संबोधित किया। सभा को बतौर मुख्य वक्ता भाकपा-माले जिला सचिव प्रो. उमेश कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि पूसा में थानाध्यक्ष ने अवैध वसूली करने का तंत्र स्थापित कर रखा है। थानाध्यक्ष के द्वारा जनता से गाली भरे लफ्ज में बात करने व दलाल-बिचौलियों- शराब माफियाओं के इशारे पर थाना चलाया जाता है। उन्होंने एसपी से पूसा थानाध्यक्ष व डायल 112 पर तैनात दारोगा अजय कुमार की कार्यशैली की जांच कराकर कार्रवाई करने व पूसा से दोनों को हटाने की मांग की है।

जिला कमिटी सदस्य फूलबाबू सिंह ने कहा कि दुर्भाग्य है कि पूसा पुलिस जो पीड़ित प्राथमिकी दर्ज करता है उससे भी और जिस पर प्राथमिकी होता है उससे भी वसूली की जाती है। थाना क्षेत्र में लेनदेन कर शराब का धंधा खुल्लमखुल्ला चलाया जा रहा है। अगर थाना पर लगा सीसीटीवी का फूटेज, कॉल डिटेल की जांच की जाये तो थाना पर अपराधी- दलाल- माफिया को बैठे देखा जा सकता है। उन्होंने उक्त सभी मांगों पर कार्रवाई करने की मांग की।

माले प्रखंड सचिव अमित कुमार ने कहा हैं कि उक्त मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो रणनीति तैयार कर जिला मुख्यालय पर आंदोलन किया जाएगा। मौके पर प्रखंड कमेटी सदस्य रविन्द्र सिंह, सुरेश कुमार,अखिलेश सिंह, दिनेश राय, सुनिता देवी, जितेन्द्र राय समेत भूपन तिवारी, बिराजी दास, भाग्यनारायण राय, रामविलास पासवान, पप्पू सिंह, विजय सिंह, राजीव कुमार राम, विक्की साह, अविनाश कुमार, राजेश राम, विक्रम कुमार, सुकेश कुमार, रुपेश कुमार, पंकज कुमार, सुरेन्द्र सहनी, सरिता देवी, निर्मला देवी, जागृति देवी, उमा देवी, रूपवती देवी, पार्वती देवी, आरती देवी, अनिता देवी, फूलपरी देवी, रिता देवी, गुड़िया देवी, बिंजू देवी, शांति देवी, अनुराधा देवी आदि शामिल थे।

पटना वालों सावधान! शहर में रिसने लगा गंगा का पानी

पाटलिपुत्र स्लुइस गेट को किया गया बंद

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार की राजधानी पटना में जलजमाव ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इधर, गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के बाद नदी का पानी मरीन ड्राइव के नजदीक पहुंच गया है। जल निकासी को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा अब राजधानी के पाटलिपुत्र कॉलोनी, गोसाई टोला, नेहरू नगर सहित कई अन्य इलाकों से जल निकासी को लेकर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। नगर निगम की ओर से नालों की सफाई और उड़ाही का काम किया जाता है। बिहार शहरी आधारभूत अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (इवऊड) द्वारा पंप के माध्यम से पानी को निकालने का कार्य शुरू किया गया है।

पटना के पाटलिपुत्र कॉलोनी, नेहरू नगर और गोसाई टोला क्षेत्र में जल निकासी के लिए उच्च क्षमता के दो अतिरिक्त ट्रॉली माउन्टेड पम्प लगाकर निकासी कराए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, नगर आयुक्त, पटना नगर निगम को नोट्रेडम एकेडमी स्कूल के पास दो अतिरिक्त पम्प लगा कर पानी निकालने का भी निर्देश दिया गया है।

गंगा नदी के रिसाव को कम करने के लिए पाटलिपुत्र स्लुईस गेट बंद कर दिया गया है। गोसाई टोला में भविष्य में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए स्टैण्ड बाई पम्प की भी उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी।

बताया गया है कि आनंदपुरी नाला को अतिक्रमण मुक्त रखने का काम तथा पुनः सफाई कार्य भी कराया जाएगा। जल निकासी को लेकर उच्च क्षमता के 20 पंप किराए पर रखे जाएंगे जिससे पटना शहर के सभी क्षेत्रों से त्वरित जल निकासी हो सके। जलजमाव से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इधर गंगा नदी, गंगा पथ के पास पहुंच गई है। इसके अलावा सभी घाट पानी में डूब गए हैं। आसपास के लोग डरे सहमे हैं।

पीयर पुलिस टीम पर शराब कारोबारियों ने किया हमला

दीपक तिवारी।

- पीयर थाना के नूनफारा मल्लाह टोली की घटना
- गिरफ्तार कारोबारी को छुड़ाया
- प्राथमिकी दर्ज,पुलिस कार्यवाई तेज

मुजफ्फरपुर। शराब कारोबारी के यहां छापेमारी करने गई जिले की पीयर थाने की पुलिस टीम पर शराब कारोबारी और उसके समर्थकों के द्वारा हमला कर दिया गया। इस दौरान गाड़ी में तोड़फोड़ एवं पुलिस कर्मियों के साथ गाली-गलौज तथा मारपीट भी की गई। हमले के दौरान शराब कारोबारी लाल सहनी को भीड़ के द्वारा छुरा लिया गया। यह पूरा घटनाक्रम पीयर थाना क्षेत्र के नूनफारा मल्लाह टोली की बताए गए हैं। मंगलवार को पीयर थाना के अध्यक्ष पंकज यादव ने बताया कि सोमवार की देर रात की यह घटना है। उन्होंने बताया कि पीयर थाने की पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर रात छापेमारी करने गयी थी। इस दौरान शराब कारोबारी लाल सहनी को 20 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था।

पुलिस कारोबारी को पीयर थाना ला रही थी। इसी दौरान शराब कारोबारी एवं उसके पारिवारिक सदस्यों तथा समर्थकों के द्वारा पुलिस बलों पर हमला कर दिया गया। इस दौरान गाली-गलौज एवं मारपीट की गई और नामित शराब कारोबारी लाल सहनी को छुरा लिया गया।वह पूर्व कारोबारी भी है।जेल भी जा चुका है। घटनाक्रम को लेकर पीयर थाना में मामला दर्ज किया गया है। थाना अध्यक्ष पंकज यादव के बयान पर इस घटनाक्रम में पीयर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जिसमें 7-8 महिला समेत 20 लोगों को नामजद एवं 15-20 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।मामले में पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

चरखा पार्क में राज्यपाल ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया

संवाददाता।

मोतिहारी । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के आज दीक्षारंभ समारोह में आए बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने दीक्षांत समारोह के समापन के बाद चरखा पार्क का भ्रमण किया। चरखा पार्क में बने स्मृति प्रतीकों और भवनों को बड़े ही ध्यानपूर्वक देखा और उसकी प्रशंसा की। उन्होंने चरखा पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। चरखा पार्क के अवलोकन के बाद भाजपा युवा मोर्चा द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा को राज्यपाल श्री अर्लेकर एवं सांसद पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने तिरंगा लहरा कर रवाना किया।

यह यात्रा चरखा पार्क से निकल कर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए फॉर चरखा पार्क पहुंच कर समाप्त हुई। यात्रा में जिलाध्यक्ष प्रकाश अस्थाना के साथ भाजपा के सभी विधायक, पार्टी के दायित्वधारियों के साथ युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आम लोग भी शामिल हुए। यात्रा में शामिल लोगों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए पंक्तिबद्ध होकर यात्रा को पूरा किया। चरखा पार्क के बाद गांधी स्मारक स्थल पर उन्होंने पुष्पार्पण कर बापू को नमन किया।

गायघाट प्रखंड के सभागार में किसान गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

दीपक तिवारी ।

गायघाट/मुजफ्फरपुर। गायघाट प्रखंड के सभागार में किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विधायक निरंजन राय, जिला कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार राय, अनुमंडल कृषि पदाधिकार पूर्वी दीपक कुमार, पश्चिमि डॉक्टर विकास कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी के राय,कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर तरुण कुमार, डॉक्टर एमएल मीणा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं मंच संचालन प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजन झा द्वारा किया गया। कृषि वैज्ञानिक द्वारा अत्याधुनिक खेती की जानकारी दिया गया। विधायक निरंजन राय द्वारा दर्जनों किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। सभी पंचायत से किसान सलाहकार के द्वारा जनप्रतिनिधि एवं प्रगतिशील किसानों को कार्यक्रम में लाया गया। मौके पर सभी किसान सलाहकार एवं सैकड़ो किसान उपस्थित थे। किसान सलाहकार सुनील कुमार,संजीव कुमार, दीपक कुमार, ओमप्रकाश कंचन, वीरेंद्र कुमार, संजय पासवान, विनोद कुमार, कन्हैया कुमार, गौरव कुमार, राजेश कुमार,विनय कुमार,नरेश कुमार, परशुराम कुमार, श्याम किशोर,विमलेश साहनी इत्यादि थे।

स्कूली बच्चियों से यौनाचार मामले में फरार शिक्षक ने किया सरेंडर,आवास पर पुलिस ने चिपकाया था इस्तेहार

संवाददाता

- सरेंडर नहीं होने पर सम्भव थी कुर्की जब्ती की कार्यवाई
- पीयर थाना में दर्ज है मामला

मुजफ्फरपुर/बन्दरा। पियर थाना क्षेत्र के एक स्कूल में जूनियर क्लास की आधा दर्जन नाबालिक छात्राओं के साथ यौनाचार के प्रयास मामले में पियर थाने के पुलिस द्वारा आवास पर इस्तेहार चिपकाए जाने के बाद नामित अभियुक्त शिक्षक ने सोमवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पीयर थाना अध्यक्ष पंकज यादव ने बताया कि घटनाक्रम को लेकर विद्यालय प्रधानाध्यापक के द्वारा विद्यालय के शिक्षक मोहम्मद काशिफ के खिलाफ नामजद प्राथमिक की दर्ज कराई गयी थी। इस मामले में अभियुक्त शिक्षक फरार था। जिसके स्थाई आवास समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के सातनपुर गांव एवं पियर थाना क्षेत्र के सिमरा स्थित अस्थाई आवास पर गुरुवार को इस्तिहार चिपकायी गई थी। यदि इस्तिहार चिपकाने के बाद भी नामजद अभियुक्त हाजिर(सरेंडर) नहीं करता है। तब उसके खिलाफ जल्द हीं कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाती।इससे पहले आज अभियुक्त ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

दरभंगा के मोरो महादेव मंदिर परिसर में पीपल का छांव बना युवक-युवतियों का सेल्फी पॉइंट!

शालिनी तिवारी।

दरभंगा। दरभंगा जिला क्षेत्र की तस्वीर आप देखिए। दरभंगा जिला के अंतिम बॉर्डर क्षेत्र पर स्थित मोरो महादेव मंदिर परिसर में पीपल का पेड़ जहां पूजा अर्चना का केंद्र बिंदु है, वही सेल्फी पॉइंट के रूप में भी इन दिनों युवाओं में पंसद किया जा रहा है। पीपल के पेड़ की छांव में नवयुवक-नवयुवतियां श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और पूजाअर्चना के बाद सेल्फी स्पॉट के रूप में यहां फोटो ग्राफी कर रहे हैं। खासकर युवाओं में यह अनुकूल स्पॉट है। आपको बता दें कि हर वह शख्स जो मोबाइल लेकर यहां मंदिर परिसर में पहुंचता है। यहां अनुकूल माहौल में पीपल के छांव में पेड़ के नीचे तरह-तरह का सेल्फी बनाते नजर आते हैं। रिल्स और शॉर्ट विडीओ भी अक्सर लड़के-लड़कियां यहां बनाते दिखे।सोमवारी को लेकर यहां काफी भीड़ थी।

विद्युत अधिकारियों के साथ बैठक

गायघाट, बन्दरा,कटरा प्रखंडों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर सर्किट हाउस के सभागार में गायघाट विधायक निरंजन राय के साथ ऊर्जा विभाग के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता ,प्रोजेक्ट मैनेजर एवं कनीय अभियंताओं के साथ बैठक कर गायघाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गायघाट,बन्दरा एवं कटरा प्रखंडों में नये विद्युत तार, नया पोल एवं नये ट्रांसफार्मर लगाने तथा जर्जर विद्युत तार को बदलने आदि समस्याओं के संबंध में समीक्षा किया गया। राजद जिलाध्यक्ष रमेश गुप्ता एवं विधायक निरंजन राय ने

बताया कि जल्द से जल्द इन सभी कार्यों को पूरा करने हेतु निर्देशित किया। वहीं गायघाट प्रखंड के मैठी में नये पावर ग्रिड की स्थापना हेतु आ रहे भूमि संबंधित अर्चन को दूर करने के संदर्भ में भी विशेष रूप से चर्चा हुई।

प्रॉपर्टी डीलर मुकेश पांडे हत्याकांड मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर । प्रॉपर्टी डीलर मुकेश पांडे हत्याकांड मामले में फरार आरोपी कुख्यात बदमाश नूर खान उर्फ मुन्ना खान सीतामढ़ी से गिरफ्तार।घटना को अंजाम देने के बाद से नेपाल में छिपा बैठा था,पुलिस ने करवाई करते हुए पकड़ा।वही इस कांड में एक अन्य सहयोगी को दरभंगा जिला से पकड़ा गया। एसएसपी राकेश कुमार ने प्रेस

कांफ्रेंस कर दी जानकारी।इस दौरान में एक अन्य आरोपी मनीष कुमार को दरभंगा जिला से किया गया है गिरफ्तार।

सीतामढ़ी: शराब माफिया का हमदर्द निकला सोनबरसा थानेदार

नई स्कॉर्पियो से पकड़ी शराब, सुबह होते-होते स्कॉर्पियो हो गई पुरानी

संवाददाता।

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में शराब माफिया हमदर्द थानेदार को एसपी ने सस्पेंड कर दिया है। मामला सोनबरसा थाने का है। जहा रात में शराब संग पकड़ी गई नई स्कॉर्पियो सुबह में पुरानी हो गयी। गाड़ी का नंबर तो वही रहा, मगर पूरी गाड़ी थानेदार ने बदल दी सुबह जब शराब संग गाड़ी पकड़ने वाले को गाड़ी पकड़ाने की जानकारी मिली तो मामले ने तूल पकड़ लिया। वरीय अधिकारियों के संज्ञान में थाने से गाड़ी बदल दिए जाने का मामला लाया गया। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के बाद थानाध्यक्ष मनीष कुमार को गाड़ी बदले जाने के मामले में दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया है।

एसपी ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद सदर एसडीपीओ-2 आशीष आनंद को जांच की जिम्मेवारी दी गई थी। एसडीपीओ ने मामले की जांच करते हुए अपनी रिपोर्ट दी। इसमें उन्होंने थाने से शराब के साथ पकड़ी गई नई स्कॉर्पियो को पुरानी स्कॉर्पियो से बदले जाने के मामले में दोषी पाया है। इसके बाद थानेदार को निलंबित कर लाइनहाजिर कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक बीते 22 जुलाई की मध्य रात्रि सोनबरसा थाना क्षेत्र में कार्यरत एएलटीएफ टीम के प्रभारी एसआई अरविंद कुमार दोहरे और एएसआई सिकंदर यादव ने क्षेत्र के चक्की गांव के समीप देसी व विदेशी शराब लदी एक स्कॉर्पियो एचआर 13 जी 2505 गाड़ी को पकड़ा था। इस दौरान धंधेबाज भाग निकला था। बाद में एएलटीएफ टीम ने शराब लदी गाड़ी को देर रात सोनबरसा थाना लाकर थानाध्यक्ष को सुपुर्द कर दिया। शराब लदी गाड़ी आने के बाद थानाध्यक्ष ने अपनी उपस्थिति में पीएसआई मुकेश कुमार से शराब की गिनती कराकर गाड़ी से उतरवाया। इसका एएलटीएफ के प्रभारी ने अपने मोबाइल तस्वीर भी लिया था। एएलटीएफ द्वारा जब्त नई स्कॉर्पियो सुबह में बदल गई। गाड़ी बदले जाने को लेकर सोनबरसा थानाध्यक्ष और एलटीएफ टीम के सब इंस्पेक्टर आमने-सामने हो गए हैं।

स्कॉर्पियो के बदलने के दौरान नंबर प्लेट की हेराफेरी की गई। इस दौरान जल्दबाजी में कई सुराग छूट गए। पहले वाली गाड़ी से नंबर प्लेट उखारकर बदली गाड़ी में सही तरीक से सेट नहीं कर पाये। एएलटीएफ टीम द्वारा शराब के साथ पकड़ी गई नई और चमचमाती दिख रही है। जबकि किसी कबाड़ खाने से लाकर गाड़ी पर जल्दबाजी में वहीं नंबर प्लेट लगाने का प्रयास किया गया। इसके कारण नंबर प्लेट सही से नही लग सका। एएलटीएफ टीम द्वारा पकड़ी गई स्कॉर्पियो की एसएलई मॉडल थी। जबकि, बदली गई स्कॉर्पियो एम हॉक लिखा है। गाड़ी के पीछे शीशा पर लिखे शब्दों का स्थान भी बदला हुआ

बताया जाता है कि गाड़ी बदलने के दौरान थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में भी छेड़छाड़ की गई है। एसडीपीओ ने मामले की जांच के लिए जब सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो उसमें छेड़छाड़ पाया गया। शराब जब्त के दिन शाम तक का फुटेज मौजूद था। मगर, शाम के बाद से फुटेज गायब पाया गया। इस संबंध में थानेदार सीसीटीवी में खराबी आने की बात कहीं। मगर उसके अगले दिन का फुटेज कैमरे में कैद है। कैमरे में खराबी की कोई शिकायत भी थानेदार द्वारा नही की गई। गाड़ी को पुरानी गाड़ी से बदल कर जब्त सूची बनाने के मामले में थानेदार को दोषी पाया गया है। इसके बाद थानेदार मनीष कुमार पर शिकंजा कसता दिख रहा है। सूत्रों की मानें तो मनीष के विरुद्ध विभागीय जांच भी शुरू की गई है। साथ ही उनपर थाने से गाड़ी गायब कराने को लेकर एफआईआर भी की जा सकती है। मामला संज्ञान में आने के बाद एसडीपीओ सदर-2 को जांच की जिम्मेवारी दी गई थी। एसडीपीओ ने मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपी है। इसके बाद सोनबरसा थानाध्यक्ष मनीष कुमार को निलंबित कर लाइन क्लोज कर दिया गया है।

गया में अवैध तौर पर निजी स्कूल चलाने वालों पर होगी कार्रवाई, 10 दिन के अंदर होंगे सील

गया गया जिले में अवैध तरीके से निजी स्कूल चलाने वालों की पहचान शुरू कर दी गई है। ऐसे स्कूलों को 10 दिनों के अंदर सील करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश गया के डीएम डॉक्टर त्याग राजन एसएम ने दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि निर्देश संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जिम्मेदार होंगे और उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर डीएम को जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि 735 निजी विद्यालयों में से अभी तक 367 विद्यालयों ने ई-शिक्षा कोष के पोर्टल पर विद्यार्थियों की सूची अपलोड नहीं की है। सभी

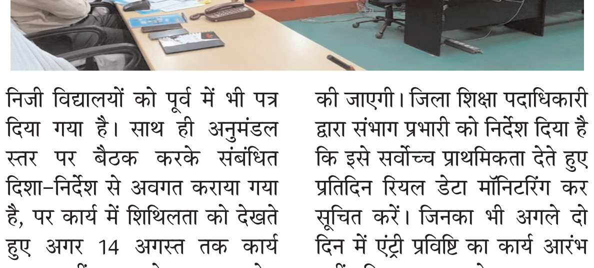

निजी विद्यालयों को पूर्व में भी पत्र दिया गया है। साथ ही अनुमंडल स्तर पर बैठक करके संबंधित दिशा-निर्देश से अवगत कराया गया है, पर कार्य में शिथिलता को देखते हुए अगर 14 अगस्त तक कार्य प्रभार नहीं हुआ तो यूडाइस कोड को रद्द करते हुए विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा संभाग प्रभारी को निर्देश दिया है कि इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रतिदिन रियल डेटा मॉनिटरिंग कर सूचित करें। जिनका भी अगले दो दिन में एंट्री प्रविष्टि का कार्य आरंभ नहीं किया गया तो स्कूल का तत्काल यूडाइस कोड रद्द कर दिया जाएगा।

हीं, डीएम ने कहा कि जिले के सरकारी स्कूल के बच्चों की प्रोफाइल एंट्री बाद शिक्षा कोर्स पोर्टल पर किया जाना है। इसमें बच्चों का आधार नंबर भी जरूरी है, इसके लिए विभाग के जिले के विभिन्न स्कूलों में आधार केंद्र संचालित कर बच्चों का आधार कार्ड बनाने का कार्य करने का निर्देश प्राप्त है। लेकिन इन आधार केंद्रों के संचालक और प्रचार प्रसार में शिथिलता बरतने के मामले में संबंधित स्कूल के हेड मास्टर को प्रभारी स्कूल शिक्षा पदाधिकारी अक्सर आलम खान के 50 फीसदी की वेतन कटौती की चेतावनी दी है।

नावों से बना पुल बिहार में पहली बार, तेजस्वी यादव के क्षेत्र में बहे पुल

वैशाली बिहार के वैशाली में एक और पुल बहने की तस्वीर वायरल हो रही है। टूटे पुल के नदी में बह जाने के बाद सरकार ने जुगाड़ वाला इंतजाम करते हुए टूटे पुल के बीच नाव खड़ी कर दिया है। अब लोग नदी पार करने के लिए सरकार के इस जुगाड़ वाले इंतजाम यानी नाव वाले पुल से किसी तरह नदी पार करने को मजबूर हैं। पुल के नदी में बह जाने की तस्वीर तेजस्वी यादव के क्षेत्र राघोपुर से आई है, जहां कई गांव को जोड़ने वाली पुलिया नदी में समा गई है। अब नाव के सहारे जिंदगी

दरअसल पुल के बह जाने के बाद लोगो को नदी पार कर आने जाने के लिए टूटे पुल के बीच नदी में नाव खड़ी कर दी गई है। लोग सरकार के इस जुगाड़ वाले इंतजाम से ही आने जाने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि राघोपुर का यह पुल करीब 20 साल पहले बना था, जो पूरी तरह जर्जर हो चुका था। कुछ दिन पहले से ही पुल पर ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा भारी वाहन रोक लगा दिया गया था। हालांकि पैदल साइकिल मोटरसाइकिल सवार पुल से आते-जाते थे। लोग इस जुगाड़ व्यवस्था से परेशान हैं।

चरण सिंह

विचार

उप चुनाव में योगी आदित्यनाथ को घेरना अखिलेश के लिए होगा बड़ा मुश्किल !

उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर होने जा रहा विधानसभा उप चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए बड़ा महत्वपूर्ण है। अपना वजूद बचाने के लिए मिल्कीपुर और कटेहरी सीट तो उन्हें जीतने ही पड़ेंगी। ऐसे में जिस तरह से सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कटेहरी सीट जिताने की जिम्मेदारी अपने चाचा शिवपाल यादव और मिल्कीपुर सीट की जिम्मेदारी फैजाबाद के सांसद और इस सीट से विधायक रहे अवधेश प्रसाद सिंह को सौंपी है उसे योगी आदित्यनाथ को घेरने की बड़ी रणनीति माना जा रहा है। देखने की बात तो यह है कि बीजेपी इन दो सीटों के अलावा आठ सीट मीरापुर, कुंदरकी, खैर, गाजियाबाद, फूलपुर, मंझवा, सीसामऊ और करहल पर चुनाव लड़ रही है पर अखिलेश यादव उन दो सीटों पर पूरी तरह से घेराबंदी कर देना चाहते हैं जिनकी जिम्मेदारी खुद योगी आदित्यनाथ ने ली है।

दरअसल लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें कम हो जाने का ठीकरा योगी आदित्यनाथ के सिर पर फोड़ने के लिए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की अगुवाई में एक बड़ी लामबंदी देखी गई। इस लामबंदी में दूसरे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, प्रदेश भूपेंद्र चौधरी और संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह भी भी देखे गये। इस लामबंदी के पीछे गृहमंत्री अमित शाह का हाथ बताया जा रहा है। यही वजह रही कि योगी आदित्यनाथ ने दो सीटें मिल्कीपुर और कटेहरी जिताने की जिम्मेदारी खुद ली है और फूलपुर और मंझवा को जिताने की जिम्मेदारी केशव प्रसाद मौर्य को, सीसामऊ और करहल को जिताने की जिम्मेदारी ब्रजेश पाठक को, मीरापुर और कुंदरकी की जिम्मेदारी भूपेंद्री चौधरी और गाजियाबाद और खैर को जिताने की जिम्मेदारी धर्मपाल सिंह को दी है।

ऐसे में योगी आदित्यनाथ ने एक तीर से दो शिकार किये हैं। एक से लामबंदी करने वाले नेताओं को चुनाव में लगा दिया है तो दूसरी ओर हार की जिम्मेदारी से बचने का कोई मौका नहीं दिया है। ऐसे में योगी आदित्यनाथ के साथ ही केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भूपेंद्र चौधरी और धर्मपाल सिंह को चुनाव में पूरी ताकत झोंकने को मजबूर कर दिया है।

निश्चित रूप से मिल्कीपुर योगी आदित्यनाथ के लिए बहुत टफ सीट है पर अयोध्या में सांसद अवधेश प्रसाद के करीबी मोईन पर जो गैंग रेप के आरोप लगे हैं उनको लेकर योगी आदित्यनाथ माहौल बनाने में लगेंगे। उधर कन्नौज में कभी सपा के करीबी रहे नवाब सिंह यादव की गिरफ्तारी नाबालिग लड़की से रेप के प्रयास में हुई है। ऐसे में अयोध्या और कन्नौज का मामला अखिलेश यादव के लिए दिक्कत भरा और बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। वैसे लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जो ३७ सीटें मिली हैं वे भाजपा के खिलाफ जनता में नाराजगी की वजह से मिली हैं।

बीजेपी के 400 से ऊपर सीटें आने पर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने का माहौल बनाना भी भाजपा के लिए काम आया। सबसे बड़ा कारण इंडिया गठबंधन की उत्तर प्रदेश में बढ़त कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को सालाना एक लाख रुपये देने का लालच रहा है। योगी आदित्यनाथ और अमित शाह की वर्चस्व की लड़ाई भी सपा और कांग्रेस की बढ़त की वजह रही है। 30-35 सीटें योगी आदित्यनाथ की सहमति के बिना लड़ना भी बीजेपी की हार का बड़ा कारण रहा है। ऐसे में योगी आदित्यनाथ को खुलकर मौका मिलने से समाजवादी पार्टी को लोकसभा चुनाव की तरह फायदा नहीं मिलने जा रहा है।

उपराष्ट्रपति ही राज्यसभा का सभापति क्यों?

-ओमप्रकाश मेहता-

आजादी के करीब ढाई साल बाद सोच समझ कर बनाए गए हमारे संविधान में राष्ट्रपति को राज्यसभा के सभापति का कार्यभार क्यों सौंपा गया? इसका जवाब आज तक किसी के पास भी नहीं है, जबकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सदस्य भी नहीं होता, एक गैर सदस्य को सभापति जैसे उत्तरदायित्व पद का सौंपा जाना आज भी कुछ अजीब सा लगता हैं, फिर गैर चयनित पदाधिकारी द्वारा चयनित सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार व सख्ती कहां तक उचित है? आजादी के 75 सालों के बाद भी इस बात पर आज तक किसी ने भी गौर क्यों नहीं किया? अब तक हमारी संसद सवा सौ से भी अधिक संविधान संशोधन पारित कर चुकी हैं, तो फिर इस जरूरी संशोधन पर किसी की भी नजर क्यों नहीं गई? एक गैर सदस्य चयनित सभापति को चुने गए सदस्यों पर नियंत्रण का अधिकार आखिर क्यों? क्या लोकसभा की तर्ज पर राज्यसभा में भी चयनित सदस्य को सभापति का कार्यभार नहीं सपा जा सकता?

यह सवाल पिछले दिनों राज्यसभा में घटी उस घटना को लेकर उठाया जा रहा है, जिसमें राज्यसभा की एक महिला सदस्य जया बच्चन और सभापति जी के बीच हुई तकरार को लेकर उठाया गया, जिसके कारण प्रतिपक्ष काफी नाराज हैं और वह उपराष्ट्रपति को सदन के सभापति के पद से हटवाने के लिए आंदोलन करने की तैयारी कर रहा है, यहां यह उल्लेखनीय है कि भारतीय मौजूदा राजनीति में धनकड़ जी विवादित बयान बाजी में काफी ख्याति प्राप्त कर चुके हैं, उदाहरण स्वरूप उन्होंने पिछले दिनों 50 साल पूर्व इंदिरा जी द्वारा लगाए गए आपातकाल को याद करते हुए कह दिया कि आपातकाल में न्यायपालिका को भी तानाशाही के आगे झुकना पड़ा था, एक निष्पक्ष संवैधानिक पद पर विराजमान एक जिम्मेदार पदाधिकारी को क्या ऐसी विवादास्पद बयानबाजी करना चाहिए और क्या हमारा संविधान उन्हें इसकी अनुमति देता है।

अब आजादी के इन 75 वर्षों में संभवतः ऐसा माहौल बन रहा है, जब उपराष्ट्रपति धनकड़ को राज्यसभा के सभापति के पद से हटाया जाए, इसके लिए कानून व संविधान के पन्ने पलटे जा रहे हैं, प्रतिपक्ष ने राज्यसभा की उक्त घटना को लेकर उपराष्ट्रपति के खिलाफ जो प्रस्ताव तैयार किया है, उस पर 87 सांसदों के हस्ताक्षर हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं, उन्हें हटाने के लिए राज्यसभा में बहुमत से प्रस्ताव पारित करना होगा प्रस्ताव लाने के 14 दिन के पहले नोटिस भी देना होगा और सभापति के हटाने का प्रस्ताव राज्यसभा के साथ ही लोकसभा से भी बहुमत से पारित करना होगा और क्योंकि संसद के दोनों ही सदनों में पक्ष प्रतिपक्ष के संख्या बाल में कोई विशेष अंतर नहीं है, इसलिए यह प्रस्ताव काफी महत्व रखता है, यदि धनकड़ को पद से हटाने का प्रस्ताव औपचारिक रूप से आता है, तो यह अब तक के संसदीय इतिहास में पहली बार होगा, प्रस्ताव पर प्रतिपक्ष दलों के सदस्यों में आधा दर्जन कांग्रेसी सदस्यों के भी हस्ताक्षर बताई जा रहे हैं।

अब इस घटना के बाद तो मौजूदा सांसद व सरकार को सचेत होकर इस मुद्दे पर विचार करना ही चाहिए कि संसद के सदन के गैर सदस्य को सभापति जैसे दायित्व का पद सौपना कहां तक उचित है, क्या इतनी बड़ी वरिष्ठ राजनेताओं वाली राज्यसभा में इस पद का दायित्व बखूबी संभालने वाला कोई सदस्य नहीं होता, जब अब तक इतने संवैधानिक संशोधन हो चुके हैं, तो एक संशोधन यह भी हो जाना चाहिए और राज्यसभा जिसे संसद का उच्च सदन कहा गया है, उसकी सर्वोच्चता में इस प्रस्ताव से अभिवृद्धि की जानी चाहिए तथा सदन का निर्वाचित सदस्य ही सदन का सभापति होना चाहिए जैसा की लोकसभा की परंपरा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

-प्रियंका सौरभ

अगर यह बलात्कार संस्कृति नहीं है, जिसे समाज के समझदार पुरुषों और महिलाओं, संस्थानों और सरकारी अंगों द्वारा समर्थित और बरकरार रखा जाता है, तो यह क्या है? आप सभी कानून, सभी तेज अदालतें, यहाँ तक कि मौत की सजा भी ला सकते हैं, लेकिन कुछ भी नहीं बदल सकता जब तक कि एक समान मानसिकता में बदलाव न हो जो लड़कियों और महिलाओं के बारे में सोचने का एक नया तरीका शुरू करे। हमने बलात्कार संस्कृति को खत्म करने का काम भी शुरू नहीं किया है।

(कोलकाता कांड विशेष)

लुटती जाए द्रौपदी, जगह-जगह पर आज

2012 में 23 वर्षीय दिल्ली की छात्रा निर्भया काण्ड यानी ज्योति सिंह के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की घटना ने पूरे देश में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और भारत में महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा दिया था। निर्भया हत्याकांड के बाद यौन हिंसा पर सख्त कानून बनाए गए और अंततः बलात्कार के लिए मौत की सजा का प्रावधान किया गया। इसके बावजूद यौन अपराध खत्म नहीं हुए हैं। बलात्कार की प्रकृति अधिक आक्रामक, अधिक क्रूर हो गई है और एक हद तक सतर्कतावाद और गैंगस्टरवाद का एक रूप बन गई है। भारत में लगभग हर दिन क्रूर बलात्कार की रिपोर्ट की गई है, और हाल के वर्षों में भयानक यौन हमलों की रिपोर्ट में वृद्धि हुई है। "यह नया भारत है जहाँ कानून का शासन पूरी तरह से टूट गया है, जिसका सीधा असर महिलाओं पर पड़ रहा है, क्योंकि यह पितृसत्ता के बेधड़क अतिक्रमणों का दौर भी है। पीड़ितों के इर्द-गिर्द प्रचलित कलंक और पुलिस जाँच में विश्वास की कमी के कारण बड़ी संख्या में बलात्कार की रिपोर्ट नहीं की जाती है। भारत की पंगु पड़ी आपराधिक न्याय प्रणाली में मामले सालों तक अटके रहने के कारण दोषसिद्धि दुर्लभ बनी हुई है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार, भारत में औसतन प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की रिपोर्ट की गई। वर्ष 2022 में, पुलिस ने एक युवती के साथ कथित क्रूर सामूहिक बलात्कार और यातना के बाद 11 लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें उसे दिल्ली की सड़कों पर घुमाया गया था। 2022 में ही, भारत में एक पुलिस अधिकारी को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक 13 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप है, जो अपने साथ सामूहिक बलात्कार की रिपोर्ट करने के लिए उनके स्टेशन गई थी। मार्च में, अपने पति के साथ मोटरसाइकिल यात्रा पर गई एक स्पेनिश पर्यटक के सामूहिक बलात्कार के बाद कई भारतीय पुरुषों को गिरफ्तार किया गया था। 2021 में, मुंबई में एक 34 वर्षीय महिला की बलात्कार और क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किए जाने के बाद मृत्यु हो गई। एक भारतीय छात्रा के कुख्यात सामूहिक बलात्कार और हत्या ने 2012 में वैश्विक सुर्खियाँ बटोरीं। 23 वर्षीय फिजियोथेरेपी की छात्रा ज्योति सिंह के साथ उस वर्ष दिसंबर में नई दिल्ली में एक बस में पाँच पुरुषों और एक किशोर ने बलात्कार किया, हमला किया और उसे मरने के लिए छोड़ दिया। इस भयानक अपराध ने भारत में यौन हिंसा के उच्च स्तर पर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियाँ बटोरीं और हफ़्तों तक विरोध प्रदर्शन हुए और अंततः बलात्कार के लिए मृत्युदंड पेश करने के लिए कानून में बदलाव किया गया। इन हमलों की क्रूर और भयावह प्रकृति ने भारतीय समाज को झकझोर दिया है और एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है।

भारत की सदियों पुरानी भेदभावपूर्ण जाति व्यवस्था के सबसे निचले स्तर की महिलाएँ - जिन्हें दलित के रूप में जाना जाता है - यौन हिंसा और अन्य हमलों के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भी सामान्य हो गई है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया पर ट्रोल, जो हर मुखर महिला या उसकी बेटी को चुप कराना, गाली देना या बलात्कार करना चाहते हैं, उन्हें जवाबदेह नहीं बनाया जाता है। उल्लंघनकर्ताओं के पास बढ़ती हुई दंडमुक्ति और न्यायिक साधन भी राजनीतिक आकाओं के सामने आत्मसमर्पण करने के साथ, बलात्कार से लड़ना कठिन हो गया है। देश में महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों में वृद्धि, साथ ही देश की कठोर जाति व्यवस्था के सबसे निचले पायदान पर रहने वालों के साथ व्यवहार, ऊपर से नीचे तक दंडमुक्ति की संस्कृति के परिणामस्वरूप एक उत्साहजनक कारक के रूप में कार्य करता है। यह महिलाओं के अधिक सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करने और लगभग सभी क्षेत्रों में पुरुष आधिपत्य को चुनौती देने के खिलाफ एक प्रतिक्रिया है। अधिकांश पुरुष अभिभूत हैं और नहीं जानते कि अपने आहत अहंकार को कैसे संभालें और व्यापक बेरोजगारी ने समग्र रूप से निराशा पैदा की है। भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में मामलों के वर्षों तक अटके रहने के साथ दोषसिद्धि का निम्न स्तर भी ऐसे क्रूर अपराधों का जन्मदाता है। पुरुष अक्सर यौन हिंसा का इस्तेमाल दमनकारी लिंग और जाति पदानुक्रम को मजबूत करने के लिए एक हथियार के रूप में करते हैं।

रिपोर्ट किए गए बलात्कार के मामलों की संख्या में वृद्धि और अधिक महिलाओं के आगे आने के बावजूद, देश में सजा की दर कम बनी हुई है। कई मामलों में, सबूतों की कमी को अक्सर कम सजा दर या उच्च न्यायालयों द्वारा सजा को पलटने का कारण बताया जाता है। कुछ साल पहले स्पेनिश पर्यटक के साथ जो हुआ वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और देश में अराजकता के बारे में बहुत कुछ बताता है। हम जानते हैं कि यौन अपराधों की बहुत कम रिपोर्टिंग होती है और इसे बदलना होगा। अगर यह बलात्कार संस्कृति नहीं है, जिसे समाज के समझदार पुरुषों और महिलाओं, संस्थानों और सरकारी अंगों द्वारा समर्थित और बरकरार रखा जाता है, तो यह क्या है? आप सभी कानून, सभी तेज अदालतें, यहाँ तक कि मौत की सजा भी ला सकते हैं, लेकिन कुछ भी नहीं बदल सकता जब तक कि एक समान मानसिकता में बदलाव न हो जो लड़कियों और महिलाओं के बारे में सोचने का एक नया तरीका शुरू करे। हमने बलात्कार संस्कृति को खत्म करने का काम भी शुरू नहीं किया है। हमने पितृसत्ता को जलाने वाली माचिस भी नहीं जलाई है।

दिसंबर 2012 में, सरकार ने आखिरकार हमारी बात सुनी। एक पल के लिए, ऐसा लगा कि हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके बजाय आज हम रुक गए हैं या इससे भी बदतर, पीछे चले गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर, अब हमारे पास ऐसे कानून हैं जो वस्तुतः अंतरधार्मिक विवाहों पर प्रतिबंध लगाते हैं और अदालतें उन जोड़ों को सुरक्षा देने से इनकार करती हैं जो अपने जीवन के लिए डरते हैं। स्वतंत्र भारत में आधुनिक समान नागरिक संहिता के लिए पहला नमूना लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीकरण की बात करता है। हर स्तर पर महिलाओं की स्वायत्तता और स्वतंत्र एजेंसी को छीना जा रहा है। ऐसा नहीं है कि घर हमेशा एक सुरक्षित जगह है। डरावनी कहानियों में अनाचार और घरेलू हिंसा शामिल हैं। भारत में, जहां अंतरंग साथी द्वारा हिंसा की दूसरी सबसे बड़ी व्यापकता है, 46% महिलाएं कुछ परिस्थितियों में इसे स्वीकार्य मानती हैं - ससुराल वालों का अनादर करना या बिना अनुमति के घर से बाहर जाना। जब तक हम उन विचारों को नहीं बदल सकते, तब तक हम भारत की प्रतिष्ठा के नुकसान पर विलाप करते रहेंगे, इसलिए नहीं कि हमारे पास बलात्कार की समस्या है, बल्कि इसलिए कि यह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर खराब दिखता है।

अरुण श्रीवास्तव

आज स्थिति यह हो गई है कि, इस तरह की घटनाएं हमें प्रभावित नहीं करतीं, करतीं भी हैं तो तात्कालिक रूप में। घटना घटती है तो दो-चार दिन बाद उजागर होती है और इसका असर भी दो -चार दिनों तक ही रहता है।

अब भी सुरक्षित नहीं है नारी

'अबला जीवन हाय तेरी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी' नारी की दुर्दशा पर ये बात कविता के रूप में मैथिलीशरण गुप्त ने कही थी। ये कविता कब लिखी गई थी यह तो पता नहीं पर इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि तब के समाज में भी नारी पर अत्याचार बहुत ज्यादा था और आज के समाज में भी कम नहीं हुआ है। यह कब थमेगा थमेगा भी या नहीं कहा नहीं जा सकता।

यह वक्त आंकड़ों में जाने का कारण तलाशने का है समाज में और अपने अंदर भी। इसे यह कह कर टाला नहीं जा सकता कि यह अनंत काल से होता रहा है तो क्या अनंत काल तक होता रहेगा। समाज में जब तक हम जैसे दरिंदे मौजूद रहेंगे तब तक इस तरह की घटनाएं होती रहेंगी। कभी निर्भया के रूप में सामने आएंगी तो कभी अंकिता भंडारी के रूप में। कठुआ, हाथरस उन्नाव तो बीएचयू के रूप में।

आज स्थिति यह हो गई है कि, इस तरह की घटनाएं हमें प्रभावित नहीं करतीं, करतीं भी हैं तो तात्कालिक रूप में। घटना घटती है तो दो-चार दिन बाद उजागर होती है और इसका असर भी दो -चार दिनों तक ही रहता है। याद करिए निर्भया के बाद जो कुछ हुआ था और उसके बाद के घटनाक्रम को भी। हफ्ते दो हफ्ते धरना-प्रदर्शन हुआ उसके बाद तूफान के बाद जैसा सन्नाटा। निर्भया के बाद पूरा देश आंदोलित हो गया था। इतना कि तत्कालीन सरकार को नया कानून लेकर आना पड़ा। उसके बाद कठुआ हुआ, निर्भया को न्याय दिलाने की मांग करने वाले कठुआ की घटना पर आरोपियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तिरंगा यात्रा में शामिल थे। कुछ ऐसा ही दिल्ली में महिला खिलाड़ियों के साथ हुआ। महिला खिलाड़ियों ने कुश्ती संघ से जुड़े बड़े पदाधिकारी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया, हफ्तों सड़कों पर संघर्ष किया पर उस महाप्रतापी का बाल भी बांका नहीं हुआ। उल्टे महिला खिलाड़ियों को सड़कों पर घसीटा गया। यहां पर यह भी ध्यान देने वाली बात है कि, निर्भया कांड में जो महिलाएं और महिला संगठन पीड़िता के साथ थे महिला खिलाड़ियों के मामले में वो खामोश थे और जो खामोश थे वो कठुआ, हाथरस, बीएचयू व उन्नाव की घटनाओं को लेकर हाय-तौबा कर रहे हैं। यानी कि बलात्कार व हत्या जैसी घटनाओं पर हम और हमारा समाज बंटा हुआ है।

ज्यादा पीछे जाने की जरूरत नहीं है। देश की राजधानी दिल्ली कि मामला है। वहां की राज्य महिला आयोग की मुखिया के कथित अत्याचार की बात सामने आई, सत्तारूढ़ दल की महिला शाखा सड़कों पर उतर आई पर इसी संगठन ने महिला खिलाड़ियों पर हुए अत्याचार के सवाल पर चुप्पी साध लिया था। कहने का मतलब यह कि हम खांचों में बंटे हुए हैं वो भी आधी आबादी पर आधी आबादी द्वारा किए जा रहे अत्याचार पर। इसका मतलब यह भी नहीं कि आधी आबादी आधी आबादी के खिलाफ सड़कों पर आ जाए। इस तरह के अत्याचारों के पीछे हमारे दिमाग में सदियों से चली आ रही सोच। हमारा समाज पुरुष प्रधान समाज रहा है चाहे युग जो भी हो रहा हो। आदिम काल को छोड़कर नारी का स्वतंत्र अस्तित्व कभी रहा ही नहीं। सामंतवाद समाप्त हो गया पर सोच कायम ही नहीं बल्कि नए स्वरूप में मजबूत हुई हैं। इस तरह की घटनाएं सामंतवादी सोच का ही नतीजा है।

बात मुद्दे की, ताजा मामला कोलकाता के एक मेडिकल कॉलेज का है। घटना के वक्त थकी-हारी महिला डॉक्टर सेमिनार हाल में सो रही थी कि उसके साथ इस तरह की विभत्स घटना हुई। यह घटना अन्य घटनाओं से हट कर सोचने को मजबूर करती है कि कितने दरिंदे हो गए हैं हम। आमतौर पर बलात्कार के बाद महिला की हत्या करने का समाचार सुनने को मिलता था। आज के सभ्य कहे जाने वाले समाज में महिलाओं के साथ दो तरह के अपराध होने लगे हैं। एक तो उसके साथ बलात्कार होता था और फिर उसकी हत्या कर दी जाती थी। लेकिन यह घटना उससे कई गुना ज्यादा आरोपी के दरिंदे होने का परिचय देता है। पुलिस के अनुसार पहले महिला की हत्या की गई थी फिर उसके साथ बलात्कार किया गया था। अब सोचिए आज के पूंजीवादी, कंप्यूटराइज्ड युग में भी इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। यानी की मरे हुए व्यक्ति के साथ बलात्कार किया जा रहा है।

-विनीत नारायण-

भारत के लिए बांग्लादेश की घटनाएं गंभीर

भारत जैसे मजबूत देश और उसके खुफि या तंत्र को ढाका में होने वाले राजनैतिक घटनाक्रम की भनक क्यों नहीं लगी? यह बात गले नहीं उतरती। क्या इसे भी पुलवामा की तरह ह्यइंटेलिजेंस फेलियरह्ल माना जाए? उल्लेखनीय है कि 1975 में, जब भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों को बांग्लादेश में तख्तापलट होने जा रहा है, इसकी भनक लगी, तो तब भारत की प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने लगभग एक सप्ताह पहले ही अपने हेलीकॉप्टर भेज कर शेख मुजीबुर रहमान को भारत में शरण लेने की सलाह दी थी, परंतु वे नहीं माने।

भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो हुआ उसने कई तरह के सवाल खड़े किए हैं। परंतु इन सब में एक अहम सवाल भारत और बांग्लादेश के संबंधों का है। पड़ोसी व मित्र होने के चलते जिस तरह भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधान मंत्री व अपदस्थ नेता शेख हसीना को दिल्ली में शरण दी है वह आने वाले समय में भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर गहरा असर डाल सकता है। क्योंकि आम बांग्लादेशियों की नजर में शेख हसीना और भारत एक दूसरे के पर्याय माने जाते हैं। ऐसे में अगले कुछ महीने दोनों देशों के रिश्तों के लिए तनाव भरे भी हो सकते हैं। बांग्लादेश में बनी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार भारत के साथ किस तरह पेश आती है, ये अभी कहा नहीं जा सकता। ये हमारी चिंता का विषय रहेगा।

कई देशों में भारत के राजदूत रहे पूर्व आईएफएस अधिकारी अनिल त्रिगुणायत के अनुसार यह एक ऐसा संकट है जो वाजिब संदेह से परे नहीं है। दुनिया में सबसे लंबे समय तक सत्तारूढ़ रहीं महिला प्रधान मंत्री और बांग्लादेश में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली प्रधान मंत्री शेख हसीना का बांग्लादेश में हो रही घटनाओं के त्वरित क्रम में, अचानक इस्तीफा, निष्कासन और प्रस्थान अप्रत्याशित था। उनके कार्यकाल के दौरान, उनके प्रशासन ने बांग्लादेश को महत्वपूर्ण स्थायित्व प्रदान किया। इसके कारण उसकी आर्थिक प्रगति भी प्रभावशाली रही।

पर साथ ही शेख हसीना के शासन में बढ़े भारी भ्रष्टाचार और उनके अहंकार के साथ-साथ उन पर चुनावों में गड़बड़ी करवाने के आरोपों ने उनकी विरासत को कलंकित किया। सरकारी नौकरियों में अपने ही दल के लोगों को स्वतंत्रता सेनानी बताकर लगातार सरकारी नौकरियों में तीस फीसदी आरक्षण देना युवाओं में उनके भारी विरोध का मुद्दा बना। हालांकि जुलाई के तीसरे सप्ताह में बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय ने इसे सुलटा दिया था। फिर भी ये विवाद का एक बड़ा मुद्दा बना रहा। इसी के चलते 300 से अधिक छात्रों और प्रदर्शनकारियों की मौत के साथ वहाँ स्थिति बिगड़ गई। वो एक महत्वपूर्ण मोड़ था जब सेना ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया। घटनाओं का यह क्रम श्रीलंका और मिस्र में देखे गए संकटों की प्रतिध्वनि है।

इस बीच, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता बेगम खालिदा जिया की नजरबंदी रद्द कर दी गई है। जो अब फिर से सक्रिय हो रही हैं। वे कट्टरपंथियों व पाकिस्तान के करीब मानी जाती हैं। ये हमारे लिए चिंता का कारण है। वहीं दूसरी तरफ शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने दावा किया है कि अब एक राजनैतिक गाथा खत्म हो गई है। क्योंकि उनका परिवार अब बांग्लादेश को अव्यवस्था की खाई में से निकालने या पाकिस्तान के जाल से बचाने और उग्रवाद के भँवर में फँसने से बचाने के लिए वापिस बांग्लादेश नहीं आएगा। क्योंकि शेख हसीना द्वारा प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन ह्यजमात-ए-इस्लामीह्ल हाल में सेना के साथ सरकार बनाने की बातचीत करने वाली टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा था। वाजेद ने यह भी कहा कि अब हसीना का राजनीति से नाता भी खत्म हो चुका है। आवामी लीग को एक नया कथानक और अपना नया स्वीकार्य नेता ढूंढना होगा। ये रुझान आने वाली परिस्थितियों के स्वरूप का संकेत देते हैं।

उधर बांग्लादेश की सेना के लिए भी आने वाला समय आसान नहीं है। क्योंकि सेना प्रमुख ने जनता, विशेषकर छात्रों से, इतनी बड़ी संख्या में हुई मौतों के मामले में कार्रवाई और जांच का आश्वासन देते हुए सहयोग मांगा है। यदि ऐसा है तो क्या उग्र और अनियंत्रित भीड़ द्वारा शेख हसीना के कार्यालय, आवास और संसद में की गई तोड़फोड़ को नजरअंदाज किया जाएगा?

गौरतलब है कि बांग्लादेश के लोगों, खासकर युवाओं को लंबे समय तक चलने वाला सैन्य शासन पसंद नहीं है। इसलिए यदि एक समय सीमा के बाद सत्ता का लोकतांत्रिक हस्तांतरण नहीं किया गया और उसे राजनेताओं को नहीं सौंपा गया तो सेना को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, बड़ी संख्या में छात्र सेना द्वारा थोपी गई अंतरिम सरकार के विचार से भी खुश नहीं हैं।

दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय मामलों के कुछ अन्य जानकर ऐसा भी मानते हैं कि बांग्लादेश में यदि आरक्षण ही मुद्दा होता तो शेख हसीना जनवरी 2024 में भारी बहुमत से चुनाव कैसे जीतीं? ऐसा क्या हुआ कि मात्र छह महीनों में ही उन्हें देश छोड़ कर जाने पर मजबूर होना पड़ा? उनका कहना है कि पाकिस्तान बांग्लादेश के अलग होने से बिलकुल भी खुश नहीं था। उसकी जासूस एजेंसी आईएसआई हमेशा से ही बांग्लादेश में सक्रिय रही है। जिसने इस तख़्त पलट की पटकथा लिखी है। क्योंकि शेख हसीना ने पिछले 15 वर्षों से भारत के साथ अच्छे संबंध रखे और वे भारतीय हितों को पोषित करने वाली मानीं जातीं थी। जिससे पाकिस्तान काफी बेचैन था। ऐसे पड़ोसी मित्र का सत्ता से अचानक हटना अब भारत के लिए चिंता का सबब अवश्य है।

प्रश्न है कि भारत जैसे मजबूत देश और भारत का एक तेज-तर्रार खुफि या तंत्र होने के बावजूद ढाका में होने वाले राजनैतिक घटनाक्रम की भनक तक क्यों नहीं लगी? ये बात गले नहीं उतरती। क्या इसे भी पुलवामा की तरह ह्यइंटेलिजेंस फेलियरह्ल माना जाए? उल्लेखनीय है कि 1975 में, जब भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों को बांग्लादेश में तख्तापलट होने जा रहा है, इसकी भनक लगी, तो तब भारत की प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने लगभग एक सप्ताह पहले ही अपने हेलीकॉप्टर भेज कर शेख मुजीबुर रहमान को भारत में शरण लेने की सलाह दी थी, परंतु वे नहीं माने।

परिणाम स्वरूप उन्हें व उनके बेटों और परिवार के 17 सदस्यों को ढाका में उनके घर में ही मार दिया गया। यदि उसी तरह हमारी खुफि या एजेंसियाँ ढाका में होने वाले ताजा घटनाक्रम की खबर समय रहते दे देतीं तो शायद प्रधानमंत्री मोदी जी बांग्लादेश को इस संकट से बचा भी सकते थे। वहीं दूसरी ओर यदि हमारे पास इस घटनाक्रम की जानकारी थी तो हमने बांग्लादेश के समर्थन में समय रहते कठोर कदम क्यों नहीं उठाए?

विदेशी मामलों के ये जानकार यह भी कहते हैं कि भारत ने 2014 तक अपनी कूटनीति के चलते दक्षिण एशिया में पाकिस्तान को अपने पाँव पसारने नहीं दिये। नेपाल, म्यांमार, श्री लंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और भारत सहित सात देशों के समूह ने भारत की पहल पर ही सार्क का गठन किया। जिसमें पाकिस्तान के अलावा भारत के सभी से अच्छे संबंध रहे। परंतु किन्हीं कारणों से हमारी विदेश नीति में कुछ ऐसे परिवर्तन हुए कि 2015 के बाद से सार्क देशों की एक भी बैठक नहीं हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

यमुनानगर में तटबंध से राहत की बजाए मिली आफत सोम व पथराला के पानी से 500 एकड़ फसल बर्बाद

यमुनानगर यमुनानगर के साढौरा में सिंचाई विभाग की ओर से नकटी नदी पर बनाया गया तटबंध कस्बावासियों को राहत की बजाए आफत का पर्याय बन गया है। आरोप है कि नगरपालिका व कस्बावासियों के विरोध के बावजूद सिंचाई विभाग ने मनमानी करते हुए तटबंध बनाया। तटबंध के कारण नदी के प्रवाह क्षेत्र का दायरा कम हो गया और पानी कस्बे के कई मोहल्लों तक पहुंचकर परेशानी का सबब बन गया।

कस्बे के कई क्षेत्र नदी के प्रवाह क्षेत्र से नीचे होने के कारण बरसात के दौरान नदी का पानी इन क्षेत्रों की तरफ रुख कर जाता है, जिसके कारण कई मोहल्लों में जलभराव होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। इस समस्या के समाधान के लिए नगरपालिका नकटी नदी की खोदाई करवाने की पक्षधर रही है।

वहीं सिंचाई विभाग ने नदी की खोदाई करवाने की बजाए मई के शुरू में तटबंध बनाना शुरू किया। इस पर नगर पालिका की चेयरपर्सन शालिनी शर्मा सहित सभी पार्षदों ने इस बारे में डीसी एवं एसडीएम से गुहार की। इसके बावजूद सिंचाई विभाग ने मनमानी करते हुए नदी की खुदाई करने की बजाए तटबंध बनाने का काम जारी रखा। इस तटबंध के बनाने से नदी का प्रवाह क्षेत्र पहले से भी कम हो गया। नतीजा नदी के उफनते पानी के कारण कस्बे में जलभराव हो गया।

यही नहीं सिंचाई विभाग ने तो कस्बे के पानी की निकासी के लिए पुलिया या पाइप तक नहीं बिछाए।

चेयरपर्सन व सभी पार्षदों के विरोध करने पर निकासी के लिए दो पाइप बिछाए गए लेकिन वो भी पानी की मात्रा के मुकाबले नाकाफी सिद्ध हुए। आखिरकार प्रशासन के आदेशों पर इस तटबंध को स्टेडियम व श्मशान घाट के पास तोड़ने के बाद ही पानी की निकासी संभव हो सकी। चेयरपर्सन शर्मा ने जलभराव के कारण हुए नुकसान के लिए सिंचाई विभाग को दोषी ठहराया है।

रिटायर्ड बीईओ ने भी किया था विरोध...रिटायर्ड बीईओ अख्तर अली ने भी तटबंध बनाए जाने के दौरान ही नदी में अवैध कब्जों को बचाने के आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था लगता है कि यह तटबंध कस्बे की सुरक्षा की बजाए अवैध कब्जों को सुरक्षित रखने के लिए बनाया जा रहा है।

दरअसल, अवैध कब्जों को हटाने के बजाए कुछ हटकर तटबंध बना दिया गया। इस कारण अवैध कब्जे तो नदी की मार से सुरक्षित हो गए लेकिन नदी का प्रवाह क्षेत्र पहले से भी कम होने से कस्बावासियों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने लेदी-बिलासुपर मार्ग पर तीन घंटे लगाया जाम...सोम नदी की पटरी तोड़ने पर बाढ़ का पानी लोप्पो, तिहाणों गांवों की तरफ मुड़ने से नाराज ग्रामीणों ने लेदी-बिलासपुर मार्ग पर तीन घंटे तक जाम लगाए रखा। बाढ़ के पानी से हुए नुकसान से नाराज ग्रामीण लोप्पो, तिहाणों, खानूवाला व सलेमपुर आदि गांवों के लोग एकजुट होकर सड़क पर बैठ गए। ग्रामीणों का साथ देने विभिन्न किसान संगठनों के नेता भी मौके पहुंच गए। बाद में एसडीएम बिलासपुर के समझाने व पटरी पर मरम्मत करने पहुंची मशीन देखकर ग्रामीण शांत हुए।

ग्रामीणों ने कहा कि मलिकपुर व अन्य गांवों के कुछ शरारती तत्वों ने अपने निजी स्वार्थ के लिए क्षेत्र के लगभग 25 गांवों को मौत के मुंह में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि रविवार को खानूवाला, लोप्पो व सलेमपुर आदि गांवों में बाढ़ के पानी ने नुकसान हुआ है,जिसके जिम्मेदार पटरी तोड़ने वाले शरारती तत्व हैं।

ग्रामीण आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तारी करने की मांग व जिस जगह से पटरी टूटी थी वहां पर दोबारा रिपेयर करने पर अड़े रहे। जाम की सूचना मिलते ही बिलासपुर एसडीएम देवेन्द्र शर्मा तहसीलदार व थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंच किसानों को आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

जल्द ही उनकी गिरफ्तारी भी की जाएगी और पटरी की आज ही मरम्मत की जाएगी। आश्वासन मिलने पर ग्रामीणों ने जाम खोला। उल्लेखनीय है पहाड़ों पर भारी बारिश होने के चलते रविवार को सोम नदी का जलस्तर बढ़ गया था। ऐसे में बाढ़ का पानी इन गांवों में घुस गया और फसलें भी खराब हो गई। इसके चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बाढ़ के पानी की वजह से मची तबाही

छछरौली क्षेत्र में रविवार को पथराला नदी में आई बाढ़ के पानी की वजह से मची तबाही का सोमवार को मंजर देख ग्रामीण सिहर उठे हैं। बाढ़ के पानी ने सड़कें, फसलें तबाह कर दीन हैं। खंड छछरौली में सोम व पथराला नदियों में आई बाढ़ के पानी से लगभग 500 एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी है। सोम नदी की पटरी टूटने पर खानूवाला गांव में ज्यादा नुकसान हुआ है। बाढ़ का पानी लोगों के घरों तक चार-पांच फीट तक घुस गया था। जिससे पुराने वह कच्चे मकान दीवारों ढह गई और गालियां उखड़ गई हैं। बाढ़ के पानी से सभी गलियों में बहकर आई रेगी जम गई है। जिसे अब ग्रामीण बाहर निकाल रहे हैं। खानूवाला गांव के बुजुर्ग व छोटे बच्चे अभी भी दहशत में हैं। लोगों के पास खाना-पानी कुछ नहीं बचा था। आसपास के ग्रामीण रिश्तेदारों परिचितों ने खाना पानी देकर सेवा कार्य किया है। सोम नदी में टूटी पटरी से आए तेज बहाव ने सड़कें बुरी तरह से उखाड़ गई। लेदी से बिलासपुर जाने वाली सड़क कई जगह से टूट चुकी है।

पानी के बहाव के कारण कई फीट के गड्ढे बन गए हैं। इसके साथ ही लेदी से शेरपुर मोड छछरौली जाने वाली सड़क भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने हर तरह से मदद की है। प्रशासन की तरफ से दो दिन बीतने के बावजूद भी किसी प्रकार की कोई मदद नहीं आई है।

चंडीगढ़ की ब्यूरोक्रेसी में हलचल: शहर के इतिहास में पहली बार HS और FS की पोस्ट खाली

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के इतिहास में यह पहली बार है कि जब प्रशासन में दो बड़े पद पिछले करीब दो महीने से खाली हैं। तीसरा महत्वपूर्ण पद, नगर निगम की आयुक्त का कार्यकाल भी 10 दिन बाद समाप्त होने वाला है और डीसी भी तीन महीने में चंडीगढ़ से चले जाएंगे। केंद्र, वित्त सचिव का पैनल खारिज कर चुका है तो गृह सचिव पर फैसला लंबित है। लगातार हो रही देरी से शहर की ब्यूरोक्रेसी में काफी हलचल है। इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं।

इतिहास में पहली बार है कि प्रशासन अपने दो शीर्ष पदों - यूटी गृह सचिव (एचएस) और वित्त सचिव (एफएस) पर नियमित अधिकारियों के बिना काम कर रहा है। वर्तमान आईएएस अधिकारी कई विभागों का कार्यभार संभाल रहे हैं, जिससे न केवल कार्यभार बढ़ रहा है, बल्कि प्रशासन का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। यूटी प्रशासन में वित्त सचिव का पद पंजाब से डेपुटेशन पर आए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के लिए आरक्षित होता है।

19 जून को विजय नामदेवराव जड़े के जाने के बाद से यह पद खाली है। 14 जून से गृह सचिव का पद भी खाली है। इनके जाने के बाद से गृह सचिव का पद सलाहकार राजीव वर्मा खुद और वित्त सचिव का पद हरगुनजीत कौर संभाल रही हैं। बाकी विभाग अन्य अधिकारियों को दिए गए हैं। गृह सचिव के लिए हरियाणा ने तीन नाम भेजे हैं और प्रशासन ने मंजूरी के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजा है, जबकि वित्त सचिव का पैनल एक बार केंद्र खारिज कर चुका है। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि अधिकारियों की नियुक्त में देरी के कई कारण हो सकते हैं। जिस तरह से चंडीगढ़ में केंद्र के अधिकारियों की संख्या बढ़ रही है, उससे भी जोड़कर इसे देखा जा रहा है।

गृह सचिव के लिए केंद्र के फैसले के इंतजार में प्रशासन...गृह सचिव के पैनल में 2003 बैच के डॉक्टर अमित कुमार अग्रवाल, 2005 बैच के मनदीप सिंह बराड़ और 2006 बैच के आईएएस अधिकारी जे गणेशन का नाम शामिल है। इन नामों को प्रशासन ने केंद्र सरकार के पास भेज दिया हैं। हालांकि अभी तक केंद्र की तरफ से कोई नियुक्ति नहीं की गई है। वहीं, वित्त सचिव के लिए पंजाब ने वर्ष 2007 बैच के आईएएस मोहम्मद तैय्यब, 2006 बैच के अमित ढाका और 2008 बैच के आईएएस अमित कुमार का नाम भेजा था। केंद्र ने तीनों के नाम खारिज कर दिए हैं। इसके बाद प्रशासन ने पंजाब से दोबारा पैनल मांगा है।

आयुक्त के लिए यूटी ने पंजाब से चार बार मांगा एक्सटेंशन...नगर निगम की आयुक्त आनंदिता मित्रा का कार्यकाल 23 अगस्त को समाप्त हो रहा है। एक्सटेंशन के लिए यूटी प्रशासन ने पंजाब सरकार को कुल चार बार पत्र लिखा लेकिन पंजाब सरकार की तरफ से एक्सटेंशन नहीं दी गई। इसके बाद यूटी प्रशासन ने केंद्र सरकार को एक्सटेंशन के लिए पत्र भेजा है। हालांकि वहां से भी अभी तक कोई जवाब प्रशासन को प्राप्त नहीं हुआ है।

डीसी विनय प्रताप और हरगुनजीत कौर का कार्यकाल भी नवंबर में हो रहा समाप्त...पंजाब कैडर की आईएएस अधिकारी हरगुनजीत कौर, जिन्हें एफएस का प्रभार सौंपा गया है, उनका डेपुटेशन भी नवंबर में समाप्त होने वाला है। यूटी ने पंजाब से कौर के लिए एक साल का विस्तार मांगा है, हालांकि अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी विनय प्रताप सिंह, जो वर्तमान में चंडीगढ़ के डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात हैं। उनका कार्यकाल नवंबर महीने में समाप्त हो रहा है। यूटी ने इस पद के लिए भी हरियाणा से नामों का एक पैनल भी मांगा है, जिसका भी इंतजार है। अधिकारियों की कमी की वजह से प्रशासन में एक-एक अधिकारी के पास दर्जनों विभाग की जिम्मेदारी है।

200 करोड़ रुपये ड्रग्स केस: इंटरनेशनल ड्रग रैकेट का सरगना राजा कंदोला और पत्नी दोषी करार

जालंधर पंजाब में पकड़े गए इंटरनेशनल ड्रग रैकेट के सरगना राजा कंदोला मामले में मंगलवार को अदालत में सुनवाई हुई। राजा कंदोला और उसकी पत्नी को पंजाब पुलिस ने 200 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ के साथ पकड़ा था। इसमें अदालत ने फैसला सुनाते हुए राजा कंदोला को 9 साल की सजा सुनाई है। वहीं दोषी पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। वहीं, उसकी पत्नी रजवंत कौर को अदालत ने 3 साल की सजा और 25 हजार रुपये की सजा सुनाई है।

मामले की सुनवाई सेशन जज निरभैय सिंह गिल की अदालत में हुई। अदालत ने राजा कंदोला और उसकी पत्नी रजवंत कौर दोषी करार देते हुए सजा पर फैसला सुनाया। वहीं, अगर दोषी जुमार्ना राशि जमा नहीं करवाते तो दोनों को 6-6 माह की अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। वहीं अदालत में ईडी की तरफ से पूर्व डिप्टी डायरेक्टर निरंजन सिंह उपस्थित रहे। जबकि दूसरी तरफ राजा कंदोला की पैरवी वरिष्ठ एडवोकेट मनदीप सचदेवा ने की।

मामले की जानकारी देते हुए वकील ने बताया कि 2012 से लगातार जांच चल रही थी और 2015 में चार्जशीट फाइल की गई। चार्जशीट फाइल होने के पूरे 9 साल बाद केस में फैसला आया है। इस मामले दोषियों की प्रॉपर्टी और बैंक अकाउंट खंगालने में काफी समय लग जाता है। 2015 में चार्जशीट फाइल करने के बाद काफी समय तक ट्रायल चलता रहा। दोषियों की करीब 8 से 9 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी पर कार्रवाई की गई है। दोषी दंपत्ति की पंजाब सहित दिल्ली में कई प्रॉपर्टी है।

बता दें कि लगभग एक दशक पहले पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशे का कारोबार करने वाले रणजीत सिंह राजा कंदोला को करोड़ों रुपये की ड्रग सहित गिरफ्तार किया था। ड्रग कारोबार में विदेशी लिंक सामने आने के बाद ईडी की तरफ से केस दर्ज कर मामले की जांच की गई। जांच के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों की ड्रग मनी ट्रांजेक्शन के भी कई लिंक सामने आए।

रामरहीम के काफिले के गुजरने से पहले आकर रुकी जेल मोड़ पर कार

रोहतक रोहतक सुनारिया जेल के नजदीक आउटर बाईपास पर एक कार अचानक आकर रुक गई, जहां से चंद मिनट बाद ही रामरहीम का काफिला गुजरने वाला था। रामरहीम के काफिले को किसी तरह पुलिस ने निकाला, लेकिन कार की तलाशी ली तो उसके अंदर भारी मात्रा में नशीला पदार्थ डोडा मिला, जिसे राजस्थान के कोटा से पंजाब ले जाया जा रहा था। डीएसपी वीरेंद्र सिंह की निगरानी में शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। कार सवार जींद के एक युवक को हिरासत में लिया गया है, जबकि उसका साथी फरार हो गया।

अचानक आकर रुकी एसयूवी कार, जांच के दौरान अंदर से मिली बोरियां...रामरहीम के सुनारिया जेल से बागपत के बरवाना आश्रम जाने के कारण पुलिस ने मंगलवार सुबह जेल मोड़ पर दिल्ली-हिसार आउटर बाईपास पर नाका लगा रखा था। इसी बीच एक गाड़ी मोड़ के पास ही आकर रुक गई। अचानक गाड़ी रुकते ही पुलिस भी सकते में आ गई, क्योंकि रामरहीम की सुरक्षा का सवाल था। किसी तरह से काफिले को निकाला गया, लेकिन उस समय तक कार सवार युवक नीचे उतरकर खेतों की तरफ भाग गए।

पुलिस ने पीछा करते हुए एक युवक को काबू कर लिया। पूछताछ में पता चला कि युवक जींद का रहने वाला है। गाड़ी की तलाशी ली तो उसके अंदर से बोरे मिले। पता चला कि बोरों में नशीला पदार्थ डोडा भरा हुआ है।

अधिकारी के अनुसार...मामले की जांच पड़ताल कर रहे हैं। पकड़ा गया युवक खुद को जींद का बता रहा है। गाड़ी उस समय जेल मोड़ पर मिली, जब रामरहीम का काफिला यूपी के बागपत स्थित बरवाना आश्रम के लिए रवाना होने वाला था। कार के अंदर से बोरे मिले हैं, जिनके अंदर नशीला पदार्थ होने की आशंका है। -एसआई प्रकाश चंद, कार्यकारी थाना प्रभारी शिवाजी कॉलोनी।

रोहतक में सड़क हादसा: हिसार-दिल्ली यूपी नंबर कार ने बाइक को मारी टक्कर

रोहतक । रोहतक में हिसार-दिल्ली आउटर बाईपास पर कारोर गांव के पुल के पास कार ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर में कारोर निवासी 55 साल के रामदिया व 45 साल के रामनिवास की मौत हो गई। चालक कार छोड़कर फरार हो गया।

आईएमटी थाना पुलिस कार्रवाई कर रही है। पुलिस के मुताबिक कारोर निवासी रामदिया व रामनिवास मंगलवार सुबह खेत में आए थे। जब वे आउटर बाईपास से गांव की तरफ जा रहे थे तो पुल के ऊपर तेज गति से आ रही कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। चालक कार को छोड़कर फरार हो गया। खरावड़ पुलिस चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीजीआई के डेड हाउस में पहुंचाया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सोनीपत में हॉकी स्टार सुमित भव्य स्वागत: बोला- स्वर्ण नहीं जीत पाने का मलाल

सोनीपत। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य सोनीपत के गांव कुराड़-इब्राहिमपुर निवासी सुमित का मंगलवार को गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। दिल्ली से आते समय बहालगढ़ में सुमित को खुली कार में धूम-धड़ाके के साथ गांव लाया गया। खुली कार में सुमित पर फूलों की वर्षा की गई। बहालगढ़, बीसवांमील, राई व मुरथल में वाहनों के काफिले लेकर खेल प्रेमी सुमित के स्वागत के लिए पहुंचे।

शहवासियों की तरफ से किए गए स्वागत से खुश सुमित ने कहा कि वह पेरिस ओलंपिक में पूरी टीम ने एकजुट होकर बेहतर प्रदर्शन किया है। पूरी टीम रणनीति बनाकर खेली। स्वर्ण पदक जीतने का मलाल जरूर है, लेकिन कप्तान ने कहा था कि खाली हाथ वापस नहीं लौटना। करो या मरो के मुकाबले में सभी ने अपनी जी-जान लड़ा दी।

टीम के सभी सदस्य एक दूसरे का हौंसला बढ़ाते रहे और संकल्प दोहराते रहे कि हर हाल में पदक जीतकर लौटेंगे। सुमित ने कहा कि मैदान पर खेलते समय हमेशा लगा कि मेरी मां मेरे साथ है और मुझे अंदर से प्रेरित करती रही कि देश के लिए कुछ बेहतर करना है। उन्होंने खेल प्रेमियों के साथ और विश्वास का आभार जताया और कहा कि आपका प्यार व भरोसा यूं ही बना रहा तो भविष्य में पदक का रंग जरूर बदलेंगे।

पदक जीत लौटे लाडले को लगाया गले...पेरिस ओलंपिक में देश के लिए पदक जीतकर लौटे सुमित जैसे ही बहालगढ़ चौक पर पहुंचे खेल प्रेमियों ने फूलों की वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। ढोल नगाड़ों, बीन बांसूरी व डीज की धुन पर खेल प्रेमी झूमते हुए सुमित को गांव कुराड़-इब्राहिमपुर लेकर पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उसे गले लगा लिया और फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सुमित के भाई जयसिंह व अमित भी उनके साथ रहे।

अमरूद बाग घोटाला: 30 भगोड़ों को दबोचने के लिए विशेष टीम, गिरफ्तार नायब तहसीलदार ने किए कई खुलासे

चंडीगढ़। 137 करोड़ रुपये के अमरूद बाग घोटाले मामले में पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मामले में 30 भगोड़ो को दबोचने के लिए विशेष टीम गठित की है। यह टीम विजिलेंस ब्यूरो के चीफ डायरेक्टर वरिंदर कुमार के नेतृत्व में काम करेगी।

विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीफ डायरेक्टर वरिंदर कुमार ने इन 30 भगोड़ो को दबोचने के लिए लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया है ताकि ये आरोपी देश छोड़कर भाग न सकें। लुक आउट सर्कुलर को लेकर देश के सभी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी इनपुट साझा किए गए हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले में अब विजिलेंस ब्यूरो ने 99 आरोपियों की पहचान की है। इनमें वे 12 अधिकारी भी शामिल हैं जो गामाडा, हॉर्टिकल्चर, रेवेन्यू और लैंड एक्विजीशन विभाग से तालुक रखते हैं। विजिलेंस ने घोटाले में शामिल 21 लोगों की गिरफ्तारी की है, जोकि रेगुलर बेल पर बाहर हैं और 48 अग्रिम जमानत पर हैं। 30 आरोपी जो भगोड़े हैं, उनकी गिरफ्तारी को लेकर विजिलेंस ने अब कमर कस ली है। इनका डाटा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जालंधर के साथ भी साझा किया गया है।

पांच अफसरों की भूमिका...विजिलेंस ब्यूरो ने बीते पांच अगस्त को भगोड़े नायब तहसीलदार जसकरण सिंह बराड़ को गिरफ्तार किया था। आरोपी ने विजिलेंस के रिमांड में पांच अफसरों के नाम कबूले हैं। ये पांचों अफसर गमाडा और हॉर्टिकल्चर विभाग के थे, जिनकी मिलीभगत से अमरूद बाग घोटाले में फर्जी रिकॉर्ड तैयार कर किसानों को करोड़ों रुपये का मुआवजा जारी किया गया। नायब तहसीलदार ने विजिलेंस को रिमांड के दौरान पूछताछ में बताया कि जब वर्ष 2016-17 में गमाडा ने 1651.59 एकड़ जमीन पर एयरोट्रोपोलिस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया। तब भाखरपुर, रुरका, छत्त, साफिपुर, नारायणगढ़ में 707.78 एकड़, मत्तरां, मनोली और सियोन में 206.39 एकड़ व पातों, मनोली सियोन में 242.54 एकड़ और छज्जूमाजरा के आसपास की 493.88 एकड़ जमीन को एक्वायर कर यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। इस दौरान जमीनों पर अमरूद के बागों के मुआवजे का पता चलते ही किसानों और अधिकारियों ने पिछली तारीखों में रिकॉर्ड तैयार करने शुरू किए जिनमें गमाडा और हॉर्टिकल्चर विभाग के पांच अफसरों की अहम भूमिका थी। यहां तक कि आरोपी नायब तहसीलदार बराड़ ने भी रिकॉर्ड में हेरफेर कर गैरकानूनी तरीके से कई लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए अफसरों से एक दिन में तीन-तीन बार फाइलें क्लीयर कराईं, इसको लेकर भी विजिलेंस को सबूत मिले हैं।

पटवारी बच्चितर सिंह ने रिकॉड बदले...आरोपी नायब तहसीलदार ने विजिलेंस को बताया कि आरोपी पटवारी बच्चितर सिंह ने ही 2016 से 2021 के बीच इन एक्वायर की जाने वाली जमीनों पर स्थित अमरूद के बाग के खसरा व गिरदावरी रजिस्टर के रिकॉर्ड में बदलाव किया, ताकि बड़े स्तर पर मुआवजे का लाभ उठाया जा सके। कुल 198 एकड़ जमीन पर अमरूद बाग के मुआवजे के नाम पर घोटाला हुआ है, इसमें से अकेले 180 एकड़ जमीन भाखरपुर में थी। यहां 106 लोगों को कुल 137 करोड़ 18 लाख 48 हजार 543 रुपये मुआवजा जारी किया गया था।

BJP नेता को बम से उड़ाने की धमकी: भाजपा-मोदी को नहीं छोड़ा तो टुकड़े कर देंगे

जालंधर विदेशी नंबरों से पंजाब के नेताओं और कारोबारियों को धमकी भरे फोन कॉल का सिलसिला रुक नहीं रहा है। जालंधर में वरिष्ठ भाजपा नेता और भाजपा किसान मोर्चा पंजाब के प्रदेश महासचिव सतनाम सिंह बिट्टा को धमकी भरा फोन आया। धमकी देने वाले ने कहा कि अगर किसानों का नेतृत्व और भाजपा-मोदी को नहीं छोड़ा तो बम से उड़ा देंगे। सतनाम सिंह बिट्टा और उनके परिवार को पाकिस्तानी नंबर से फोन करके बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस कमिश्नर को दी शिकायत में बिट्टा ने कहा कि सुबह 11.15 बजे उन्हें पाकिस्तान नंबर +92305565843 से धमकी मिली कि उन्हें और उनके परिवार को मार दिया जाएगा। इसी बीच उन्हें एक व्हाट्सएप नंबर से कॉल करके कहा गया कि अगर उन्होंने किसानों का नेतृत्व और बीजेपी व मोदी का साथ नहीं छोड़ा तो उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएंगे।

बिट्टा कहा कि वह भाजपा और मोदी के साथ हैं और हमेशा रहूंगा। उन्होंने पुलिस कमिश्नर जालंधर स्वपन शर्मा को मिली धमकी के बारे में पूरी जानकारी दे दी है और उन्होंने इस संबंध में पूरी जांच करने का आश्वासन दिया है। ये फोन पाकिस्तान से किया गया है या कहीं और से टीम इसकी जांच कर रही है।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल, पीजीआई में ओपीडी सेवा ठप, फैकल्टी ने संभाला मोर्चा

चंडीगढ। चंडीगढ़ में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल का असर जारी है, जिससे पीजीआई में ओपीडी सेवाएं पूरी तरह से ठप हो गई हैं। केवल फॉलो-अप के मरीजों को फैकल्टी द्वारा देखा जा रहा है, जबकि नए मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। हड़ताल की जानकारी न होने के चलते सैकड़ों मरीज अस्पताल पहुंच गए, लेकिन उन्हें इलाज न मिल पाने से निराश होकर लौटना पड़ा। इस हड़ताल के चलते मरीजों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।उधर, जीएमसीएच-32 में भी रेजिडेंट डॉक्टरों की ओर से हड़ताल जारी है। दोपहर 1:00 बजे, रेजिडेंट डॉक्टर ए ब्लॉक में एकत्र होकर मार्च करेंगे। हड़ताल की वजह से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं, और डॉक्टरों की मांगों को लेकर अस्पताल प्रशासन पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

बांग्लादेश छोड़ने के बाद हसीना ने जारी किया पहला बयान खालिदा जिया ने उनके खिलाफ किया धरने का एलान

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में आरक्षण को लेकर फैली हिंसा को लेकर इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पहला बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा करने वालों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने देशवासियों से 15 अगस्त को शोक दिवस मनाने की अपील की।

वहीं हाल ही में जेल से रिहा हुईं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने बुधवार और गुरुवार को अपनी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के दफ्तर के बाहर धरना देने का एलान किया है। इस धरने के दौरान खालिदा जिया पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ नरसंहार का मुकदमा चलाने की मांग करेंगीं।

पहले जानिए शेख हसीना ने क्या कहा (उनके बेटे के हवाले से)...बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपना पहला बयान अपने बेटे सजीब वाजेद जॉय के एक्स से पोस्ट किया। उन्होंने कहा प्रिय देशवासियों, 15 अगस्त 1975 को बांग्लादेश के राष्ट्रपति, राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की निर्मम हत्या कर दी गई थी। उनके प्रति गहरा सम्मान रखें।

उसी समय मेरी मां बेगम फजीलतुन्नैसा, मेरे तीन भाई स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन शेख कमाल, स्वतंत्रता सेनानी लेफ्टिनेंट शेख जमाल, कमाल और जमाल की नवविवाहित दुल्हन सुल्ताना

कमाल और रोजी जमाल और मेरे 10 वर्ष के छोटे भाई शेख रसेल की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

मेरे इकलौते चाचा लकवाग्रस्त स्वतंत्रता सेनानी शेख नासिर, राष्ट्रपति के सैन्य सचिव ब्रिगेडियर जमील उद्दीन, पुलिस अधिकारी सिद्दीकुर रहमान, स्वतंत्रता सेनानी शेख फजलुल हक मोनी और उनकी गर्भवती पत्नी आरजू मोनी, कृषि मंत्री स्वतंत्रता सेनानी अब्दुर रब सरनियाबाद, उनके 10 वर्षीय बेटे आरिफ और 13 साल की बेटी बेबी, 4 साल का पोता सुकांत, स्वतंत्रता सेनानी, शहीद पत्रकार भतीजे रेंटू समेत कई अन्य की बेरहमी से हत्या कर दी गयी। मैं 15 अगस्त को शहीद हुए सभी लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

उन्होंने कहा कि पिछली जुलाई से देश में आंदोलन के नाम पर तोड़फोड़, आगजनी और हिंसा में कई जानें जा रही हैं। आतंकवादी हमलों के परिणामस्वरूप मारे गए छात्रों, शिक्षकों, पुलिसकर्मियों, महिला पुलिस अधिकारियों, पत्रकारों, सांस्कृतिक कार्यकताओं, कामकाजी लोगों, अवामी लीग और सहयोगी संगठनों के नेताओं और कार्यकताओं, पैदल यात्रियों और विभिन्न संस्थानों के श्रमिकों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं और आत्मा की शांति की प्रार्थना करती हूं। उन लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं जो मेरी तरह अपने रिश्तेदारों को खोने के दर्द के साथ जी रहे हैं। मैं मांग करती हूं कि इस हत्या और बर्बरता की उचित जांच की जाए और दोषियों की पहचान कर उन्हें उचित सजा दी जाए।

शेख हसीना ने कहा कि प्रिय देशवासियों हम दोनों बहनों ने 15 अगस्त 1975 को धनमंडी बंगबंधु भवन में हुई नारकीय हत्या की स्मृति वाले घर को बंगाल की जनता को समर्पित किया। इसमें एक स्मारक संग्रहालय बनाया गया था। देश के आम लोगों से लेकर देश-विदेश के गणमान्य लोग इस सदन में आ चुके हैं। यह संग्रहालय आजादी का स्मारक है। यह आज धूल भरी है। यह स्मृति हमारे जीवित रहने का आधार थी, वह जलकर राख हो गयी है। यह बहुत दुखद है। हम आपकी सेवा कर रहे हैं। जिसका उद्देश्य बांग्लादेश के पीड़ित लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना है, अपने प्रियजनों के नुकसान की याद को अपने दिलों में बनाए रखना है। इसका शुभ फल भी आपको मिलना शुरू हो गया है। बांग्लादेश विश्व में विकासशील देश का दर्जा प्राप्त कर चुका है। राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान, जिनके नेतृत्व में हमने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आत्म-सम्मान प्राप्त किया, अपनी पहचान पाई और एक स्वतंत्र देश प्राप्त किया, उनका घोर अपमान किया गया है। उन्होंने लाखों शहीदों के खून का अपमान किया। मैं देशवासियों से न्याय चाहती हूं।

मैं आपसे 15 अगस्त को राष्ट्रीय शोक दिवस को उचित गरिमा और गंभीरता के साथ मनाने की अपील करती हूं। बंगबंधु भवन में पुष्प माला चढ़ाकर और प्रार्थना कर सभी आत्माओं की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें। अल्लाह बांग्लादेश के लोगों को आशीर्वाद दे। खुदा हाफिज। जय बांग्ला जय बंगबंधु।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने क्या एलान किया

खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर से एलान किया गया कि वह बुधवार और गुरुवार को देश भर में अपने पार्टी कार्यालयों के सामने धरना कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ नरसंहार का मुकदमा चलाने की मांग की जाएगी। पार्टी के संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को खालिदा जिया के 79वें जन्मदिन पर विरोध प्रदर्शन में मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रार्थना सत्र आयोजित किया जाएगा। हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों में विशेष प्रार्थना की व्यवस्था की गई है। रिजवी ने बीएनपी और उसके सहयोगी संगठनों के सभी नेताओं और कार्यकताओं से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया। हसीना के सत्ता से हटने के बाद 78 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री जिया को जेल से रिहा कर दिया गया था। उन्हें 2018 में भ्रष्टाचार के आरोप में 17 साल की सजा सुनाई गई थी।

पूर्व आईएसआई प्रमुख की गिरफ्तारी पर राजनीति, सत्तारूढ़ गठबंधन ने जताई खुशी

इस्लामाबाद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को आवासीय योजना घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। अब शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाले पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन ने फैज हमीद की गिरफ्तारी का स्वागत किया है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने हालांकि आवासीय योजना घोटाले में हमीद की कथित संलिप्तता को सेना का 'आंतरिक मामला' करार देते हुए इस मामले में तटस्थ रहने का फैसला किया।

इमरान के करीबी होने का आरोप...लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद ने 2019 से 2021 तक इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख पद पर सेवाएं दी थीं, तब जेल में बंद इमरान खान प्रधानमंत्री थे। उन पर इमरान की शह पर राजनीतिक मामलों में दखल देने के आरोप लगे थे। सेना के मुताबिक, सैन्य अधिकारियों ने हमीद को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया और पद के कथित दुरुपयोग को लेकर उनके खिलाफ पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत कोर्ट मार्शल की कार्यवाही शुरू की गई है।

सेना के अनुसार, हमीद को टॉप सिटी हाउसिंग सोसाइटी के मालिक

के घर पर कथित छापेमारी मामले में गिरफ्तार किया गया। सोसाइटी के मालिक ने पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय में दाखिल अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि 12 मई 2017 को जनरल हमीद के आदेश पर आईएसआई अधिकारियों ने इस्लामाबाद में टॉप सिटी हाउसिंग सोसाइटी के दफ्तर और उनके आवास पर छापेमारी कर हीरे-जवाहरात एवं नगदी समेत अन्य कीमती सामान जब्त कर लिया था।

पीटीआई ने बताया सेना का आंतरिक मामला...पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने हमीद के खिलाफ सेना की कार्रवाई को उसका 'आंतरिक' मामला बताते हुए कहा कि सेना एक अनुशासित और संगठित संस्था है, जिसकी सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों अधिकारियों से निपटने की अपनी निर्धारित प्रक्रिया है। हालांकि, सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेताओं ने हमीद की गिरफ्तारी का स्वागत किया। सूचना मंत्री एवं वरिष्ठ पीएमएल-एन नेता अताउल्ला तरार ने इसे 'सही फैसला' बताते हुए कहा कि फैज हमीद के खिलाफ कार्रवाई तफ्तीश के आधार पर की गई होगी।

वहीं, सीनेट सदस्य एवं पार्टी नेता इरफान सिद्दिकी ने कहा, 'जब जांच आगे बढ़ेगी, तो उनके (हमीद के) राजनीतिक हस्तक्षेप की बात भी सामने आ जाएगी।' सिद्दिकी ने इमरान के बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमीद ने नेशनल असेंबली में कानून पारित कराने और आवश्यक सदस्यों का समर्थन जुटाने में उनकी पार्टी की मदद की थी। उन्होंने हमीद पर आम चुनाव में पीटीआई का समर्थन करने का आरोप भी लगाया। पीपीपी नेता कमर जमान कैरा ने सेना के आंतरिक जवाबदेही तंत्र की तारीफ करते हुए कहा कि जांच से हमीद के कई उल्लंघनों में शामिल होने की पुष्टि हुई, जिसके कारण उनके खिलाफ पाकिस्तान सेना अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की गई।

एनसीसी कोलकाता बी इकाइयों ने मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

कोलकाता। कोलकाता बी की एनसीसी इकाइयों ने मंगलवार को प्रेरक विषय विकसित भारत के तहत एक भव्य उत्सव के साथ 78वें स्वतंत्रता दिवस को मनाया। यह कार्यक्रम देशभक्ति, एकता और भारत के युवाओं की अटूट भावना का जीवंत उदाहरण था। प्रिंसेप घाट और एनसीसी संस्थान में एक नुक्कड़ नाटक के साथ दिन की गतिविधियों की शुरूआत हुई। इसमें विकसित भारत-एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा का सार दशार्या गया। इसके बाद हुगली नदी के पार एक नौका पर स्वतंत्रता दिवस रैली निकाली गई, जो देश की अजेय प्रगति और उसके लोगों की एकता का प्रतीक थी।

स्ट्रैंड रोड, सेरामपुर और बेलूर मठ जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर रैलियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इसका जिसका समापन प्रतिष्ठित शहीद मीनार, आउट्राम रोड और विक्टोरिया मेमोरियल के पास एक भव्य ध्वजारोहण समारोह में हुआ। इन आयोजनों के साथ हर घर तिरंगा अभियान भी शामिल था, जहां एनसीसी कैडेटों ने राष्ट्रीय गौरव और आत्मनिर्भरता के संदेश को मजबूत

करते हुए गर्व से तिरंगा फहराया।

इस दिन एनसीसी संस्थान में एक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता और एक और नुक्कड़ नाटक भी हुआ, जहां कैडेटों ने देश के विकास के लिए अपनी रचनात्मकता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, बेलूर मठ में एक रक्तदान शिविर ने सेवा की भावना का उदाहरण पेश किया, जो एनसीसी के मिशन के केंद्र में है। समारोह का उद्घाटन करते हुए ब्रिगेडियर. एनसीसी कोलकाता बी के ग्रुप कमांडर कृष्णेंदु दास ने कैडेटों के समर्पण की सराहना की और विकसित भारत को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा नेताओं को स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए अपार बलिदानों की याद दिलाई और उनसे उसी अटूट प्रतिबद्धता के साथ समाज और मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जहां पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पदक और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य में उनके योगदान का प्रतीक है। इस स्वतंत्रता दिवस पर, कोलकाता बी की एनसीसी इकाइयों ने एक बार फिर प्रदर्शित किया है कि भारत के युवा न केवल हमारी समृद्ध विरासत के पथप्रदर्शक हैं, बल्कि एक विकसित भारत के वास्तुकार भी हैं।

भारत-बाग्लादेश सीमा: तीन दिन में 83 फ्लैग मीटिंग, 241 समन्वित गश्त

कोलकाता पड़ोसी मुल्क में जारी उथल-पुथल के बीच, गृह मंत्रालय के निदेशों पर भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए शनिवार को सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। इसके अलावा बीएसएफ के महानिदेशक के निदेशों पर, समिति के सदस्यों ने अपने समकक्षों के साथ संवाद स्थापित किया। साथ ही, बीओपी-कंपनी स्तर तक समकक्षों तक पहुंचने के लिए दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने पिछले 3 दिनों में विभिन्न स्तरों पर लगभग 83 फ्लैग मीटिंग की गई है। इसके अलावा दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने पूर्वी कमांड ज़िम्मेदारी के इलाके के संवेदनशील सीमा क्षेत्रों में लगभग 241 समन्वित गश्त की हैं।

सीमा सुरक्षा बल (पूर्वी कमान), कोलकाता की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि बीएसएफ अधिकारियों ने बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर आने से रोकने में बीजीबी की भूमिका की सराहना की और भारतीय नागरिकों और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उल्लेखनीय है कि बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) न केवल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ऑप्स मामलों में बीएसएफ के साथ सहयोग कर रहा है, बल्कि उनके नागरिक अधिकारियों के साथ मिलकर बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा के लिए भी सभी कदम उठा रहा है। हाल ही में, 9 अगस्त को, जब 1500 बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश के अंदर कूचबिहार-लालमोनिरहाट जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर इकट्ठा हुए थे, तो बीजीबी ने बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले के स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें वापस लौटने के सफल प्रयास किए। इसके अलावा द्विपक्षीय क्षेत्रीय बैठकों में, सीमा सुरक्षा और अन्य आपसी हितों से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की गई। साथ ही, कमांडरों ने बीजीबी के साथ विभिन्न परिचालन मामलों पर वास्तविक हालात की जानकारी साझा करने के लिए प्रभावी समन्वित तंत्र के चैनल तैयार किए।

इसके अलावा, पूर्वी कमांड की अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ रहने वाले भारतीय ग्रामीणों के साथ भी 232 बैठकें आयोजित की गईं ताकि उन्हें बांग्लादेश में वर्तमान स्थिति के बारे में जागरूक किया जा सके और सीमा प्रबंधन में उनका सहयोग प्राप्त किया जा सके। बीएसएफ सभी स्तरों पर उपलब्ध संसाधानों के माध्यम से बीजीबी के साथ सक्रिय संवाद में है ताकि सुरक्षा परिदृश्य की निगरानी की जा सके और भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे।

अब मृत सरकारी कर्मचारी के माता-पिता को भी मिलेगी अनुकंपा अनुदान

गुवाहाटी। सरकारी कर्मचारियों की अनुकंपा अनुदान राशि को लेकर असम सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार मृत सरकारी कर्मचारी की अनुकंपा अनुदान राशि की 20 फीसदी रकम माता-पिता को देगी। जबकि अनुदान की 80 फीसदी राशि जीवन साथी को मिलेगी। असम के मुख्यमंत्री हिंमत बिस्व सरमा ने मंगलवार को सरकारी कर्मचारियों की अनुकंपा अनुदान राशि को लेकर बड़ी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि अक्सर दुख की घड़ी में पैसे को लेकर परिवार बंट जाता है। सरकारी कर्मचारी लगातार इसकी मांग कर रहे थे। हम नहीं चाहते कि दुख की घड़ी में परिवार बंट जाएं। इसलिए हमने सरकारी कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसकी अनुकंपा राशि का 20 फीसदी हिस्सा उसके माता-पिता को देने का फैसला किया है। इससे परिवार जुड़े रहेंगे।

वहीं उन्होंने गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में सरकारी नौकरी पाने वाले युवाओं को नियुक्ति पत्र का वितरण किया। सरमा ने कहा कि जब हम सत्ता में आए थे तो हमने वादा किया था कि हम एक लाख नियुक्ति पत्र देंगे। आज हमने 99097 नियुक्ति पत्र बांटकर एक मील का पत्थर हासिल किया है।

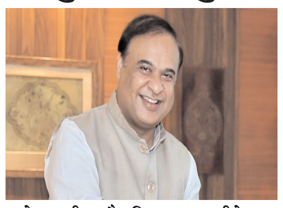

मुझे यकीन है कि इस महीने या अगले महीने के भीतर हम एक लाख नियुक्तियों का आंकड़ा पार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि असम में किसी भी सरकार ने इतने पारदर्शी तरीके से इतना रोजगार नहीं दिया है। आने वाले वर्षों में हम 50,000 और नियुक्ति पत्र देंगे। इसके लिए सरकार ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। असम में युवाओं को रोजगार देने के लिए बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है। सात अगस्त को डेरगांव में एक कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा था कि राज्य में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी मिली और भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा। पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार में बड़ी शैक्षिक और गुणात्मक पीढ़ी सरकारी नौकरी से वंचित थी। मैनें 2001-2004 तक विश्लेषण के बाद पाया कि असम पुलिस में 30-35 फीसदी भर्तियां समुदाय विशेष से की जाती हैं।

केरल हाईकोर्ट का आदेश- एक सप्ताह में जारी करें हेमा समिति की रिपोर्ट

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट जारी करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने राज्य सूचना आयोग को एक सप्ताह में रिपोर्ट जारी करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश वी जी अरुण ने राज्य सूचना आयोग के आदेश के खिलाफ दायर याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता साजिमोन पारयिल पीड़ित पक्ष नहीं है।

केरल राज्य सूचना आयोग ने न्यायमूर्ति के हेमा समिति की रिपोर्ट जारी करने का आदेश दिया था। इसमें मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के सामने आने वाले मुद्दों का अध्ययन किया गया था। राज्य सूचना आयुक्त ए अब्दुल हकीम ने राज्य लोक सूचना अधिकारी (एसपीआईओ) को यह सुनिश्चित करते हुए सूचना का उचित प्रसार करने का निर्देश दिया कि यह व्यक्तियों की गोपनीयता से समझौता नहीं करता है। सूचना आयुक्त ने एसपीआईओ को पृष्ठ 49 पर मौजूद अनुच्छेद 96 और पृष्ठ 81 से 100 तक अनुच्छेद 165 से 196 के

विवरण का खुलासा नहीं करने के लिए कहा था। इसे लेकर फिल्म निमार्ता साजिमोन पारायिल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट ने 24 जुलाई को रिपोर्ट को 31 जुलाई तक जारी करने पर रोक लगा दी थी। इस आदेश को आखिरी बार छह अगस्त को बढ़ाया गया था।

रिपोर्ट में हो सकती है संवेदनशील जानकारी...मलयालम सिनेमा में यौन उत्पीड़न और लैंगिक असमानता के मुद्दों का अध्ययन करने के लिए अभिनेता दिलीप से जुड़े साल 2017 के अभिनेत्री उत्पीड़न मामले के बाद जस्टिस के हेमा समिति का गठन किया गया था। भले ही रिपोर्ट 2019 में दर्ज की गई थी, लेकिन सरकार ने अभी तक विवरण जारी नहीं किया है क्योंकि इसमें संवेदनशील जानकारी होने का संदेह था।

विदेश सचिव मिस्री ने नेपाली समकक्ष से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग पर चर्चा

काठमांडू। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को अपनी नेपाली समकक्ष सेवा लामसाल के साथ व्यापक चर्चा की। दोनों शीर्ष राजनयिकों ने विभिन्न द्विपक्षीय पहलों और विकास परियोजनाओं में हुई प्रगति की समीक्षा की और आगे के सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली के नेतृत्व में पिछले महीने नई सरकार के गठन के बाद भारतीय विदेश सचिव का यह पहला नेपाल दौरा है।

द्विपक्षीय पहलों में प्रगति की समीक्षा की गई: विदेश मंत्रालय...विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा, "उनकी व्यापक चर्चा में भारत और नेपाल के बीच बहुआयामी सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। बयान में कहा गया, दोनों विदेश सचिवों ने विभिन्न द्विपक्षीय पहलों और विकास परियोजनाओं में हुई प्रगति की समीक्षा की और आगे के सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।

शीर्ष राजनयिकों की मुलाकात पर नेपाल ने क्या कहा...वहीं, नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा, दोनों पक्ष द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने और साझा चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेपाली विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों पक्षों ने नेपाल और भारत संबंधों के पहलुओं की समीक्षा की, जिसमें उर्जा और बिजली क्षेत्र, भौतिक और डिजिटल संपर्क, कृषि, पर्यटन, व्यापार और पारगमन और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्रों में सहयोग शामिल है। इसमें कहा गया है कि दोनों विदेश सचिवों ने नियमित द्विपक्षीय तंत्र सहित दोनों पक्षों पक्षों के बीच आगे संपर्क जारी रखने पर सहमति जताई।

विदेश सचिव ने दो उप प्रधानमंत्रियों से भी मुलाकात की...इससे पहले मिस्री ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, उप प्रधानमंत्री और शहरी विकास मंत्री प्रकाश सिंह मान, उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री विष्णु प्रसाद पौडेल, गृह मंत्री रमेश लेखक और विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आपसी लाभ के विभिन्न क्षेत्रों में भारत-नेपाल सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई।

कर्नाटक के वन मंत्री पर केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी का हमला, बोले- एचएमटी से क्यों वापस चाहिए जमीन

बंगलूरू। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी ने हिंदुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) लिमिटेड से 281 एकड़ जमीन वापस लेने के लिए निर्देश जारी करने पर कर्नाटक वन मंत्री ईश्वर खंड्रे पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस उपक्रम ने 90 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ लंबे समय तक घड़ी बाजार पर राज किया, उससे वह वन भूमि के नाम पर जमीन वापस क्यों लेना चाहते हैं? जबकि वह बंद होने के कगार पर है। उन्होंने कहा कि वे अपनी संकीर्ण विचारधारा को त्यागें और बंगलूरू के गौरव को दोबारा जीवन देने के लिए उनके साथ मिलकर काम करें।

दरअसल कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने नौ अगस्त को वन विभाग को निर्देश दिए थे कि बंगलूरू के पीन्या-जलाहल्ली में सर्वेक्षण संख्या 1 में 599 एकड़ भूमि वन भूमि थी। इस भूमि पर हिंदुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) लिमिटेड स्थापित है। उन्होंने कहा कि यह भूमि एचएमटी को उपहार में दी गई थी, ऐसा कोई दस्तावेज नहीं है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत इस भूमि में से खाली पड़ी 281 एकड़ भूमि को एचएमटी से वापस ले लिया जाए। खंड्रे के निर्देश कुमारस्वामी के एचएमटी लिमिटेड का दौरा करने और अधिकारियों के साथ बैठक करने के कुछ दिन बाद जारी हुए।

इसे लेकर केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने वन मंत्री से सवाल किया कि क्या सार्वजनिक उपक्रम की दयनीय स्थिति उनकी आंखों में आसूं नहीं लाती? क्या आपको

कर्नाटक पर गर्व नहीं है? ऐसे संयंत्रों को बंद करने के लिए ही क्या वे सत्ता में आए हैं? इस संकीर्ण विचारधारा को छोड़ें और कर्नाटक के विकास के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि एचएमटी को 1958-59 और 1968-70 में भूमि अधिग्रहण के बाद स्थापित किया गया था। इस संयंत्र का पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री औ इंदिरा गांधी ने भी दौरा किया था। 1970 में एचएमटी ने 270 करोड़ रुपये लाभ भी कमाया और हैदराबाद, उत्तराखंड, अजमेर और केरल में अपनी इकाइयां स्थापित कीं। इसके बाद टाटा अपने टाइटन ब्रांड के साथ आए और एचएमटी से 350 इंजीनियरों को अपनी इकाई में ले गए। इससे केंद्रीय पीएसयू का पतन हो गया।

कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य के वन मंत्री इतने वर्षों तक चुप क्यों थे? उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसे निर्देश देकर भूमि वापस ली जा सकती है? उन्होंने कहा कि देश में 40 सीपीएसयू हैं। इनमें से 27 बंद हो चुके हैं और अन्य बंद होने के कगार पर हैं। इन सार्वजनिक उपक्रमों को नया जीवन देने के लिए वह कड़ा संघर्ष कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वह इस सार्वजनिक उपक्रमों को पुर्नजीवित करने के लिए मना लेंगे। जब मैं इतना संघर्ष कर रहा हूं तो वह जमीन वापस लेने के निर्देश देकर क्या हासिल करना चाहते हैं? आपने जल्दबाजी में खाली जमीन का अधिग्रहण करने का आदेश दिया है। आप यह जमीन किसे देना चाहते हैं?

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि एचएमटी ने भूमि के लिए भुगतान किया है। 1960 में मुख्य वन संरक्षक ने भी इस पर निर्देश जारी किए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी ने कुछ भी मुफ्त में नहीं लिया है। हर चीज का भुगतान किया गया। उन्होंने मैसूर के महाराजा द्वारा एचएमटी को दान में दी गई भूमि को लेकर जारी की गई अधिसूचना भी दिखाई।

उन्होंने कहा कि अगर यह वन भूमि है तो एचएमटी लिमिटेड से संपत्ति कर कैसे एकत्र किया जाता है? उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ नाराजगी के कारण राज्य को बर्बाद मत करो। मैं विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट को बेहतर बनाने का भी प्रयास कर रहा हूं। हमारा सहयोग करें। यह लूट अब बहुत हो गई।

कुर्स्क में कई बस्तियों पर यूक्रेन का कब्जा, पुतिन ने कहा- हर हाल में जीतेगी रूस की सेना

मॉस्को रूस और यूक्रेन के बीच तनातनी जारी है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन की सेना ने कुर्स्क क्षेत्र में घुसपैठ की है। इस वजह से एक लाख से अधिक लोगों को वहां से भागना पड़ा है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन की इस हरकत की वजह से रूस को शर्मसार होना पड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि यह, डोनबास क्षेत्र में रूस के हमले को रोकने की यूक्रेन की कोशिश है। रूसी सुरक्षा

बलों द्वारा बीते एक सप्ताह से यूक्रेन के हमलों का जवाब दिया जा रहा है। इस बीच पुतिन ने इस बात पर जोर दिया है कि रूस की सेना हर हाल में जीत हासिल करेगी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने स्वीकारी सैन्य अभियान की बात...इस बीच, यूक्रेन के सैन्य कमांडर का कहना है कि उनकी सेना ने रूस के 1,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी पहली बार इस बात को स्वीकार किया है कि उनकी सेना ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में अभियान छेड़ा है।

पुतिन ने सेना के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की...राष्ट्रपति पुतिन ने इस बीच सेना और सुरक्षा से जुड़े उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान पुतिन ने कहा कि भविष्य में होने वाली शांति वाताओं और युद्धविराम वाताओं से पहले यूक्रेन एक बेहतर बातचीत की स्थिति हासिल करने की कोशिश कर रहा है। पुतिन ने तर्क दिया कि यूक्रेन भले ही इस हमले से रूस में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहा हो लेकिन, वह अपने लक्ष्य को हासिल नही कर सकता।

संक्षिप्त खबरें

नए जल प्रौद्योगिकी केंद्र के लिए भारत-इस्राइल ने हाथ मिलाया

नई दिल्ली। भारत और इजराइल ने आईआईटी-मद्रास में एक नए जल प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना के लिए हाथ मिलाया है। इस साझेदारी से सतत जल आपूर्ति प्राप्त करने के भारत के प्रयासों में मदद मिलने की उम्मीद है।

भारत में इस्राइल के दूतावास ने अपने बयान में इस सौदे को एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच चल रहे सहयोग में एक "महत्वपूर्ण मील का पत्थर" बताया।

प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (आईआईटी मद्रास) में जल प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। बयान में बताया गया, "इजराइल के दूतावास, आईआईटी मद्रास और आवास व शहरी मामलों के मंत्रालय के अमृत मिशन की ओर से हस्ताक्षरित यह त्रिपक्षीय समझौता भारत में जल प्रबंधन की महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

ईडी ने सोशल मीडिया पर दिए ये अपडेट्स

ईडी ने मंगलवार को बताया कि अहमदाबाद की प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश, अहमदाबाद (ग्रामीण) और नामित विशेष न्यायालय (पीएमएलए) ने आज यानी 13.08.2024 को राज्यसभा सांसद साकेत गोखले के खिलाफ आपराधिक आरोप तय किए हैं। इसके साथ ही अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं के खिलाफ पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी की ओर से दायर अभियोजन शिकायत में उनके खिलाफ पुलिस मामले में भी अनुसूचित अपराध के लिए आरोप तय किए गए हैं।

भारतीय मूल के सीईओ लक्ष्मण नरसिम्हन की स्टारबक्स से साल भर बाद ही विदाई, कंपनी ने दी यह जानकारी

नई दिल्ली कमजोर मांग और असंतुष्ट निवेशकों से जूझ रही स्टारबक्स ने मंगलवार को बताया कि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मण नरसिम्हन एक साल से अधिक समय तक नौकरी में रहने के बाद पद छोड़ रहे हैं।

समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के सिएटल स्थित कॉफी दिग्गज स्टारबक्स ने बताया है कि चिपोटल के अध्यक्ष और सीईओ ब्रायन निकोल 9 सितंबर को स्टारबक्स के अध्यक्ष और सीईओ का पद संभालेंगे। इस एलान के बाद मंगलवार को बाजार खुलने से पहले स्टारबक्स के शेयरों में 13% से अधिक का उछाल दिखा।

नरसिम्हन, जो लंबे समय तक पेप्सिको के सीईओ रहे और ब्रिटेन स्थित उपभोक्ता स्वास्थ्य कंपनी रेकिट के सीईओ के रूप में भी काम किया है, ने मार्च 2023 में स्टारबक्स सीईओ बने थे। उन्होंने लंबे समय तक स्टारबक्स के सीईओ रहे और अध्यक्ष एमेरिटस हॉवर्ड शुल्त्स का स्थान लिया था। कंपनी के अंतरिम सीईओ के रूप में सेवा करने के लिए उन्होंने 2022 में अपनी सेवानिवृत्ति को विराम दिया था।

नरसिम्हन पर से निवेशकों का भरोसा जल्दी उठ गया क्योंकि बीते कुछ समय में कंपनी की बिक्री से जुड़े आंकड़े लगातार कमजोर हुए। इसके अलावे कंपनी को कई और चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। जिनमें चीन में कम लागत वाले प्रतियोगियों से प्रतिस्पर्धा और इस्राइल को किए गए कथित समर्थन के कारण मध्य पूर्व और अन्य जगहों पर कंपनी का बहिष्कार आदि शामिल है।

Electric Vehicle निमार्ता ने अनुसंधान एवं विकास सुविधा शुरू की

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन निमार्ता यूलर मोटर्स ने मंगलवार को हरियाणा के पलवल में अपनी विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास सुविधा का अनावरण किया, जिसे बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 100 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया गया है। कंपनी ने कहा कि 5 लाख वर्ग फीट में फैले इस प्लांट में प्रति वर्ष 36,000 वाहन बनाने की क्षमता है और यह यूलर मोटर्स के राष्ट्रीय विनिर्माण केंद्र के रूप में काम करेगा, जो अपने तिपहिया वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। यूलर मोटर्स ने कहा कि वह वित्त वर्ष 25 तक 26 शहरों से 40 शहरों तक अपने विस्तार की योजना बना रहा है। यूलर मोटर्स में आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण के प्रमुख गौरव कुमार ने कहा, "हमारी नई फैक्ट्री वाणिज्यिक 3-पहिया ईवी के विनिर्माण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करती है। यह सुविधा हमारी उत्पादन क्षमता को बढ़ाएगी और हमें स्थानीय रूप से निर्मित वाहन देने में मदद करेगी जो हमारे ग्राहकों और उद्योग की बढ़ती जरूरतों को पूरा करते हैं।" कंपनी ने कहा कि नए प्लांट में एक स्वचालित असेंबली लाइन है जो एक मालिकाना विनिर्माण निष्पादन प्रणाली (एमईएस) के माध्यम से जुड़ी हुई है, जो उत्पादन से लेकर डिलीवरी तक वाहन के जीवनचक्र को ट्रैक करके उत्पादन क्षमता को बढ़ाती है। कंपनी ने कहा कि संयंत्र में एक समर्पित शिक्षण और विकास केंद्र कार्यबल को सही कौशल से लैस करेगा और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करेगा। कंपनी ने कहा कि वर्तमान में इसमें 500 से अधिक लोग कार्यरत हैं और उनमें से 20 प्रतिशत महिलाएं हैं। यूलर मोटर्स के संस्थापक और सीईओ सौरव कुमार ने कहा, "भारत मेंमोबिलिटी सेगमेंट में चल रहे परिवर्तन को केवल मजबूत स्थानीय उत्पादन और स्थानीय नवाचार के साथ ही पूरी तरह से साकार किया जा सकता है।" उन्होंने आगे कहा कि पलवल, जिसके आसपास के क्षेत्र में एक मजबूत आपूर्तिकर्ता नेटवर्क है, कंपनी के विकास के लिए आदर्श स्थान है। उन्होंने कहा, "जैसा कि हम नए बाजारों में विस्तार कर रहे हैं और वित्त वर्ष 25 में 15 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं, यह सुविधा हमें ग्राहकों की बढ़ती मांग का जवाब देने और प्रक्रियाओं और उत्पादों में बदलावों को चपलता और लचीलेपन के साथ अपनाने में मदद करेगी।"

NCPA की नीलामी में होमी भाभा की दुर्लभ कलाकृतियाँ नीलाम होंगी

नई दिल्ली। 14 कैरेट सोने की निब वाला शेफर पेन, एक लैंडस्केप पेंटिंग और तीन कल्चर्ड पर्ल शर्ट बटन का सेट, जो भाभा परिवार को उनके माता-पिता ने उपहार में दिया था, उन दुर्लभ वस्तुओं में से हैं, जो मुंबई में होने वाली एक आगामी नीलामी में नीलाम होंगी, नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) ने सोमवार को घोषणा की।कला नीलामी, द्वारा इवनिंग विद द मेस्ट्रो, 17 अगस्त को जमशेद भाभा थिएटर में प्रसिद्ध कंडक्टर जुबिन मेहता के संगीत कार्यक्रम के तुरंत बाद आयोजित की जाएगी।कभी डॉ. होमी भाभा के स्वामित्व में रहा यह खूबसूरत शेफर पेन एक आकर्षक डिजाइन और एक चिकनी लीवर-फि लिंग प्रणाली से सुसज्जित है। 1924 में शुरू की गई टोपी पर प्रतिष्ठित बिंदु कालातीत परिष्कार का स्पर्श जोड़ता है। पेन की बोली 50,000 रुपये से शुरू होगी।होमी भाभा द्वारा 1928 में बनाई गई एक लैंडस्केप पेंटिंग, जो कला और विज्ञान के प्रति उनके दोहरे जुनून को दर्शाती है, 5,00,000 रुपये की शुरुआती बोली से खुलेगी।

नीलाम की जाने वाली उनकी एक और कलाकृति मिश्रित मीडिया नग्न अध्ययन है, जिसे 1920 के दशक के अंत में भाभा के कैम्ब्रिज में रहने के दौरान बनाया गया था, जो उनकी असाधारण ड्राफ्ट्समैनशिप और कलात्मक प्रशिक्षण को दर्शाता है। इस कलाकृति की नीलामी 1,00,000 रुपये से शुरू होगी।डॉ. भाभा के माता-पिता द्वारा 1936 में लिखे गए एक हार्दिक नोट के साथ तीन सुसंस्कृत मोती शर्ट बटन का एक सेट एक प्रिय स्मृति चिन्ह है, जो एक व्यक्तिगत स्पर्श रखता है। बटनों के सेट की बोली 1,00,000 रुपये से शुरू होगी।2004 में जारी और जेआरडी टाटा द्वारा हस्ताक्षरित एक सीमित संस्करण टाइटन एज घड़ी 1,00,000 रुपये की शुरुआती बोली में नीलाम होगी। यह घड़ी टाटा की जन्म शताब्दी के अवसर पर डॉ. जमशेद जे. भाभा को भेंट की गई थी।

आपात स्थिति में एनबीएफसी से 3 महीने के अंदर निकाल सकते हैं पूरा FD, RBI ने कहा- नहीं मिलेगा कोई ब्याज

नई दिल्ली। एनबीएफसी में पैसा जमा करने वालों को बड़ी राहत मिली है। अगर जमाकर्ता किसी आपात स्थिति में रकम की निकासी चाहता है तो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां यानी एनबीएफसी फंड स्वीकार करने के पहले तीन महीनों के भीतर जमा राशि का 100 प्रतिशत भुगतान करेंगी। आरबीआई ने कहा, इस तरह की समयपूर्व निकासी के लिए ग्राहक को कोई ब्याज नहीं मिलेगा। यह नियम एक जनवरी, 2025 से लागू होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने सोमवार को कहा, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडाई) द्वारा निर्धारित गंभीर बीमारी की परिभाषा यह तय करेगी कि ग्राहक की मांग इस श्रेणी के तहत योग्य है या नहीं। आपात स्थितियों के खर्चों में चिकित्सा या प्राकृतिक आपदाओं या सरकार द्वारा अधिसूचित आपदा जैसे खर्च शामिल होंगे।

यदि कोई आपात स्थिति नहीं है फिर भी तीन महीने के भीतर पैसा निकाला जाता है तो एनबीएफसी बिना किसी ब्याज के जमा राशि का 50 प्रतिशत तक भुगतान कर सकती हैं। हालांकि, जमा की मूल राशि का 50 प्रतिशत से अधिक या 5 लाख रुपये, जो भी कम हो, समय से पहले भुगतान नहीं किया जा सकता है। आरबीआई ने एनबीएफसी को जमाकर्ताओं को परिपक्वता के बारे में 14 दिन पहले सूचित करने के लिए भी कहा है। वर्तमान नियमों के अनुसार यह अवधि दो महीने की है।

'भारत 2047 तक 55 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है'...भारत 2047 तक 55 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके लिए केंद्र और राज्यों को जरूरी नीतियां लागू कर वृद्धि दर को 8 फीसदी तक ले जाना होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वी सुब्रमण्यन ने सोमवार को कहा, यह लक्ष्य दुस्साहसी लग सकता है, लेकिन चक्रवृद्धि की शक्ति के जरिये इसे हासिल करना संभव है।

सुब्रमण्यन ने अपनी पुस्तक इंडिया ऐट 100@ के अनावरण पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, देश का निजी कर्ज एवं जीडीपी अनुपात 2020 में 58 फीसदी था। यह उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से करीब छह दशक पीछे है और ये देश अब 200 फीसदी पर हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री जन-धन जैसी योजनाओं के जरिये वित्तीय समावेशन के मामले में अभूतपूर्व काम किया जा रहा है।

भाजपा नेताओं ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट को साजिश बताया

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को भाजपा नेताओं ने साजिश करार दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि यह देश को आर्थिक अराजकता की ओर ले जाने की साजिश है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, "मोदी विरोधी जॉर्ज सोरोस ने हिंडनबर्ग में निवेश किया है... मैं कहना चाहूंगा कि राहुल गांधी जी, भारत को आर्थिक अराजकता के रास्ते पर न ले जाएं।

वहीं, दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता नलिन कोहली ने भी हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद इस पूरे प्रकरण की जेपीसी जांच कराने कराने की मांग उठाने के लिए कांग्रेस पर निशान साधा है। कोहली ने कहा, "कांग्रेस पार्टी बार-बार भारतीय लोकतंत्र के कामकाज, भारतीय लोकतंत्र के विघटन, विदेशी ताकतों की ओर से अपने निहित स्वार्थों के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था पर हमलों के साथ खड़ी दिखती है। हिंडनबर्ग के मामले में पहला आरोप जब यह आया, तो यह सुप्रीम कोर्ट में गया वहां कुछ भी नहीं मिला था। एक दूसरा मामला सामने आया और इसके तुरंत बाद राहुल गांधी और कांग्रेस इस मामले में कूद पड़ते हैं और जेपीसी की मांग शुरू कर देते हैं। राफेल मुद्दे पर भी उन्होंने ऐसा ही किया।

इसलिए, कहीं न कहीं, कांग्रेस पार्टी और इसके नेतृत्व को अब यह विचार करना होगा कि क्या वे भारत के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्वार्थी ताकतों के हाथों का मोहरा बन रहे हैं? क्या वे अपनी राजनीति के लिए संस्थागत लोकतंत्र को बाधित कर रहे हैं।

मंगलवार को कमजोर पड़ा शेयर बाजार सेंसेक्स 692 अंक टूटकर बंद हुआ

नई दिल्ली घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे करोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को सेंसेक्स 692.89 (0.86%) अंकों की गिरावट के साथ 78,956.03 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 208.00 (0.85%) अंक फिसलकर 24,139.00 अंकों पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 3% जबकि एसबीआई और टाटा स्टील के शेयरों में दो-दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4.45 लाख करोड़ रुपये घटा...सेंसेक्स के शेयरों में एचडीएफसी बैंक ने अकेले ही बाजार में 378 अंकों की गिरावट का योगदान दिया। एसबीआई, आईटीसी, टाटा मोटर्स और बजाज फाइनेंस के शेयर भी लाल निशान पर बंद हुए। इस बीच, बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 4.45 लाख करोड़ घटकर 445.37 लाख करोड़ रुपये रह गया।

एचडीएफसी बैंक में 3.4% की गिरावट दर्ज की गई...भारत के शीर्ष निजी ऋणदाता और निफ्टी 50 में सबसे अधिक हिस्सेदारी वाले स्टॉक एचडीएफसी बैंक में मंगलवार को 3.4% की गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक सूचकांक प्रदाता एमएससीआई ने विदेशी निवेशकों के लिए खरीद के लिए उपलब्ध एचडीएफसी बैंक के शेयरों का अनुपात बढ़ाया है, लेकिन साथ ही कहा है कि ये बदलाव अगस्त और नवंबर में दो चरणों में लागू होंगे। इसके बाद बैंक के शेयरों में बिकवाली दिखी।

एचडीएफसी बैंक में कमजोरी से निफ्टी फाइनेंशियल और निफ्टी बैंक भी क्रमशः 1.9% और 1.5% तक टूट गए। मेटल, रियल्टी और ऑयल एंड गैस भी 1% तक गिरकर बंद हुए। इसी हफ्ते जुलाई के लिए अमेरिकी उत्पादक मूल्य से जुड़े आंकड़े जारी होने हैं।

जुलाई के लिए अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जुड़े आंकड़े भी बुधवार को आने हैं। बाजार में निवेशकों की नजर इन आंकड़ों पर टिकी हुई है। यही आंकड़े आने वाले समय में बाजार में निवेशकों का रुझान तय करेंगे।

सेबी प्रमुख को हटाने की मांग करते हुए कांग्रेस करेगी आंदोलन, केसी वेणुगोपाल ने किया एलान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद सेबी प्रमुख को हटाने की मांग करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन करने का एलान किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, "22 अगस्त को पूरे देश में राष्ट्रीय स्तर का बड़ा आंदोलन होगा। हम सेबी अध्यक्ष को उस पद से हटाने की मांग करते हुए प्रत्येक राज्य की राजधानी में प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय का घेराव करेंगे।

उन्होंने कहा, "आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों और पीसीसी अध्यक्षों की बैठक हुई। हमने देश में इस वक्त हो रहे सबसे बड़े घोटालों में से एक-हिंडनबर्ग के खुलासे, अदाणी और सेबी से जुड़े घोटाले के बारे में चर्चा की। कांग्रेस नेता ने कहा, "हमने सर्वसम्मति से दो चीजों की मांग करते हुए इस मुद्दे पर देशव्यापी आंदोलन करने का फैसला किया। एक तो अदाणी मेगा घोटाले पर जेपीसी जांच, जिसमें प्रधानमंत्री पूरी तरह से शामिल हैं और जिसमें वित्तीय बाजार विनियमन के साथ अब गंभीर समझौता किया गया है।"

वेणुगोपाल बोले- हमने सरकार से जातिगत जनगणना की मांग को फिर से दोहराया है...अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने भारत सरकार से बिना किसी देरी के राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। हमने पहले ही वायनाड आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। हमने उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों के अन्य हिस्सों में हुई प्राकृतिक आपदाओं पर चर्चा की। बांग्लादेश मुद्दे के संबंध में भारत सरकार की ओर से धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों पर लक्षित हमलों को रोकने और उन्हें सुरक्षा, सम्मान और सद्भाव का जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए सभी संभव कदम उठाने के लिए एक बैठक बुलाई गई थी। हमें उम्मीद है कि सरकार इसे लेकर जरूरी और प्रभावी कदम उठाएगी।

जीएसटी परिषद की बैठक, दरों को तर्कसंगत बनाने पर की जाएगी चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक नौ सितंबर को होगी। परिषद ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, ह्यजीएसटी परिषद की 54वीं बैठक नौ सितंबर 2024 को नई दिल्ली में होगी।

केंद्र तथा राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद, वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। यह कर जुलाई 2017 से शामिल कर रही है।

बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने, कर स्लैब को कम करने के अलावा जीएसटी के तहत उलटा शुल्क हटाने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

पिछली परिषद की बैठक 23 जून को हुई थी, जिसके बाद सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में बिहार के उपमुख्यमंत्री सुमंत चौधरी के नेतृत्व में दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) कार्य की स्थिति और समिति द्वारा ह्यकरव्रह्व किए गए पहलुओं तथा समिति के समक्ष लंबित कार्यों पर एक प्रस्तुति देगा।

SAFALTA Partner बनकर महीने लाखों कमाने का मौका, कैसे शुरू होगी आपकी अर्निंग

नई दिल्ली। Skill+Jobtech के क्षेत्र में प्रतिष्ठित ब्रांड SAFALTA अपना ब्रांड विस्तार कर रहा है। सफलता द्वारा फ्रेंचाइजी की निविदा जारी की गई है। ऐसे लोग जो एक सफल बिजनेस का हिस्सा बनकर लाखों रुपये महीने कमाने की सोच रखते हों सफलता के साथ जुड़ सकते हैं। सफलता फ्रेंचाइजी काउंसलर से आप इस नंबर 08851525025 पर कॉल कर अपनी शंकाओं का समाधान कर अपने क्षेत्र में फ्रेंचाइजी अपॉर्चुनिटी तलाश सकते हैं। या पर क्लिक करके रजिस्टर कर सकते हैं। हमारे काउंसलर जल्द ही आपसे संपर्क करेंगे। सफलता तेजी से बढ़ता एक स्किल और जॉब टेक ब्रांड है जो देश के युवाओं को डिजिटल स्किल सिखाकर उन्हें कुछ ही हफ्तों में जॉब रेडी बना रहा है। क्योंकि डिग्री हासिल करने वाले 49 प्रतिशत युवा आज बेरोजगार हैं। और देश की कुल जनसंख्या के 65 प्रतिशत आबादी युवाओं की है। ऐसे युवाओं को आज के जमाने की डिजिटल स्किल सीखने की जरूरत है। ताकि वह बेहतर सैलरी वाली जॉब हासिल कर सकें। सफलता ने अब तक पूरे देश में 15 से अधिक फ्रेंचाइजी ओपन की हैं। अगर आपके पास भी 700*800 स्क्वायर फीट जगह है। 4-5 कर्मचारी हैं तो आप भी 5 लाख रुपये की फ्रेंचाइजी फीस देकर आज ही सफलता की फ्रेंचाइजी ले सकते हैं।

'क्या कहते हैं Safalta.com के सीईओ'... सफलता डॉट कॉम के सीईओ हिमांशु गौतम का कहना है कि वह देश के अंदर अनस्किल्ड युवाओं को स्किल्ड करने के अभियान पर हैं। सफलता अब तक 10 हजार से अधिक युवाओं को डिजिटली स्किल्ड कर चुका है। वहीं सफलता डॉट कॉम के पास 18 लाख से अधिक युवाओं के रजिस्ट्रेशन्स आ चुके हैं। देश के कई हिस्सों में सफलता अपना विस्तार कर रहा है। हर महीने देश के किसी न किसी राज्य में सफलता की फ्रेंचाइजी खोली जा रही है। ऐसे बिजनेस माइंड जो ऐडटेक ब्रांड सफलता के साथ आना चाहते हैं उनका स्वागत है। अपने शहर में सफलता की फ्रेंचाइजी लेने के लिए आज ही हमारे फ्रेंचाइजी प्रमुख से इस नं. 08851525025 पर संपर्क कर अपनी बुकिंग करा सकते हैं।

वीरेंद्र सहवाग हैं सफलता के गुडविल एंबेस्डर...देश होम ग्राउंड्स और विदेशी धरती पर सैकड़ों मैचों में अपनी शानदार बैटिंग से जीत दिलाने वाले मुल्तान के सुल्तान और नजफगढ़ के तेंदुलकर जैसे नामों से प्रसिद्ध मशहूर क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग सफलता डॉट कॉम के गुडविल एंबेस्डर हैं। इसलिए आप निसंकोच होकर सफलता के साथ अपना बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

10 लाख से अधिक एप डाउनलोड्स...सफलता डॉट कॉम की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रजेंस बहुत शानदार है। इतना ही नहीं यह युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय है यही कारण है कि अब तक सफलता के 10 लाख से अधिक अढ्ढ डाउलोड हो चुके हैं। वहीं सफलता के अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स यूट्यूब, फेसबुक, लिंक्डइन और इंस्टाग्राम आदि पर लाखों फॉलोअर्स हैं। आपको बता दें कि सफलता अमर उजाला ग्रुप का इनीशिएटिव है।

भारत 55 लाख करोड़ USD की अर्थव्यवस्था बन सकता है

हैदराबाद। भारत 2047 तक 55 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके लिए केंद्र और राज्यों को जरूरी नीतियां लागू कर वृद्धि दर को 8 फीसदी तक ले जाना होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वी सुब्रमण्यन ने सोमवार को कहा, यह लक्ष्य दुस्साहसी लग सकता है, लेकिन चक्रवृद्धि की शक्ति के जरिये इसे हासिल करना संभव है। सुब्रमण्यन ने अपनी पुस्तक इंडिया ऐट 100 के अनावरण पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, देश का निजी कर्ज एवं जीडीपी अनुपात 2020 में 58 फीसदी था। यह उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से करीब छह दशक पीछे है और ये देश अब 200 फीसदी पर हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री जन-धन जैसी योजनाओं के जरिये वित्तीय समावेशन के मामले में अभूतपूर्व काम किया जा रहा है।

72 के नियम से हासिल होगा लक्ष्य...भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके सुब्रमण्यन ने कहा, मेरी धारणा ह्य72 के नियमह्व पर आधारित है। इसके मुताबिक, डॉलर के संदर्भ में 12 फीसदी की वृद्धि दर (आठ फीसदी जीडीपी वृद्धि और पांच फीसदी महंगाई को जोड़ने के बाद डॉलर के मुकाबले रुपये में एक फीसदी का ह्रास) होने पर जीडीपी हर छह साल में दोगुनी हो जाती है। सुब्रमण्यन ने कहा, 2023 से अगले 24 साल की अवधि में 3.25 लाख करोड़ डॉलर वाली अर्थव्यवस्था ह्यचार बार दोगुनी होगी। इससे यह 2047 तक 52 लाख करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगी।

जापान का उदाहरण...आईएमएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने जापान का उदाहरण देते हुए कहा, वहां की अर्थव्यवस्था वर्ष 1970 में 215 अरब डॉलर की थी, जो 25 साल में 25 गुना बढ़कर 1995 में 5.1 लाख करोड़ डॉलर हो गई। इस अवधि के दौरान जापान की प्रति व्यक्ति आय भी 2,100 डॉलर से बढ़कर 44,000 डॉलर पहुंच गई।

सोना 500 रुपये मजबूत हुआ चांदी के भाव स्थिर रहे

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार से मिले मजबूत संकेतों और घरेलू मांग में वृद्धि के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 500 रुपये बढ़कर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले सत्र में, यानी सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली कीमती धातु 72,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुई थी।

हालांकि, अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, मंगलवार को चांदी की कीमत 83,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी पिछले कारोबार कारोबारी सत्र में हुई क्लोजिंग के मुकाबले 500 रुपये बढ़कर 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। कारोबारियों ने सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय खुदरा खरीदारों के साथ-साथ आभूषण विक्रेताओं की बढ़ती मांग को दिया। विदेशी बाजार में सोना 1.30 डॉलर प्रति औंस की बढ़त के साथ 2,502.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। बाजार के जानकारों के अनुसार, मंगलवार को सोने के भाव में तेजी आई क्योंकि सुरक्षित परिसंपत्तियों की बढ़ती मांग ने कीमती धातु को तेजी को समर्थन देना जारी रखा।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, "निवेशकों के बीच इस बात की चिंता दिखी कि ईरान इस सप्ताह की शुरुआत में इस्राइल पर हमला कर सकता है। इससे सुरक्षित परिसंपत्ति के रूप में सोने के प्रीमियम में वृद्धि हुई। कोटक सिक्योरिटीज के एवीपी-कमोडिटी रिसर्च कायनात चैनवाला के अनुसार, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, यूएस ट्रेजरी यील्ड में गिरावट और 18 सितंबर की बैठक में यूएस फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण कॉमेक्स गोल्ड सोमवार को 1.2 प्रतिशत बढ़कर 2,504 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी कमजोर होकर 27.81 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार करती दिखी। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटी एंड करेंसी रिसर्च के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, अमेरिकी मुद्रास्फीति के महत्वपूर्ण आने से पहले निवेशकों की ओर से सावधानी बरते जाने के कारण सोने की कीमतों में मजबूती दिखी। इसी आधार पर अगले महीने की शुरुआत में फेड की नीतिगत बैठक का माहौल भी तैयार हो सकता है।

इसके अलावा, रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष बढ़ने से भी बुलियन के भाव को मजबूती मिली। एंजेल वन में गैर-कृषि कमोडिटीज और करेंसी सेगमेंट के डीवीपी-रिसर्च प्रथमेश माल्या के अनुसार, व्यापारी आगामी अमेरिकी उत्पादक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जुड़े आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। ये आंकड़े आगामी फेड की बैठक में होने वाले निर्णयों को बहुत हद तक प्रभावित कर सकते हैं।

बोइंग ने भारतीय नौसेना के पी-8आई विमानों के रखरखाव के लिए एआईईएसएल से साझेदारी की

नई दिल्ली। अमेरिकी एयरोस्पेस दिग्गज बोइंग ने भारतीय नौसेना के 12 पी-8आई समुद्री निगरानी विमानों के बेड़े को ओवरहाल सेवाएं प्रदान करने के लिए भारत की एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड के साथ साझेदारी की है।

बोइंग इंडिया ने मंगलवार को कहा, "साझेदारी के हिस्से के रूप में, पी-8आई विमान के पहले लैंडिंग गियर ओवरहाल को हाल ही में तमिलनाडु में नौसैनिक बेस आईएनएस राजाली में पूरा किया गया। बोइंग ने एक बयान में कहा, विमानों के रखरखाव के मामले में भारत में पहली बार इस तरह का कार्य किया जा रहा है। यह जटिल रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सेवाओं के मामले में भारत की स्वदेशी क्षमताओं में वृद्धि को दर्शाता है। बोइंग पी-8आई, एक बहु-भूमिका लंबी दूरी की समुद्री टोही पनडुब्बी रोधी युद्धक (एलआरएमआर एएसडब्ल्यू) विमान है। बोइंग इंडिया और साउथ एशिया के अध्यक्ष सलिल गुप्ते ने कहा, एआईईएसएल (एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड) के साथ इस साझेदारी के जरिए, हम भारत की एमआरओ क्षमताओं में रणनीतिक निवेश करना जारी रख रहे हैं। ये सेवाएं भारतीय नौसेना के लिए मिशन तत्परता दरों को बढ़ाने में मदद करेंगी।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने`लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्धि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्धि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिखाइ देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

सड़क एवं मार्ग
फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
पौधों को लगाने का स्थल
फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्‌टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।

प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।

पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।

जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।

पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्‌टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे-कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्‌टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

ग्वालियर को 14 साल बाद इंटरनेशनल मैच की मेजबानी

बांग्लादेश के खिलाफ पहला टी-20 मैच होगा यहां, बीसीसीआई ने होम सीजन मे किया बदलाव

मुंबई, एजेंसी।

बीसीसीआई ने 2024-25 के होम कैलेंडर में बदलाव किया है। बोर्ड ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इससे पहले 20 जून 2024 को भारतीय टीम का होम कैलेंडर जारी किया गया था।

नए शेड्यूल के अनुसार, ग्वालियर को भारत-बांग्लादेश सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले की मेजबानी दी गई है। यह

मुकाबला नवनिर्मित माधव राव सिंधिया स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले यह मैच धर्मशाला में खेला जाना था, लेकिन धर्मशाला में ड्रेसिंग रूम रेनोवेशन के कारण मैच शिफ्ट किया गया है। ग्वालियर में 14 साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इससे पहले 2010 में खेले गए वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ करियर का पहला दोहरा शतक जमाया था।

क्यों बदला गया शेड्यूल?

धर्मशाला के स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम का रेनोवेशन चल रहा है। ऐसे में धर्मशाला का मैच ग्वालियर शिफ्ट किया गया है, जबकि दूसरा बदलाव कोलकाता पुलिस के कहने पर किया गया है, क्योंकि कोलकाता पुलिस और बंगाल एसोसिएशन ने गणतंत्र दिवस के कारण मुकाबला दूसरे वेन्यू पर कराने के लिए कहा था।

दो मैचों के शेड्यूल में हुआ बदलाव

- **बांग्लादेश के खिलाफ धर्मशाला में होने वाला पहला टी-20 मैच अब ग्वालियर में 6 अक्टूबर को खेला जाएगा।**
- **इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में होने वाला दूसरा टी-20 मैच अब चेन्नई में 22 जनवरी 2025 को खेला जाएगा।**

टोक्यो पैरालंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद पर लगा 18 महीने का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी।

पेरिस पैरालंपिक गेम्स 2024 से पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने के चलते 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने यह जानकारी दी। निलंबन के चलते भगत पेरिस पैरालंपिक में शामिल नहीं हो पाएंगे। भगत ने टोक्यो पैरालंपिक (2020) में पुरुष एकल एसएल3 क्लास के फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

पैरालंपिक से पहले भारत को झटका

इस वजह से लगा बैन: प्रमोद भगत ने बीते 12 महीनों में तीन मौके पर अपना ठिकाना नहीं बताया था। ऐसे में उन पर बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक नियम 'व्हेयरअबाउट (ठिकाने का पता) के उल्लंघन का आरोप है। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, बैडमिंटन विश्व महासंघ इसकी पुष्टि करता है कि भारत के टोक्यो 2020 पैरालम्पिक चैम्पियन प्रमोद भगत को 18 महीने के लिए निलंबित किया गया है और वह पेरिस पैरालम्पिक नहीं खेलेंगे। इसमें कहा गया, एक मार्च 2024 को खेल पंचाट (सीएएस) डोपिंग निरोधक प्रभाग ने भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक नियम के उल्लंघन का दोषी पाया।

वह एक साल में तीन बार अपना ठिकाना बताने में नाकाम रहे थे। 36 साल के एसएल3 खिलाड़ी भगत ने सीएएस के अपील विभाग में इस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जो पिछले महीने खारिज हो गई।

28 अगस्त से होने हैं पैरालंपिक गेम्स

बयान में कहा गया, 29 जुलाई 2024 को सीएएस के अपील विभाग ने भगत की अपील खारिज कर दी और सीएएस के डोपिंग निरोधक प्रभाग के एक मार्च 2024 के फैसले की पुष्टि की। उनका निलंबन अब प्रभावी है। यह निलंबन एक सितंबर 2025 तक लागू रहेगा। पेरिस पैरालंपिक गेम्स 28 अगस्त से लेकर 28 सितंबर तक होने हैं। प्रमोद भगत का जन्म 4 जून 1988 को बिहार के हाजीपुर में हुआ था। हालांकि बाद में प्रमोद ओडिशा में आकर बस गए। भगत को चार साल की उम्र में पोलियो हो गया था और अपने पड़ोसी को खेलते हुए देखकर ही वह इस खेल में आए थे। शुरू में उन्होंने सक्षम खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा की थी।

100 ग्राम ओवरवेट होने के कारण पेरिस ओलंपिक में हुई थीं अयोग्य

विनेश फोगाट के सिल्वर मेडल पर फैसला फिर टला, कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स ने अब 16 अगस्त की दी तारीख

पेरिस, एजेंसी।

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट के सिल्वर मेडल पर फैसला एक बार फिर टाल दिया गया है। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने मंगलवार, 13 अगस्त को नई तारीख दी। कहा- फैसला अब 16 अगस्त को रात 9.30 बजे सुनाया जाएगा। इससे पहले 10 अगस्त को सीएएस ने फैसला टाल दिया था। कोर्ट ने 9 अगस्त को 3 घंटे तक इस मामले की सुनवाई की थी। इस दौरान विनेश भी वर्चुअली मौजूद रहीं।

भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से सीनियर वकील हरीश साल्वे ने विनेश का पक्ष रखा। फाइनल मैच से पहले विनेश को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के चलते अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जबकि शुरुआती दौर से पहले किए गए वजन में विनेश 50 किग्रा वेट कैटेगरी की तय सीमा से कम थीं। ऐसे में विनेश ने जॉइंट सिल्वर मेडल की मांग की है। इस मामले पर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स ने कहा, हम

विनेश के केस में प्रक्रियाएं तेजी से कर रहे हैं, लेकिन उनकी अपील पर एक घंटे में फैसला देना संभव नहीं है। इस मामले में पहले यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का पक्ष सुना जाना जरूरी है। फैसला डॉक्टर एनाबेल बेनेट को करना है।

विनेश केस में रेपेचेज पर बड़ा सवाल

विनेश केस में रेपेचेज में जापान की पहलवान यूई सुसाकी के ब्रॉन्ज मेडल में हिस्सा लेने पर सवाल उठ रहे हैं। 50 किलो वेट की वर्ल्ड चैंपियन और ओलंपिक मेडलिस्ट यूई सुसाकी को प्रीक्वार्टरफाइनल में विनेश ने हराया था। विनेश को फाइनल से पहले 50 किलो वेट से 100 ग्राम ज्यादा होने पर उन्हें डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। विनेश की जगह फाइनल में उनसे सेमीफाइनल हारने वाली पहलवान क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन यूएसए की सारा हिल्डेब्रोट से भिड़ी थीं। ऐसे में यूडब्ल्यूडब्ल्यू की ओर से रेपेचेज में सुसाकी के खेलने की अनुमति दिए जाने पर सवाल उठ रहा है, क्योंकि जब विनेश डिसक्वालिफाई थीं और उन्हें फाइनल में नहीं खेलने दिया तो सुसाकी कैसे खेल सकती हैं। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के नियमों के तहत रेपेचेज में वही पहलवान ब्रॉन्ज मेडल के लिए भिड़ते हैं, जो फाइनलिस्ट से हारे होते हैं।

अपील के दूसरे दिन ले लिया कुश्ती से संन्यास

ओलंपिक फाइनल से पहले अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश ने कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी।

100 ग्राम ज्यादा वजन ने छीन लिया गोल्ड

6 अगस्त को विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक की महिला रेसलिंग के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई थी। रेसलिंग नियम के मुताबिक मैच की सुबह रेसलर का वजन मापा जाता है। विनेश का जब वजन मापा गया, तब वे अपनी कैटेगरी यानी 50 किग्रा से 100 ग्राम ज्यादा थीं, जिसके बाद उन्हें फाइनल से बाहर कर दिया गया था।

वाटर स्पोर्ट्स में मप्र राज्य सेलिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते सबसे ज्यादा 15 पदक

भोपाल, एजेंसी।

पांच से 10 अगस्त 2024 तक कृष्णराजासागर, मैसूर में आयोजित वायएआई जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनषिप 2024 में मप्र राज्य सेलिंग अकादमी भोपाल के खिलाड़ियों ने सेलिंग खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 6 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 15 पदक अर्जित कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। खेल अकादमी के पदक विजेता खिलाड़ियों के खेल की सराहना करते हुए खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने उन्हें बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि मैसूर में आयोजित इस जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 13 स्टेट एसोसिएशन/क्लबों के 122 सेलर्स ने अपने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन

खेलमंत्री विश्वास सारंग ने दी बधाई

किया, जिसमें सेलिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल और शारीरिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जितेन्द्र दीक्षित ज्वाइंट सेकेट्री ने पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। सभी पदक विजेता खिलाड़ी मप्र राज्य अकादमी के प्रशिक्षक नरेन्द्र सिंह राजपूत एवं सहायक प्रशिक्षक अनिल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत् हैं।

ओलंपिक के बाद मनु भाकर ने लिया 3 महीने का ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी।

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। मनु ऐसी पहली भारतीय बन गई थीं, जिन्होंने एक ओलंपिक में दो पदक जीते। मनु ने सबसे पहले वूमेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज जीता था। फिर दूसरा ब्रॉन्ज मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में दिलाया। उनके साथ सरबजोत सिंह भी टीम में थे। अब मनु भाकर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। मनु भाकर अक्टूबर में होने वाले निशानेबाजी विश्वकप से बाहर रह सकती हैं, क्योंकि उन्होंने तीन महीने का ब्रेक लेने का फैसला किया है। उनके कोच जसपाल राणा ने यह जानकारी दी।

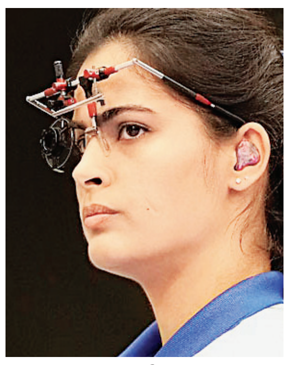

निशानेबाजी विश्वकप से बनाई दूरी...

जसपाल ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह अक्टूबर में होने वाले वर्ल्डकप में खेलेंगी या नहीं क्योंकि वह तीन महीने का ब्रेक ले रही हैं। उन्होंने कहा, वह लंबे समय से कड़ी मेहनत कर रही है तो यह नॉर्मल ब्रेक है। निशानेबाजी विश्वकप दिल्ली में 13 से 18 अक्टूबर के बीच होगा। जसपाल ने कहा कि ब्रेक के बाद वे 2026 एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों पर काम करेंगे।

हॉकी के योद्धा पीआर श्रीजेश भारत लौटे, जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी।

खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ ओलंपिक गेम्स इस बार पेरिस में हुए। पेरिस ओलंपिक 2024 का आगाज 26 अगस्त को हुआ और फिर 11 अगस्त को इसका समापन हो गया। पेरिस ओलंपिक में भारत ने 6 मेडल जीते, जिसमें 1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज शामिल रहे। पेरिस ओलंपिक की समाप्ति के बाद भारतीय खिलाड़ियों का स्वदेश वापसी का सिलसिला जारी है। हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी पीआर श्रीजेश भी 13 अगस्त (मंगलवार) को भारत लौट आए हैं। हॉकी खिलाड़ियों में श्रीजेश के अलावा अमित रोहिदास, सुमित, राज कुमार पाल, अभिषेक, सुखजीत सिंह, संजय भी एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए।

एयरपोर्ट पर उमड़ा फैंस का सैलाब

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। ढोल की थाप पर जमकर लोग जश्न मनाते हुए भी नजर आए। इससे पहले 11 अगस्त को भारतीय हॉकी टीम के पंजाब से जुड़े खिलाड़ी अमृतसर लौटे थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में ब्रॉन्ज

मेडल जीता था। 8 अगस्त को खेले गए ब्रॉन्ज मेडल मैच में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराया।

भारतीय टीम के यादगार प्रदर्शन में गोलकीपर पीआर श्रीजेश का अहम रोल रहा। अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश पूरे टूर्नामेंट में चट्टान की तरह भारतीय गोल की रक्षा करते रहे। क्लोजिंग सेरेमनी में परेड ऑफ नेशंस के लिए भारतीय ध्वजवाहक पीआर श्रीजेश और मनु भाकर रहे थे। पीआर श्रीजेश ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि पेरिस ओलंपिक उनका आखिरी टूर्नामेंट होने जा रहा है।

ग्राहम थोर्प ने ट्रेन के आगे कूदकर किया था सुसाइड

सरे (ब्रिटेन), एजेंसी। इंग्लैंड और सरे के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प की मौत को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। 182 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले ग्राहम थोर्प का उनके जन्म दिन (1 अगस्त) के कुछ दिन बाद 4 अगस्त को निधन हुआ था। वह 55 साल के थे, फिर 12 अगस्त को थोर्प की पत्नी अमांडा ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया था कि दिग्गज क्रिकेटर ने आत्महत्या की थी, मगर अब इस मामले में एक दर्दनाक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक, एक जांच में सामने आया है कि थोर्प ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी थी। इस घटना के बाद उन्हें कई गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उनकी मौत हुई। कोर्ट के सामने पेश की गई जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि सरे शहर में ईशर रेलवे स्टेशन पर 4 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे ट्रैक पर एक शख्स पड़ा मिला था। पैरामेडिक ने ट्रैक पर पड़े शख्स की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया गया। जांच में पता चला कि वो ग्राहम थोर्प थे। जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ग्राहम थोर्प ने सरे शहर में ईशर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के आगे आकर सुसाइड किया था। मेडिकल ऑफिसर के मुताबिक, इस घटना के बाद कई गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण ही थोर्प की मौत हो गई।

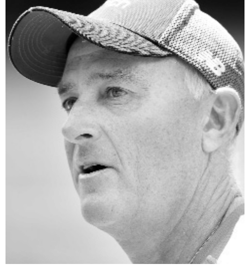

मौत के हफ्तेभर बाद एक और चौंकाने वाला खुलासा

रिकी पोंटिंग बोले, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीतेंगे कंगारू

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में आस्ट्रेलियाई टीम भारत को 3-1 के अंतर से हराएंगी। ऑस्ट्रेलिया इस पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की मेजबानी कर रहा है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, मैं स्पष्ट रूप से ऑस्ट्रेलिया को जीत का दावेदार मानता हूं। मैं कभी भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दांव नहीं लगाऊंगा। कोई न कोई मैच ड्रॉ हो सकता है और किसी न किसी मैच में मौसम खराब भी हो सकता है। इसलिए मैं 3-1 से ऑस्ट्रेलिया की जीत की भविष्यवाणी करता हूं। यह एक प्रतिस्पर्धी श्रृंखला होने जा रही है। यह श्रृंखला इस मायने में भी खास है कि इसमें फिर से पांच टेस्ट खेले जाएंगे।

सम्मान | पाकिस्तानी पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने नदीम के गांव का किया दौरा और जमकर की उनकी प्रशंसा

नदीम पर ईनाम की बारिश, अब मरियम ने दिए 10 करोड़ और 92.97 नंबर प्लेट वाली कार

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तानी पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ ने पेरिस ओलंपिक में जेवलिन थ्रो का गोल्ड मेडल जीतने वाले अरशद नदीम को 10 करोड़ रुपये का ईनाम दिया है। मरियम नवाज शरीफ ने उन्हें दस करोड़ रुपये का चेक दिया। मरियम ने नदीम को एक होंडा सिविक कार भी दी। इसका नंबर पीएके 92.97 है। अरशद नदीम ने ओलंपिक में 92.97 मीटर जेवलिन थ्रो किया था। अरशद का पाकिस्तान में जगह-जगह सम्मान हो रहा है। पाकिस्तानी के कई नामी-गिरामी लोग और संगठन उनके लिए ईनाम का ऐलान कर चुके हैं।

बता दें कि अरशद नदीम पाकिस्तान में एक राष्ट्रीय प्रतीक बन गए हैं, जिन्होंने पेरिस में 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद व्यापक

प्रशंसा अर्जित की है। 92.97 मीटर के उनके उल्लेखनीय थ्रो ने न केवल उन्हें शीर्ष स्थान दिलाया, बल्कि एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड भी बनाया, जिससे वे पूरे देश के लिए बहुत गर्व का स्रोत बन गए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने नदीम को सुर्खियों में ला दिया है और देश प्रतिष्ठित पुरस्कारों, महत्वपूर्ण पुरस्कारों और सरकार और उनके समुदाय दोनों की ओर से सराहना के भावपूर्ण इशारों के माध्यम से उनकी सफलता का जश्न मनाने के लिए एकजुट हो रहा है। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने व्यक्तिगत रूप से नदीम के गांव मियां चुन्नू का दौरा किया और नकद पुरस्कार और कार की चाबी सौंपीं। समारोह के दौरान, उन्होंने नदीम की प्रशंसा करते हुए कहा, अरशद को जो कुछ भी मिला है, वह उसका हकदार है, क्योंकि उसने देश को बहुत खुशी और गौरव दिलाया है। 92.97 नंबर की विशेष नंबर प्लेट वाली कार नदीम के ओलंपिक रिकॉर्ड की याद दिलाती है।

सीएम ने कोच को दिए 50 लाख, ससुर ने भेंट की भैंस

सीएम ने नदीम के कोच सलमान इकबाल बट को प्रशंसा के प्रतीक के रूप में 50 लाख रुपये का चेक भी प्रदान किया। सरकारी प्रशंसा के अलावा, नदीम के ससुर मुहम्मद नवाज ने उन्हें एक भैंस भेंट की, जो उनके ग्रामीण गांव में सम्मान और मूल्य का प्रतीक है। नवाज ने इस बात पर जोर दिया कि यह इशारा नदीम के पंजाब के खानेवाल में अपनी जड़ों से गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। अपनी अंतरराष्ट्रीय सफलता के बावजूद, नदीम अपने परिवार के साथ गांव में सादगी से रह रहे हैं। नवाज ने यह भी बताया कि नदीम ने उनकी सबसे छोटी बेटी आयशा से शादी की है और उनके तीन बच्चे हैं।

श्रीलंका ने इंग्लैंड दौरे के लिए इयान बेल को बनाया बल्लेबाजी कोच

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर इयान बेल को आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। श्रीलंका क्रिकेट ने बताया कि इयान बेल 16 अगस्त से टीम के साथ जुड़ेंगे, और तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के समापन तक टीम के साथ रहेंगे। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के सीईओ एशले डी सिल्वा ने कहा, "हमने इयान को इसलिए नियुक्त किया है, ताकि खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके।

अहाना ने सोशल मीडिया को कलाकारों के लिया बताया अभिशाप

अभिनेत्री अहाना एस कुमरा ने हिंदी सिनेमा ने अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ टीवी शो युद्ध से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वह लिपस्टिक अंडर माय बुर्का, द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और सलाम वेंकी जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। इसके बावजूद भी उन्हें लगता है कि आज उनके लिए काम पाना पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मुश्किल है। उन्होंने कहा कि प्रभाव और नेटवर्किंग ही एकमात्र ऐसी चीज हैं, जिनके जरिए आपको काम मिल रहा है। अहाना ने कहा, बहुत से सितारे उलझन में हैं कि इससे कैसे निपटा जाए, क्योंकि हमें सोशल मीडिया पर आक्रामक रूप से सक्रिय रहने और पीआर एजेंसियों की मदद लेने के लिए कहा जा रहा है। अभिनेत्री ने कहा सोशल मीडिया अभिनेताओं के लिए वरदान से ज्यादा अभिशाप बन गया है। उन्होंने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी, तो सोशल मीडिया पर खास तरह का दिखने और रील और डांस वीडियो करते रहने का इस तरह का दबाव नहीं था। आज बहुत सारी कास्टिंग सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर हो रही है।

उन्होंने कहा, आज के समय में काम पाना बहुत मुश्किल और बेहद दर्दनाक है। यहां तक कि जिन फिल्म निर्माताओं के साथ आप काम करना चाहते हैं, वे भी सोशल मीडिया के प्रभाव वाले लोगों की ओर बढ़ रहे हैं। इसलिए कलाकार सोच में पड़ जाते हैं कि क्या मुझे एक प्रभावशाली व्यक्ति बन जाना चाहिए और नौकरी पाने के लिए सोशल मीडिया पर नाचना शुरू कर देना चाहिए? अभिनेत्री ने आगे कहा, क्या मुझे बड़बड़ाना शुरू कर देना चाहिए। नकल करनी चाहिए या दिल्ली की आंटी की तरह बनना चाहिए? क्या आपको इस तरह से नौकरी मिलेगी? क्योंकि मुझे नहीं लगता कि वे लोग इससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे। अहाना ने कहा कि सोशल मीडिया के दबाव के साथ बाहरी व्यक्ति होना भी इंडस्ट्री में नुकसानदेह है। उन्होंने कहा, भारत में एक समय के बाद हमारी इंडस्ट्री में अभिनेताओं की कमी हो जाएगी। अगर आपको हर दिन सोशल मीडिया रील बनाने और कास्ट होने के लिए डांस करने के लिए कहा जाए, तो कौन अभिनय करने जा रहा है?

अहाना कुमरा ने नेपोटिज्म को लेकर कहा, यह एक बहुत ही क्रूर और कठिन इंडस्ट्री है। बाहरी व्यक्ति के तौर पर यह आपको दूसरा मौका नहीं देती, जबकि अंदरूनी व्यक्ति के तौर पर आपको 20-30 फिल्में बर्बाद करनी पड़ती हैं। ताकि इससे पहले आप यह समझ पाएं कि कैसे परफॉर्म करना है। फिल्मी परिवारों के युवा बच्चों को इंडस्ट्री में आने के लिए पांच साल की उम्र से ही तैयार किया जाता है।

हीरामंडी के शूटिंग एक्सपीरियंस से नाखुश जेसन शाह

मई 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी काफी चर्चा में रही थी। मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा स्टारर इस सीरीज में जेसन शाह ने कार्टराइट का रोल प्ले कर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था, हालांकि अब एक्टर की मानें तो उनका शूटिंग एक्सपीरियंस कुछ खास नहीं था। एक्टर ने बताया है कि सेट पर कम्युनिकेशन की काफी कमी थी। हाल ही मे इनसाइड द माइंड विद ऋषभ को दिए इंटरव्यू में जेसन शाह ने हीरामंडी सीरीज की मेकिंग पर बात की है। एक्टर ने कहा है कि हीरामंडी के सेट पर कम्युनिकेशन की कमी थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि सब कुछ कम समय में हड़बड़ी में किया जाता है। ऐसे में कम्युनिकेशन की कमी हो जाती है। ये एक वीक पॉइंट है, जिस पर इंडस्ट्री को काम करना चाहिए। बातचीत के दौरान जेसन शाह ने ये भी बताया कि ज्यादातर हिस्सों में संजय लीला भंसाली ने उन्हें डायरेक्ट नहीं किया था। एक्टर अपने किरदार से भी ज्यादा खुश नहीं थे। इंटरव्यू में जेसन ने कहा है, मैंने हाल ही में लापता लेडीज देखी, उस फिल्म के किरदारों में गहराई थी। डायलॉग्स में गहराई थी। उसे देखकर आपका मनोरंजन होता है। अगर ऐसी और फिल्में बनेंगी, जिनमें किरदारों को गहराई से दिखाया जाएगा, तो लोग उससे कनेक्ट हो सकेंगे।

फिल्म 12वीं फेल के बाद नेशनल क्रश बन गई थीं मेधा शंकर, तब विक्रांत मैसी ने दी थी ये सलाह

पिछले साल रिलीज हुई फिल्म '12वीं' फेल काफी चर्चा में रही थी। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री मेधा शंकर की जोड़ी को काफी सराहा गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल करने के बाद, ओटीटी पर भी काफी देखी गई थी। फिल्म में मेधा ने श्रद्धा जोशी का किरदार निभाया था।

मेधा के इस किरदार की वजह से उन्हें काफी पहचान मिली। उनकी मासूमियत की वजह से उन्हें काफी पसंद किया गया। उनके सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई। सोशल मीडिया पर उन्हे नेशनल क्रश तक कहा जाने लगा। फिल्म की वजह से उनकी पूरी जिंदगी रातों-रात बदल गई थी। इस दौरान उन्हें अपने सह-कलाकार और फिल्म के निर्माता से बेहद जरुरी सलाह मिली थी।

एक इंटरव्यू के दौरान मेधा ने फिल्म के बाद अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की है। उन्होंने कहा मुंबई में आने के बाद पांचवें साल में उन्हें ये फिल्म मिली थी। हालांकि, अभिनेत्री ने इस अवधि को संघर्ष बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह आसान नहीं था, लेकिन मैं इसे संघर्ष कहना पसंद नहीं करती। यह एक बहुत ज़्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। अभिनेत्री ने कहा कि मशहूर फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा ने उन पर विश्वास दिखाते हुए ऑडिशन के लिए भी नहीं कहा था। मेधा के मुताबिक, उन्हें इतने बड़े अवसर की उम्मीद भी नहीं थी। इस दौरान उन्होंने निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा की फिल्मों में महिला किरदारों के चित्रण की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि जब लोग उन्हें श्रद्धा के किरदार में देखेंगे, तो उन्हें पसंद करेंगे।

अभिनेत्री ने खुलासा किया विधु विनोद चोपड़ा और विक्रांत मैसी ने उन्हें सलाह दी थी कि वो सफलता की वजह से अपने अंदर बदलाव को ना आने दें। मेधा ने विक्रांत की सलाह को लेकर कहा, जब मुझे नेशनल क्रश के रूप में काफी ज्यादा चर्चा मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा था कि मेधा, बस याद रखो कि ये सब कुछ बस थोड़ी देर के लिए है , इसलिए बस सही चीजों पर ध्यान केंद्रित करो।

सन ऑफ सरदार 2 से बाहर हुए संजय दत्त

संजय दत्त और अजय देवगन एक जोड़ी एक बार फिर से परदे पर दिखने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा। दोनों सन ऑफ सरदार 2 में नजर आने वाले थे, जो साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार का सीक्वल है। इसकी वजह यह है कि संजय दत्त इस फिल्म से बाहर हो गए हैं। संजय दत्त के फिल्म से बाहर होने की वजह यह है कि उन्हें यूके का वीजा नहीं मिल पाया है और उन्हें फिल्म की शूटिंग के लिए वहां जाना था। मिड-डे में छपी एक रिपोर्ट बताती है कि अब अभिनेता और बीजेपी सांसद रवि किशन को संजय दत्त की जगह कास्ट कर लिया गया है। संजय दत्त ने सन ऑफ सरदार में बिल्लू का किरदार निभाया था और अजय देवगन, जस्सी रंधावा के रोल में नजर आए थे। दर्शकों को संजय के फिल्म से बाहर होने के चलते, दोनों को एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए किसी दूसरी फिल्म का इंतजार करना होगा। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी अभिनय कर रही हैं और इसे फिलहाल स्कॉटलैंड में फिल्माया जा रहा है। साल 1993 में मुंबई बम धमाकों के बाद, जब संजय दत्त को आर्म्स एक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था तो उन्हें पांच साल की सजा मिली थी, जिसे उन्होंने 2016 में पूरा किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी गिरफ्तारी के बाद से संजय दत्त आज तक यूके नहीं जा पाए हैं। वो वीजा के लिए कई बार आवेदन कर चुके हैं, लेकिन कभी बात नहीं बनी। सन ऑफ सरदार एक कॉमेडी एक्शन फिल्म है। इसका निर्देशन अश्वनी धिर ने किया था। इसमें अजय देवगन और संजय दत्त के अलावा सोनाक्षी सिन्हा, मुकुल देव, विंदु दारा सिंह, अर्जन बाजवा, तनुजा और संजय मिश्रा समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया था। फिल्म के गाने पो पो में सलमान खान भी थिरकते नजर आए थे।

अनन्या पांडे की फिल्म सीटीआरएल की रिलीज डेट का ऐलान, कंटेंट क्रिएटर की भूमिका में आएंगी नजर

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अपने आगामी प्रोजेक्ट सीटीआरएल को लेकर इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म सीटीआरएल की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफिलक्स पर आयेगी। जानकारी के अनुसार, अनन्या पांडे सीटीआरएल में एक कंटेंट क्रिएटर की भूमिका निभा रही हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है और इसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। नेटफिलक्स के साथ अनन्या पांडे का यह दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले उनकी फिल्म 'खो गए हम कहां' नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। अनन्या ने फिल्म के बारे में कहा, सीटीआरएल एक आकर्षक प्रभावशाली फिल्म है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या वास्तव में आपका जीवन आपके अपने नियंत्रण में होता है। मेरा मानना है कि यह फिल्म सभी के लिए है, क्योंकि टेक्नॉलॉजी में तेजी से इजाफा हो रहा है और इस पर हमारी निर्भरता भी बढ़ती जा रही है। निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने का मानना है कि हम अपने डिवाइस पर जितना समय बिताते हैं, उस हिसाब से स्क्रीन टाइम को अब स्क्रीन लाइफ हो गया है। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि क्या वास्तव में हम अपने जीवन के सभी डिजिटल एक्सटेंशन को नियंत्रण कर रहे हैं, या हमें नियंत्रित किया जा रहा है यही कारण है कि इसका जवाब 'सीटीआरएल' के जरिए तलाशा जा रहा है। इस तरह के नए युग की अवधारणा के लिए, हमें न केवल ऐसे कलाकारों की जरूरत थी जो इस तरह का जीवन जीते हों, बल्कि नेटफ्लिक्स जैसा प्लेटफॉर्म भी चाहिए था, जो लोगों के बीच लोकप्रिय है। प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी ने फिल्म सीटीआरएल को लेकर खुशी जाहिर की।

मुझे कई फिल्मों के लिए पैसे नहीं मिले...

सुनिधि चौहान देश की मशहूर गायिका हैं। उन्होंने एक से बढ़कर सुपरहिट गाने दिए हैं। बड़ी संख्या में देश भर में उन्हें लोग उन्हें पसंद करते हैं। यही नहीं, सुनिधि चौहान भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाली गायिकाओं में से भी एक हैं। हाल ही में, उन्होंने बॉलीवुड संगीत माफिया के बारे में खुलकर बात की, जिस पर सोनू निगम ने भी कमेंट किया था।

बॉलीवुड माफिया पर बोलीं सुनिधि

हाल ही में, एक इंटरव्यू में सिंगर से पूछा गया कि क्या बॉलीवुड माफिया ही इंडस्ट्री की चीजों को नियंत्रित करता है। राज शमनी से बात करते हुए सुनिधि ने जवाब दिया, यह हर जगह मौजूद है। लॉबी पुरस्कार समारोहों, संगीत, फिल्मों और रिएलिटी शो में मौजूद है। यह ऐसी चीज है, जिससे आप बच नहीं सकते। आप अपना काम करें, और अगर आप इसमें शामिल होना चाहते हैं तो चीजों को ठीक करने के लिए ऐसा करें। सिंगर से आगे पूछा गया, कई बार ऐसा होता है कि एक गाना कई गायकों के साथ बनाया जाता है, और फिर निर्माता एक को चुन लेते हैं और बाकी को काम के लिए पैसे भी नहीं मिलते। तो क्या बॉलीवुड में पैसे नहीं मिलते? इस पर सुनिधि ने कहा, मुझे कई फिल्मों के लिए पैसे नहीं मिले। आज भी वे मुझे पैसे नहीं देते। वे पूछते हैं और मैं पैसे नहीं लेती क्योंकि मुझे लगता है कि इस गाने के लिए मुझे पैसे की जरूरत नहीं है। कुछ जगहों पर मैं मदद करना चाहती हूं इसलिए मैं अपनी कीमत बताती हूं और गाना गाती हूं।

सोनू निगम ने की थी चर्चा

सुनिधि ने आगे कहा, आप किसी के अहंकार को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते क्योंकि हर कोई आपकी तरह नहीं सोचता। वे यह भी नहीं समझ सकते कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले सोनू निगम ने एक बार इस समूह के बारे में एक बयान दिया था, जिसमें कहा गया था कि कुछ ही लोग हैं, कुछ ही लोगों को आगे बढ़ाएंगे?

सर्जरी कराने को लेकर ट्रोल हुईं रिमी सेन

एक समय कॉमेडी फिल्मों में नजर आने वाली अभिनेत्री रिमी सेन इन दिनों अपने लुक्स को लेकर हर तरफ चर्चा में हैं। अभिनेत्री वर्षों से लाइमलाइट से दूर हैं, लेकिन एक रैंडम रेडिट पोस्ट ने रिमी सेन को फिर से लाइमलाइट में ला दिया। सोशल मीडिया पर उनकी लेटेस्ट तस्वीरें वायरल होने लगी, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने सर्जरी करवा ली है। इसके बाद अभिनेत्री को आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। हालांकि, अब रिमी ने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। रिमी ने कहा, अगर लोगों को ऐसा लग रहा है कि मैंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है... अगर यह अच्छे तरीके से हो, तो यह मेरे लिए बहुत अच्छा है। बिना प्लास्टिक सर्जरी करवाए बिना ही लोग बोल रहे हैं। मैंने केवल फिलर्स, बोटॉक्स, पीआरपी ट्रीटमेंट करवाया है, इसके अलावा कुछ नहीं।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास अच्छे डॉक्टर्स हैं

अभिनेत्री ने आगे कहा, जब तक कोई व्यक्ति कोई अपराध करके भाग न रहा हो, तब तक उसे प्लास्टिक सर्जरी करवाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। भारत के बाहर बहुत से अच्छे डॉक्टर हैं, जो फेसलिफ्ट करने में माहिर हैं। मैं भी यह करवाना चाहती हूं, लेकिन मैं 50 की उम्र पार करने के बाद इस बारे में सोचूंगी। अभी इन सबसे काम चल रहा है।